जबलपुर
रविवार, 27 जुलाई 2025
श्रावण मास शुक्ल पक्ष-03
वर्ष : 20, अंक : 88
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम
अधि. 28
न्यून. 24

बिजनेस इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स फर्म मॉर्निंग कंसल्ट का अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता बने, 75% अप्रूवल रेटिंग के साथ टॉप पर

यह रेटिंग उन्हें 20 देशों के शीर्ष नेताओं की सूची में सबसे ऊपर रखती है

मोदी की लोकप्रियता का कारण उनकी मजबूत अंतरराष्ट्रीय छवि, निर्णय लेने की क्षमता और भारत के घरेलू और वैश्विक हितों पर आधारित स्पष्ट नीतियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर अपनी वैश्विक लोकप्रियता साबित करते हुए दुनिया के सबसे पसंदीदा नेता का स्थान हासिल किया है। बिजनेस इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स फर्म मॉर्निंग कंसल्ट के मुताबिक जुलाई 2025 में कराए गए एक अंतरराष्ट्रीय सर्वेक्षण में पीएम मोदी को 75 प्रतिशत 'अप्रूवल रेटिंग' मिली है।

यह रेटिंग उन्हें 20 देशों के शीर्ष नेताओं की सूची में सबसे ऊपर रखती है। इस सर्वे में पीएम मोदी के बाद दूसरे स्थान पर दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-मयोंग रहे जिन्हें 59 प्रतिशत लोगों का मिला।

- **दूसरे स्थान पर** दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-मयोंग
- **तीसरे**-अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिली
- **चौथा स्थान** कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी
- **पांचवां**-ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज

डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44% लोगों ने समर्थन दिया

वहीं, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को केवल 44 प्रतिशत लोगों ने समर्थन दिया जबकि 50 प्रतिशत लोगों ने असहमति जताई। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा को 54 प्रतिशत नकारात्मक रेटिंग मिली। पोलैंड, बेल्जियम और स्विट्जरलैंड जैसे देशों में नेताओं की लोकप्रियता 50 प्रतिशत से भी कम रही। सबसे निचले स्थान पर ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे रहे, जिन्हें 60 प्रतिशत से अधिक लोगों ने खारिज कर दिया। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पीएम मोदी के नेतृत्व को केवल 18 प्रतिशत लोगों ने नकारा और 7 प्रतिशत ने कोई राय नहीं दी।

रेलवे का बड़ा एक्शन... डिजिटल सफाई अभियान

ढाई करोड़ आईआरसीटीसी अकाउंट्स किए गए डिलीट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने टिकट बुकिंग में पारदर्शिता और सुधार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 2.5 करोड़ फर्जी आईआरसीटीसी यूजर अकाउंट्स को बंद कर दिया है। संसद के मानसून सत्र में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में इस डिजिटल सफाई अभियान की जानकारी दी।

रेलवे के ये महत्वपूर्ण कदम

- 1 जुलाई 2025 से लागू हुए नए तत्काल नियम
- तत्काल टिकटों की बुकिंग को और सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की
- ओटीपी आधारित लॉगिन वेरिफिकेशन
- आईआरसीटीसी अकाउंट से आधार लिंकिंग अनिवार्य
- आधार-सत्यापित यूजर ही तत्काल टिकट बुक कर सकेंगे

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

तहसीलदार ने बनाया 3 रुपए का आय प्रमाण पत्र

सतना। जिले में एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है, जिसमें नयागांव निवासी रामस्वरूप पिता श्यामलाल की वार्षिक आय महज 3 रुपए दर्ज की गई। यानी औसतन मासिक आय केवल 25 पैसे ही है। यह जानकारी संबंधित व्यक्ति के आय प्रमाण पत्र में दर्ज थी। जैसे ही यह प्रमाणपत्र सार्वजनिक हुआ, सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

हाइवे पर 7 गाड़ियों की टक्कर, 2 की मौत

सागर। सागर-नरसिंहपुर नेशनल हाईवे झिरा घाटी पर कंटेनर ने बाइक सवार युवकों को चपेट में ले लिया। हादसा इतना भयानक था कि कंटेनर, बाइक को 15 फीट घसीटते हुए ले गया। हादसे में एक युवक का सिर धड़ से अलग हो गया। वहीं घटना के बाद एक घंटे तक शव सड़क पर ही पड़े रहे। 5 अन्य वाहन भी भिड़ गए।

मोहंता बने आईएफएस एसोसियेशन के नए अध्यक्ष

भोपाल। वन महकमे में आईएफएस अफसरों को नया अध्यक्ष मिल गया है। अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) हरिशंकर मोहंता आईएफएस एसोसिएशन के अध्यक्ष बनाए गए हैं। इसके पहले वीएस अन्नागिरी एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। हालांकि अन्नागिरी का निर्धारित कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सतना जिले के सिंहपुर में मातृशक्ति उत्सव के महिला सम्मेलन में बड़ा ऐलान

दिवाली के बाद आने वाली 'भाईदूज' तक लाड़ली बहनों को मिलेंगे 1500 रु. प्रतिमाह

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं की आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समरसता और सभी की अधिकार संपन्नता के लिए सामाजिक रचना के ताने-बाने में सभी स्तर पर आवश्यक योगदान दे रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हमारी सरकार कहा कि बहन-बेटियों के सशक्तिकरण के लिए स्व-सहायता समूहों का संचालन, नौकरियों और स्थानीय व नगरीय निकायों और पंचायतों में आरक्षण उपलब्ध करा रही है। माताओं-बहनों के सभी परिवारों को पक्के मकान, घर-घर गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। दीदीयां लखपति बनकर प्रगति कर रही हैं। परीक्षा में अच्छा परिणाम लाने पर लैपटॉप और डॉक्टर-इंजीनियर बनने के लिए हरसंभव सहायता बेटियों को उपलब्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को सतना जिले के सिंहपुर में आयोजित मातृशक्ति उत्सव के तहत आयोजित महिला सम्मेलन में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं की आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समरसता और सभी की अधिकार सम्पन्नता के लिए सामाजिक रचना के में सभी स्तर पर आवश्यक योगदान दे रही है।

- ***सतना को प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जिला बनाने के लिए दिलाया संकल्प***
- ***रैगाव विधानसभा क्षेत्र में सिंहपुर में सोलर प्लांट स्थापित किया जाएगा***

वर्ष 2028 तक बहनों को तीन हजार रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे

होम स्टे विकसित करने में राज्य सरकार सहयोग प्रदान करेगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीवा-सतना क्षेत्र में पर्याप्त औद्योगिक गतिविधियां संचालित हैं। इस क्षेत्र में पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए होम स्टे विकसित करने में राज्य सरकार सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सतना जिला भगवान श्रीराम से जुड़ता है अतः क्षेत्र के विकास के लिए कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को अपने गांव-मोहल्ले का उन्नयन करते हुए सतना जिले को प्रदेश का सर्वश्रेष्ठ जिला बनाने में योगदान देने का संकल्प दिलाया।

सतना जिले में 12 हजार से अधिक दीदीयां लखपतिः विजयवर्गीय

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री रक्षाबंधन का त्यौहार मनाने सतना जिले के सिंहपुर पहुंचे हैं। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की दिशा में कई कार्य हो रहे हैं। सतना जिले में ही 12 हजार से अधिक दीदीयां लखपति दीदी की श्रेणी में आ चुकी हैं। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि श्रावण मास में रक्षाबंधन के पूर्व क्षेत्र में आकर बहनों के साथ भाई-बहन का सबसे बड़ा त्योहार उत्सव मना रहे हैं।

सतना जिले में नर्मदा जल शीघ्र पहुंचाया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मातृ शक्ति उत्सव कार्यक्रम में 93 करोड़ से अधिक राशि के 232 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इन विकास कार्यों में 44 करोड़ 7 लाख की लागत के 135 कार्यों का लोकार्पण और 49 करोड़ 11 लाख की लागत के 97 कार्यों का भूमि-पूजन शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रैगाव विधानसभा क्षेत्र में सिंहपुर में प्रस्तावित सोलर प्लांट स्थापित करने की पहल की जाएगी। सरकार अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने सोलर पावर के लिए अनुदान भी दे है।

सागर में एक ही परिवार के 4 लोगों की संदिग्ध मौत

मृतकों के पास सल्फास की शीशी भी बरामद

आत्महत्या की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

जिले के खुरई थाना क्षेत्र से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां टीहर गांव में एक ही परिवार के चार सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। हालांकि, मृतकों के पास से सल्फास की शीशी बरामद हुई है, जिससे यह माना जा रहा है कि चारों ने आत्महत्या की है। पोस्टमार्टम के बाद मौतों की वजह के बारे में पता चल सकेगा। मृतकों में एक शख्स, उसकी मां और दो बच्चे शामिल हैं। पूरा मामला शुक्रवार देर रात का बताया जा रहा है। टीहर गांव में बीती रात एक खेत में बने मकान में रहने वाले मनोहर सिंह लोधी की मां तथा उसके बेटे के शव मिले। वहीं मनोहर तथा उसकी बेटी को गंभीर हालत में अस्पताल भेजा गया। यहां दोनों की भी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के समय परिवार में मनोहर लोधी (45), उसकी मां फूलरानी लोधी (70), उसकी बेटी शिवानी (18), उसका बेटा अनिकेत (16) मौजूद थे।

मृतकों में दो बच्चे भी शामिल

मृतक के भाई ने दी जानकारी

मृतक मनोहर सिंह लोधी के बड़े भाई नंदराम सिंह लोधी ने बताया कि वह चार भाई हैं, जिसमें दो भाई गांव में रहते हैं और दो भाई गांव के पास ही खेत में बने मकान में रहते हैं। मनोहर सिंह लोधी के दो मंजिल का मकान है, जिसमें ऊपर उनका एक भाई रहता है और नीचे वाले मकान में मनोहर रहता है। रात में जब उसे उल्टियां होने की आवाज आई तो उसने जाकर देखा और पास में रहने वाले लोगों को सूचनादी।

मंत्री चौहान ने लगाया बड़ा आरोप

आंगनबाड़ी भर्ती के नाम पर चल रही है खुली रिश्वत

■ भूरिया ने कहा शिकायत मिली तो कराएंगे जांच

भोपाल। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान ने आंगनबाड़ी भर्ती के नाम पर खुलेआम पैसे लेने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि मेरे गृह जिले आलीराजपुर में दलाल घूम रहे हैं जो आंगनबाड़ी और सहायिका की नौकरी के लिए पैसे मांग रहे हैं। समें विभाग के कर्मचारी और अधिकारी भी मिले हुए हैं। उन्होंने महिलाओं से अपील कर ऐसे लोगों को पैसे न देने का निवेदन किया है।

झालावाड़ की घटना के बाद शिक्षा मंत्रालय जागा

अब देश के सभी स्कूलों का होगा 'सुरक्षा ऑडिट'

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने स्कूलों में अनिवार्य सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश जारी किए हैं। यह कदम झालावाड़ की उस घटना के बाद उठाया गया है, जब एक स्कूल की छत गिरने से 11 बच्चों की मौत हो गई और कई बच्चे मलबे में दब गए। शिक्षा मंत्रालय की ओर से स्कूलों के अनिवार्य ऑडिट को लेकर विस्तृत दिशा निर्देश और सुझाव की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर भी दी गई है।

इधर, सरकारी स्कूल में टला बड़ा हादसा

छत का प्लास्टर गिरा, बच्चों ने भागकर बचाई अपनी जान

शहडोल। मामला शहडोल के सोहागपुर जनपद पंचायत अंतर्गत बोडरी ग्राम पंचायत का है। जहां स्थित शासकीय प्राथमिक स्कूल की जर्जर बिल्डिंग की छत का प्लास्टर शनिवार को गिर गया। बच्चों के साथ शिक्षक बाहर की ओर भागे और अपनी जान बचाई।

हरिद्वार गंगा स्नान करने जा रहे थे

गुना के तीन श्रद्धालुओं की सड़क हादसे में मौत

■ रेत के ट्रक में घुसी कार, मृतकों में पति-पत्नी भी

गुना। उत्तरप्रदेश के सहारनपुर इलाके में गुना के श्रद्धालुओं की कार हादसे का शिकार हो गई। इसमें तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों की मदद से पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं परिजनों को भी सूचना कर दी है। मरने वालों में पति-पत्नी शामिल हैं। घटना यूपी के सहारनपुर जिले के थाना सरसावा क्षेत्र में हुई है। गुना जिले के कुंभराज के वाले सूरज ने बताया कि वो कई तीर्थ स्थान पर गए।

चलती एंबुलेंस में शर्मनाक कांड

मरीज से ड्राइवर और टेक्नीशियन ने किया रेप

■ होमगार्ड भर्ती दौड़ में आई थी पीड़िता

गया। बिहार के गया जिले में बेहद शर्मनाक और सनसनीखेज वारदात सामने आई है, यहां एक महिला होमगार्ड भर्ती प्रक्रिया के दौरान दौड़ते समय बेहोश हो गई। इसके बाद एंबुलेंस बुलाई गई। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में एंबुलेंस चालक और टेक्नीशियन ने महिला के साथ रेप किया। इस मामले के सामने आने के बाद पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल, यह घटना गुरुवार की है। यहां बोधगया क्षेत्र के बीएमपी 3 परेड में होमगार्ड भर्ती चल रही है।

ग्राम पंचायत स्तर होगी इसकी शुरुआत

प्रशिक्षित स्वयं सहायता समूह सदस्यों को बनाएंगे बीमा सखी

केंद्रीय मंत्री शिवराज बोले- यह सामाजिक सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण का मजबूत उदाहरण

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को 'बीमा सखी योजना' को लेकर एक वक्तव्य जारी किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'बीमा सखी योजना' की ऐतिहासिक शुरुआत हुई है। यह योजना न केवल महिला सशक्तिकरण, बल्कि ग्रामीण भारत और अर्ध शहरी क्षेत्रों को आर्थिक सुरक्षा मुहैया कराने की दिशा में एक उल्लेखनीय कदम है।

चौहान ने कहा कि केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय ने भारत सरकार के मिशन 2047 तक सभी के लिए बीमा को साकार करने हेतु भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ महत्वपूर्ण साझेदारी की है। राष्ट्रीय आजीविका मिशन वित्तीय समावेशन पहल के अंतर्गत इस योजना के तहत, देशभर की प्रशिक्षित स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं को 'बीमा सखी' के रूप में ग्राम पंचायत स्तर पर नियुक्त किया जाएगा। शिवराज ने कहा कि बीमा सखी योजना, महिला उद्यमिता और वित्तीय आज़ादी का मजबूत माध्यम है।

बारिश से जनजीवन प्रभावित : बरगी-तवा और सतपुड़ा डैम के खोले गेट, गांवों में अलर्ट, कई मार्ग बंद

भोपाल-इंदौर में सड़कों पर 2 फीट तक पानी भरा

महाकाल लोक के 'नंदी द्वार' के पास पहुंचा नाले का गंदा पानी, श्रद्धालु होते रहे परेशान

ग्वालियर में पानी भरे मार्गों पर आवागमन रोका गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में बारिश का दौर जारी है। भोपाल-इंदौर में सड़कों पर 2 फीट तक पानी भर गया। नर्मदापुरम के तवा डैम के 9 गेटों को 10-10 फीट तक खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। बैतूल के सतपुड़ा डैम के 7 गेट खोले गए हैं। जबलपुर के बरगी और रायसेन के बारना डैम के गेटों से भी पानी छोड़ा जा रहा है। उज्जैन शहर पर शनिवार को मानसून मेहरबान हुआ और सुबह करीब 8:30 बजे शुरू हुई तेज बारिश दो घंटे तक लगातार होती रही।

उज्जैन में सड़कें डूबी

मंडला में तेज बारिश से बढ़ा नर्मदा का जलस्तर

मंडला। जिले में लगभग एक सप्ताह बारिश से राहत के बाद एक बार फिर से तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। जिले में पिछले 24 घंटे में 1.12 इंच बारिश दर्ज की गई है। नर्मदा नदी का जल स्तर चेतावनी रेखा को पार कर लगभग 437.2 मी तक पहुंच गया है। फिलहाल छोटा रपटा पल जलमग्न है।

अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए 17 सांसदों को मिला 'संसद रत्न' सम्मान

संसदीय लोकतंत्र में लगातार 3 कार्यकालों में योगदान पर जूरी सम्मान भी दिया गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अभी संसद का मानसून सत्र चल रहा है। ये सत्र 21 अगस्त तक चलेगा। सुप्रिया सुले (एनसीपी-एसपी), रवि किशन (भाजपा), निशिकांत दुबे (भाजपा) और अरविंद सावंत (शिवसेना -यूटीबी) सहित 17 सांसदों 'संसद रत्न' से सम्मानित किए जाएंगे। इन सभी सांसदों को लोकसभा में उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए 'संसद रत्न' सम्मान- 2025 से सम्मानित किया जाएगा।

संसद रत्न पुरस्कार के अलावा इसमें 4 विशेष जूरी पुरस्कार भी शामिल हैं, जो संसदीय लोकतंत्र में उनके लगातार तीन कार्यकालों में दिए गए योगदान को मान्यता देते हैं।

4 विशेष जूरी पुरस्कार भी शामिल

इन सम्मानों में चार विशेष जूरी पुरस्कार भी शामिल हैं, जो लगातार 3 कार्यकालों में संसदीय लोकतंत्र में उनके निरंतर योगदान को मान्यता प्रदान करते हैं। विशेष पुरस्कार भर्तृहरि महताब (भाजपा, ओडिशा), एन के प्रेमचंद्रन (रिवॉल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी, केरल), सुप्रिया सुले (एनसीपी-एसपी, महाराष्ट्र), और श्रीरंग अप्पा बारणे (शिवसेना, महाराष्ट्र) को दिए जाएंगे।

इसमें सभी दलों के सांसद शामिल

सुप्रिया सुले (एनसीपी- एसपी)

अरविंद सावंत (शिवसेना -यूटीबी)

भर्तृहरि महताब (भाजपा)

निशिकांत दुबे (भाजपा)

रवि किशन (भाजपा)

16वीं लोकसभा के बाद से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

इन सभी ने 16वीं लोकसभा के बाद से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बनाए रखा है। अन्य सम्मानित किए जाने वाले सांसदों में स्मिता उदय वाघ (भाजपा), नरेश म्हस्के (शिवसेना), वर्षा गायकवाड़ (कांग्रेस), मेधा कुलकर्णी (भाजपा), प्रवीण पटेल (भाजपा), विद्युत बरण महतो (भाजपा) और दिलीप सैकिया (भाजपा) शामिल हैं।

कृषि संबंधी स्थायी समिति भी होगी सम्मानित

समिति श्रेणी में भर्तृहरि महताब की अध्यक्षता वाली वित्त संबंधी स्थायी समिति और डॉक्टर चरणजीत सिंह चन्नी (कांग्रेस) की अध्यक्षता वाली कृषि संबंधी स्थायी समिति को उनकी रिपोर्ट की गुणवत्ता और विधायी निगरानी में योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

प्राइम पॉइंट फाउंडेशन ने किया चयन, ये सम्मान के पात्र

प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा स्थापित संसद रत्न पुरस्कार उन सांसदों को दिया जाता है जो संसद में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और संसद में जनता की समस्याओं से संबंधित मुद्दा उठाते हैं। इस पुरस्कार के लिए विजेता का चयन एक जूरी द्वारा किया जाता है। यह प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष होती है। इस पुरस्कार के अलावा संसद की प्रभावशाली स्थायी समितियों को भी सम्मानित किया जाता है। संसद रत्न पुरस्कार की शुरुआत 2010 में प्राइम पॉइंट फाउंडेशन द्वारा की गई थी। 2025 की इस जूरी के अध्यक्ष हंसराज अहीर थे।

खबर संक्षेप

चेक डैम में नहाने गए 4 युवकों की मौत

सराईकेला। झारखंड के खरसावां प्रखंड के सराईकेला में बुधवार सुबह करीब 8 बजे एक दर्दनाक हादसा हो गया। चेक डैम में नहाने उतरे 4 युवक तेज बहाव में बह गए और सीमेंट की दीवार से टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गए। एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 को अस्पताल ले जाने पर मृत घोषित कर दिया गया।

सीईटी परीक्षा में हेयरबैंड मंगलसूत्र, चूड़ी उतरवाए

फरीदाबाद। जिले के 163 केंद्रों पर शनिवार को पहली शिफ्ट में 42000 अभ्यर्थियों ने सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) का शांतिपूर्ण तरीके से दी है। केंद्रों पर सुबह 7:30 बजे से 9:15 बजे तक एडमिट कार्ड और आईडी के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश मिला। महिला अभ्यर्थियों से मंगलसूत्र, चूड़ी, बालों में लगे रबड़, नोजपिन भी निकलवा दी।

गुरुग्राम से 10 अवैध बांग्लादेशी गिरफ्तार

गुरुग्राम। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 बांग्लादेशी इमीग्रेंट्स को हिरासत में लिया है। उन सभी के पास से कई ऐसे दस्तावेज मिले हैं जिससे यह साबित होता है कि वो सभी बांग्लादेश से अवैध तरीके से भारत आए थे। बताया जा रहा कि पुलिस के मुताबिक इन सभी बांग्लादेशियों को वापस उनके देश भेजने की तैयारी शुरू कर दी गई है।

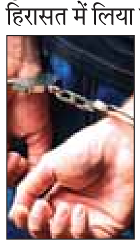

भागलपुर में पुलिस को पीटा, हथियार भी लूटे

भागलपुर। जिले स्थित पीरपैंती थाना क्षेत्र के लकड़ा कोल गांव में शुक्रवार देर रात अपहरण की सूचना पर छापेमारी करने गई कहलगांव थाने की पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने थानेदार समेत सभी पुलिसकर्मियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। साथ ही पिस्टल भी लूट लिए।

राहुल के ओबीसी वाले बयान पर मंत्री चौहान ने किया बड़ा हमला

वे देर से समझे, कांग्रेस ने ओबीसी के लिए क्या किया? 10 साल बाद फिर मांगेंगे माफी

इमरजेंसी, सिख दंगा, राफेल के बाद अब मांग रहे ओबीसी से माफी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को ओबीसी वर्ग को लेकर बड़ा बयान दिया था। राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को जिस तरह से इस वर्ग के हितों की रक्षा करनी थी, वह कार्य उस प्रकार से नहीं हुआ। राहुल के इस बयान पर भाजपा समेत अन्य दलों ने निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राहुल को बहुत देर से समझ आती है। पहले उन्होंने इमरजेंसी के लिए माफी मांगी। फिर उन्होंने सिख दंगों के लिए माफी मांगी। फिर उन्होंने ओबीसी से माफी मांगी। कांग्रेस ने ओबीसी के लिए क्या किया? कांग्रेस ने ओबीसी को हर संभव कुचलने का काम किया। उन्होंने राफेल मामले में भी माफी मांगी और अब राहुल गांधी जो कर रहे हैं, उसके लिए वे दस साल बाद फिर माफी मांगेंगे। वे कभी सही काम नहीं करते और 10 साल बाद माफी मांगते हैं।

माफी, माफी और माफी के अलावा बचा क्या?

कांग्रेस की सोच राष्ट्र विरोधी, करगिल युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाए

सरकार में थी कांग्रेस तो कहां चली गई थी समझदारी

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न केवल करगिल युद्ध पर, बल्कि ऑपरेशन सिंदूर पर भी सवाल उठाए, जो गलत है। कांग्रेस देश का नुकसान करने में लगी है और उसकी सोच राष्ट्र विरोधी हो गई है।

प्रधानमंत्री को तो छोड़िए, देश का ही विरोध करने लगे

प्रधानमंत्री मोदी का विरोध करते-करते कांग्रेस देश का विरोध करने लगी है। इसके नेता पाकिस्तान जैसी बातें करते हैं, जिन्हें पाकिस्तान दुनिया में उदाहरण के तौर पर पेश करता है। लेकिन हम अपनी सेना के शौर्य को सलाम करते हैं।

कांग्रेस सांसद ने कहा- हम करगिल युद्ध क्यों मनाएं

यूपीए की सरकार रही, तब कारगिल विजय दिवस मनाया ही नहीं गया था। कांग्रेस के एक सांसद ने तो यहां तक कहा था कि हम क्यों मनाएं, क्योंकि यह युद्ध तो एनडीए की सरकार में लड़ा गया। युद्ध क्या कोई किसी सरकार के लिए करता है?

अब राहुल के नए बोल

हम अंपायर की वजह से हार रहे...

गुजरात। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फिर चुनाव आयोग पर निशाना साधा। गुजरात में 'संगठन सुजन अभियान' के तहत कांग्रेस के जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पक्षपातपूर्ण व्यवहार कर रही है। वहीं, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा को गुजरात में हराना जरूरी है। कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आणंद में रिसॉर्ट में जिला कांग्रेस समितियों के नवनियुक्त अध्यक्षों के लिए शिविर का आयोजन किया है। राहुल ने कहा कि ीसी की गलत अंपारिंग से हम हार रहे।

कविता ने कहा- तेलंगाना के आंकड़े कहां गए?

साधारण माफी से कुछ नहीं होगा, सरकार थी तो क्यों नहीं कराई जातिगत गणना?

बीआरएस नेता के कविता ने भी राहुलपर हमला बोला है। कविता ने कहा कि राहुल ने देश से माफी मांगी। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो वे जाति जनगणना नहीं करा सके। आजादी के पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय कांग्रेस पार्टी सत्ता में रही। ओबीसी के लिए छूटे अवसरों के बारे में आप क्या कहेंगे? सिर्फ एक साधारण माफी से कुछ नहीं होगा। तेलंगाना के आंकड़े कहां गए, पेश क्यों नहीं किए?

मायावती का राहुल पर पलटवार

कांग्रेस ओबीसी की विश्वासपात्र पार्टी नहीं, वह दो-मुंही

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस ओबीसी समाज की विश्वासपात्र पार्टी नहीं है। कांग्रेस के दिल में कुछ है जुबान पर कुछ है। उन्होंने कहा कि एनडीए का भी ओबीसी के प्रति यही हाल है। मायावती के बयान को राहुल के उस बयान के संदर्भ में देखा जा रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि सत्ता में रहते हुए जाति जनगणना न करवाना कांग्रेस की गलती थी। राहुल का यह स्वीकार करना कि देश के ओबीसी के लोगों की राजनीतिक व आर्थिक आशा, आकांक्षा व आरक्षण सहित उन्हें उनका संवैधानिक हक़ दिलाने के मामलों में कांग्रेस पार्टी खरी व विश्वासपात्र नहीं रही है कोई नई बात नहीं है।

उदितराज की बड़ी बात

डॉ.आंबेडकर से की राहुल की तुलना

कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने राहुल गांधी की तुलना संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर से की। उदित राज ने कहा कि अगर अन्य पिछड़ा वर्ग उस बात को सुनता है, जो राहुल ने भागीदारी न्याय सम्मेलन के दौरान कही, तो राहुल इस बात को साबित कर देंगे कि वे ओबीसी वर्ग के दूसरे आंबेडकर हैं। राज ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'तेलंगाना में हुई जाति जनगणना समाज का एक्स-रे है।

राष्ट्रीय सुरक्षा बैठक में शाह के निर्देश

आतंकी संचार और नशे की समस्या पर लगाएंगे लगाम

राष्ट्रीय सुरक्षा के कई मुद्दों पर किया मंथन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

8वां राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आतंकवादी समूहों द्वारा एनक्रिप्टेड संचार प्लेटफार्मों का इस्तेमाल करने पर चिंता जताई और साथ ही इस समस्या से निपटने एक विशेष मंच स्थापित करने के निर्देश दिए ताकि आतंकी संगठनों के सोशल मीडिया के जरिए खुफिया संचार पर लगाम कसी जा सके। शाह ने भगोड़ों को वापस लाने के लिए भी एक मजबूत तंत्र और बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपील की। शाह ने नई दिल्ली में 2 दिवसीय 8वें राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में ये बातें कही। इसमें देशभर से 800 के करीब अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें से कुछ भौतिक तो कुछ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े थे। इस सम्मेलन में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर विचार विमर्श किया गया। पहले दिन राष्ट्र के हितों के खिलाफ रहने वाले बाहरी तत्वों की भूमिका और मादक पदार्थों के व्यापार में उनकी संलिप्तता सहित उनके घरेलू संबंधों के मुद्दे पर मंथन हुआ। इनमें एनक्रिप्टेड संचार एप्स और अन्य नई तकनीकों के गलत इस्तेमाल से पैदा हुईं चुनौतियों पर बात हुई। भीड़ प्रबंधन, निर्जन द्वीपों की सुरक्षा के मुद्दे पर मंथन हुआ।

आतंकवाद के वित्तपोषण से मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। शाह ने आतंकवादी और तस्करी गतिविधियों में शामिल भगोड़ों को वापस लाने के कड़े उपाय करने के भी निर्देश दिए, जिसमें केंद्रीय और राज्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच अंतर-एजेंसी समन्वय को बढ़ाने, आतंकवाद-अपराधी के घरेलू गठजोड़ को तोड़ने के निर्देश दिए। गृह मंत्रालय ने भी कहा कि पुलिस संगठनों द्वारा केवल स्वदेशी तकनीक का ही उपयोग किया जाए।

अन्य चुनौतियों से निपटने पर की चर्चा

सम्मेलन के दूसरे दिन नागरिक उड्डयन और बंदरगाह सुरक्षा, आतंकवाद-निरोध, वामपंथी उग्रवाद और मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के मुद्दे पर केंद्रित रहा। इसमें केंद्रीय गृह सचिव, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों व केंद्रीय पुलिस संगठनों के प्रमुख शामिल रहे। डीजीएसपी और आईजीएसपी सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ने हर साल राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश दिया था, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों के अनुभव के माध्यम और क्षेत्र विशेषज्ञों के सहयोग से चुनौतियों का समाधान खोजना था।

उद्योग राज्य मंत्री जितिन ने कहा

स्टार्टअप्स, महिला उद्यमियों के लिए जेम की पहुंच बढ़ाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों , स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों को सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) प्लेटफॉर्म से जोड़ने और उनकी भागीदारी बढ़ाने नए कदम उठाए हैं। वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि जेम पर प्रत्यक्ष खरीद प्रक्रिया में एमएसएमई, स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों द्वारा अपलोड उत्पादों को अलग से पहचानने मार्केटप्लेस फिल्टर और प्रोडक्ट कैटलॉग आइकन की व्यवस्था की गई है। सरकार ने महिलाओं, स्टार्टअप्स, स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों, बुनकरों, किसान उत्पादक संगठनों और 'एक जिला एक उत्पाद' जैसी पहलों को प्रोत्साहित करने 8 'वोकल फॉर लोकल'जेम आउटलेट स्टोर बनाए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए 'उद्यम' एमएसएमई डेटा को एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस से जोड़ा गया है।

महाराष्ट्र में अब फोन टैप का बवाल

मंत्रियों की जासूसी के आरोप से हल्ला, अजित ने मांगे सबूत

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव नतीजे आने के महीनों बाद भी राजनीतिक हलचल और आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। एनसीपी (शरद पवार) विधायक रोहित पवार ने आरोप लगाया है कि प्रदेश सरकार के मंत्रियों को जासूसी का डर है। इस डर से कई मंत्री अपना फोन नंबर बदल रहे हैं। हालांकि, फोन टैपिंग के आरोपों पर एनसीपी नेता और डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि ऐसे आरोप लगा रहे हैं, तो फिर आप सबूत भी पेश करें। यह आरोप कैबिनेट में फेर-बदल की अटकलों के पहले लगाया गया है।पवार ने कहा कि आरोप लगाना फैशन हो गया है। जिसको जो मन करता है आरोप लगा देता है। अगर ऐसे आरोप लगाने हैं, तो पहले सबूत भी देना चाहिए। रोहित को बताना चाहिए कि किस आधार पर महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों के बारे में आरोप लगा रहे हैं? उन्हें कुछ प्रमाण भी देना चाहिए।

कर्नाटक में तकरार, सिद्धारमैया और डीके में तनाव बरकरार

लड़ाई खत्म कराने में आलाकमान दिखा लाचार

कर्नाटक भवन में 'दोनों' के अफसरों के बीच हो गई एक बड़ी जूतमपैजार

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के समर्थकों के बीच चल रही जंग अब इनके अफसरों तक जा पहुंची है। दोनों नेताओं के टॉप अफसरों के बीच नई दिल्ली स्थित कर्नाटक भवन में झड़प हुई है। डीके के स्पेशल ऑफिसर एच. अंजनेया ने आरोप लगाया है कि सिद्धारमैया के स्पेशल ऑफिसर और असिस्टेंट रेजिडेंट कमिश्नर सी. मोहन कुमार ने उन्हें जूते से पीटा है। अंजनेया ने कहा कि मुझे जूते से पीटा गया और इससे मेरे आत्मसम्मान को ठेस पहुंची है। मेरे साथ इंसाफ किया जाए।

अधिकारी को दी शिकायत

अदिकारी ने कहा कि हमें इस मामले में 22 जुलाई को शिकायत मिली है। सही प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। अंजनेया ने शिकायत पत्र में आरोप लगाया है कि कुमार उनके काम में बाधा डाल रहे हैं। अगर कुछ गलत होता है तो कुमार इसके लिए जिम्मेदार होंगे। शिकायत में अंजनेया ने कुमार के पिछले आचरण का हवाला दिया और कहा कि इससे पहले वह एमएम जोशी नाम के अधिकारी के साथ मारपीट कर चुके हैं और कभी भी उन्होंने अपने सीनियर अफसरों को सम्मान नहीं दिया। मुख्यमंत्री के स्पेशल ऑफिसर ऑन ड्यूटी रहते हुए सी. मोहन कुमार ने हमेशा अहंकार भरा बर्ताव किया है।

गूगल मैप ने फिर भटका दिया रास्ता

पानीपत से आ रहे थे घर ग्रामीणों ने चोर समझ संभल के युवकों को जमकर पीटा

एजेंसी ▶▶ पानीपत

पानीपत से घर लौट रहे संभल के मजदूर गूगल मैप के कारण रास्ता भटक गए। पतेई खालसा गांव में पहुंचे तो यहां के लोगों ने चोर समझकर उनकी बुरी तरह पिटाई कर दी। मजदूर हाथ जोड़कर हकीकत बताने की कोशिश करते रहे, लेकिन ग्रामीणों ने एक न सुनी। उनकी कार में भी तोड़फोड़ की गई। ग्रामीणों की पिटाई से दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने मजदूरों को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाया।

खाई में गिरी कार, पुलिस ने बचाई महिला की जान

मुंबई। गूगल मैप के चक्कर में एक बार फिर बड़ी दुर्घटना हो गई। नवी मुंबई के बेलापुर इलाके में शुक्रवार आधी रात एक महिला की कार सीधे खाड़ी में जा गिरी। महिला गूगल मैप के भरोसे गाड़ी चला रही थी। संयोग अच्छा था कि वहां मौजूद समुद्री सुरक्षा पुलिस ने तुरंत सतर्कता दिखाई और महिला की जान बचा ली।बाद में क्रेन की मदद से कार को खाड़ी से बाहर निकाला गया। शुक्रवार रात करीब 1 बजे ये घटना हुई, जब महिला अपनी कार से उलवे की ओर जा रही थी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन को मिली बड़ी सफलता

देश की 10.18 करोड़ महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर जांच की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देश में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने जानकारी दी है कि अब तक 30 वर्ष या उससे अधिक उम्र की 10.18 करोड़ महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर के लिए जांच पूरी की जा चुकी है। यह काम राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से किया गया है। यह पहल गैर-संचारी रोगों की समय पर पहचान, रोकथाम और प्रबंधन के उद्देश्य से शुरू की गई थी।

इस पहल से संचारी रोगों की समय पर पहचान की गई

जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा

स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने विभिन्न संचार अभियानों और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है, जैसे कि राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस और विश्व कैंसर दिवस। प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों को लगातार जानकारी दी जाती है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके कार्यक्रम क्रियान्वयन योजनाओं के अनुसार जागरूकता गतिविधियों के लिए एनएचएम विशेष फंड देता है।

समयबद्ध एनसीडी जांच अभियान चलाया

मंत्रालय ने 20 फरवरी से 31 मार्च तक एक समयबद्ध एनसीडी जांच अभियान भी चलाया था। स्क्रीनिंग की गति तेज हुई और महत्वपूर्ण योगदान मिला। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार 20 जुलाई तक देश की 25.42 करोड़ पात्र महिलाओं में से 10.18 करोड़ महिलाओं की जांच हो चुकी है। यह आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से सरकार की व्यापक और रोकथाम आधारित स्वास्थ्य सेवा के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नई तकनीकों का हो रहा इस्तेमाल

यह जांच 30 से 65 वर्ष की महिलाओं को लक्षित करती है, जिसमें मुख्य रूप से विजुअल इंस्पेक्शन विथ एसीटिक एसिड तकनीक का उपयोग किया जाता है। यह जांच प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा सब-हेल्थ सेंटर और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में की जाती है। पॉजिटिव पाए गए मामलों को आगे की जांच के लिए उच्च केंद्रों पर भेजा जाता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आशा कार्यकर्ता इस कार्यक्रम की रीढ़ हैं। वे 'कम्युनिटी बेस्ड असेसमेंट चेकलिस्टका उपयोग कर जोखिम वाले लोगों की पहचान करती हैं और उन्हें नियमित जांच के लिए प्रेरित करती हैं।

करगिल विजय दिवस पर बोले सेना प्रमुख- ये नए भारत का संकल्प है, दुश्मन अब आंख उठाकर नहीं देख सकता

देश के वीर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की गई सर्जिकल स्ट्राइक पाकिस्तान को सीधा संदेश था कि आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा। ये नए भारत का संकल्प है। ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले का जवाब भी था, जो पूरे देश को गहरा घाव दे गया था। इस बार भारत ने हादसे पर शोक तो व्यक्त किया ही, साथ ही करारा जवाब भी दिया।

जनरल द्विवेदी ने ये बातें लद्दाख के द्रास में करगिल विजय दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने कहा- दुश्मन को जवाब देना अब न्यू नॉर्मल है। अब दुश्मन आंख उठाकर भी नहीं देख सकता। कारगिल विजय दिवस के 26 साल पूरे होने पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचे। उनके साथ तीनों सेना प्रमुख भी मौजूद रहे। राजनाथ ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी।

» पाक को संदेश- अब आतंकवाद के समर्थकों को बख्शा नहीं जाएगा

» सेना प्रमुख ने बताया नया प्लान- दुश्मन का काल बनेगी 'रुद्र ब्रिगेड'

» पैदल सेना बटालियन में अब एक ड्रोन पलटन भी है

खास प्रोजेक्ट्स की शुरुआत

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को 26वें करगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में एक पोर्टल समेत तीन परियोजनाओं की शुरुआत की। लोग इस पोर्टल के जरिए शहीदों को 'ई-श्रद्धांजलि' दे सकते हैं। इस दौरान जिन प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की गई है उनमें क्यूआर कोड आधारित एक 'ऑडियो गेटवे' शामिल है। इस पर लोग 1999 के करगिल युद्ध से जुड़ी वीर गाथाएं सुन सकते हैं। इसके अलावा 'इंडस व्यूप्वाइंट' ऐप लोगों को बटालिक सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) तक आभासी तरीके से जाने का मौका मुहैया कराता है।

भैरव लाइट कमांडो यूनिट भी

जनरल द्विवेदी ने बताया कि सेना ने एक विशेष बल 'भैरव लाइट कमांडो' यूनिट का गठन किया है। यह यूनिट सीमा पर दुश्मन को चौंकाने के लिए हमेशा तैयार है। द्विवेदी ने कहा कि हर पैदल सेना बटालियन में अब एक ड्रोन पलटन है। तोपखाने में 'शक्तिबाण रेजिमेंट' का गठन किया गया है, जो ड्रोन, ड्रोन रोधी उपकरणों और आत्मघाती ड्रोन से लैस होगी। उन्होंने कहा कि हम विकसित भारत 2047 के विजन को पूरा करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सेना भी विकास कार्यों में अपना योगदान दे रही है। इसके तहत सीमाई क्षेत्रों, जैसे लद्दाख में विकास कार्य किए जा रहे हैं।

शहीदों को श्रद्धांजलि और विजय की शुभकामनाएं दी

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दीं। उन्होंने कहा, यह दिवस हमारे जवानों की असाधारण वीरता, साहस एवं दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं दी और कारगिल युद्ध में साहस और वीरता के साथ लड़ने वाले जवानों के बलिदान को याद किया।

पीएम मोदी ने कहा कि जवानों द्वारा दिया गया बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, 'कारगिल विजय दिवस पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पहुंचे और कारगिल युद्ध के दौरान कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राणों की आहुति देने वालों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

मेटा ने सह-निर्माता को बनाया चीफ साइंटिस्ट

नई दिल्ली। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पेरेंट कंपनी मेटा ने सेंगझिया झाओ को अपने नए सुपर इंटेलिजेंस लैब का चीफ साइंटिस्ट नियुक्त किया है। झाओ जो चैटजीपीटी और जीपीटी-4 के सह-निर्माताओं में से एक हैं, अब मेटा के उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन को नेतृत्व देंगे। मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने थ्रीडस पोस्ट में इस बात की घोषणा की। उन्होंने लिखा, इस भूमिका में सेंगझिया हमारे नए लैब के लिए अनुसंधान एजेंडा और वैज्ञानिक दिशा तय करेंगे, और मेरे तथा एलेक्स मेटा के प्रमुख के साथ सीधे काम करेंगे।

5 घंटे चली मुठभेड़ में तीन उग्रवादी हुए ढेर

रांची। झारखंड के गुमला जिले में पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद के तीन उग्रवादियों को ढेर कर दिया है। पुलिस और उग्रवादियों के बीच करीब पांच घंटे तक मुठभेड़ चली। इस मुठभेड़ में पुलिस ने इनामी नक्सली दिलीप लोहरा को भी ढेर कर दिया है। साथ ही पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया है। गुमला के एसपी को जेजेएमपी के कमांडर के इलाके में मौजूद होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद टीम का गठन कर घेराबंदी शुरू की गई थी।

पेरू में बस पलटी, 18 की मौत, 48 घायल

लीमा (पेरू)। पेरू में लीमा से अमेजन क्षेत्र जा रही एक बस एंडीज पर्वतमाला में एक राजमार्ग पर पलट गई जिससे कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई और 48 अन्य लोग घायल हो गए। प्राधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। जूनिन के स्वास्थ्य निदेशक क्लिफोर क्यूरीपाको ने संवाददाताओं को बताया कि 'एक्सप्रेसो मोलिना लिडर इंटरनेशनल' कंपनी की एक 'डबल-डेकर' बस जूनिन क्षेत्र के पाल्का जिले में सड़क से फिसलकर एक ढलान से नीचे गिर गई।

भारत-यूके एफटीए: ऐतिहासिक व्यापार समझौता

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत का बढ़ रहा वैश्विक कद: पीयूष गोयल

पीएम मोदी की वैश्विक लोकप्रियता के चलते 27 देशों से मिला सर्वोच्च सम्मान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कारगिल विजय दिवस, भारत-यूके मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैश्विक लोकप्रियता जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह दिन भारत के लिए गौरव और आत्मबल का प्रतीक है, जब हमारे बहादुर जवानों ने दुश्मनों को करारा जवाब दिया था। गोयल ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारत की उस वीरगाथा की याद दिलाता है, जब सेना ने दुर्गम पहाड़ियों पर चढ़कर दुश्मनों को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया था। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व को याद करते हुए कहा कि उस दौर में भारत ने अपनी जमीन की रक्षा के लिए कड़ा संदेश दिया था।

■ एमएसएमई और क्लस्टर आधारित उद्योगों को फायदा

अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भी यही नीति जारी है, जो देश की एकता और अखंडता को चुनौती देगा, उसे सख्त जवाब मिलेगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पीयूष गोयल ने बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हुआ है, जो अब तक का भारत का सबसे बड़ा और व्यापक समझौता है। इससे फार्मा, वस्त्र, रत्न-आभूषण, खाद्य प्रसंस्करण, एमएसएमई और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में निर्यात के नए अवसर खुलेंगे। यह समझौता भारतीय उत्पादों को ब्रिटेन के बाजार में मजबूत प्रतिस्पर्धा देने में मदद करेगा। पीयूष गोयल ने एक हालिया सर्वे का हवाला देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में पहले स्थान पर आए हैं। उन्होंने कहा कि 27 देशों ने प्रधानमंत्री को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है, जो भारत की वैश्विक स्वीकार्यता और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है।

मालदीव के स्वतंत्रता दिवस में मुख्य अतिथि बने पीएम

मालदीव के स्वतंत्रता दिवस समारोह में भारत के प्रधानमंत्री ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। राजधानी माले के प्रतिष्ठित 'रिपब्लिक स्क्वायर' में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। समारोह के दौरान प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू के साथ खड़े दिखे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान कई नेताओं से मुलाकात की है, जिसमें उपराष्ट्रपति उज हुसैन मोहम्मद लतीफ और पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद भी शामिल हैं। उपराष्ट्रपति लतीफ और प्रधानमंत्री मोदी के बीच बुनियादी ढांचे, तकनीक और ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे देश बुनियादी ढांचे, तकनीक, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। यह हमारे लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। हम इस साझेदारी को आगे और मजबूत करना चाहते हैं। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री मोदी का धन्यवाद किया है।

उन्होंने लिखा, 'मैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मालदीव की राजकीय यात्रा पर आने के लिए दिल से धन्यवाद देता हूं. हमारे बीच कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक बातचीत हुई। हमने 4 समझौता ज्ञापनों और 3 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर होते देखे, और मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की घोषणा भी की।

एफटीए ने खोले नए अवसर

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूनाइटेड किंगडम (यूके) के बीच हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) से भारत को व्यापक आर्थिक लाभ मिलेगा। यह केवल व्यापारिक साझेदारी नहीं, बल्कि समृद्धि का साझा रोडमैप है। समझौते के तहत 95% भारतीय कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को ब्रिटेन में ड्यूटी-फ्री पहुंच मिलेगी। साथ ही, भारतीय डेयरी क्षेत्र को संरक्षण दिया गया है और उस पर पूर्व की तरह शुल्क जारी रहेगा, जिससे किसानों और पशुपालन को नुकसान नहीं पहुंचेगा। यूके संसद की मंजूरी के बाद यह समझौता प्रभावी होगा। एफटीए के तहत विशेष रूप से भारत के क्लस्टर आधारित उद्योगों जैसे मुरादाबाद (पीतल), कानपुर (चमड़ा), तिरुपुर (वस्त्र), सूरत (हीरा व वस्त्र) और कोच्चि (सीफूड) जैसे क्षेत्रों को सीधे लाभ मिलेगा। पीयूष गोयल ने बताया कि सरकार इन क्षेत्रों के निर्यातकों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विशेष प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध कराएगी।

शिया और सुन्नी का हो सकता है विवाद

ईरान की अदालत में बंदूकधारियों के हमले से 6 की मौत, 20 घायल

एजेंसी ▶▶ तेहरान

अज्ञात हमलावरों ने शनिवार को दक्षिण-पूर्वी ईरान की एक अदालत की इमारत पर बंदूक और ग्रेनेड से हमला किया, जिसमें एक बच्चे सहित छह लोगों की मौत हो गई और 20 घायल हो गए, राज्य टीवी ने बताया। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के अशांत दक्षिणी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में हुई सशस्त्र झड़प में सुरक्षा बलों ने तीन बंदूकधारियों को मार गिराया।

रिपोर्ट में किसी भी पीड़ित की पहचान नहीं बताई गई है। सरकारी टीवी ने बताया कि हमला प्रांत की राजधानी जाहेदान में हुआ। पुलिस और सुरक्षा बलों ने राजधानी तेहरान से 1,130 किलोमीटर या 700 मील दक्षिण-पूर्व में स्थित घटनास्थल पर तुरंत नियंत्रण कर लिया।

आतंकी और ड्रग तस्करों से होती रही है झड़प

सुरक्षा बलों के करीबी माने जाने वाले अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी की रिपोर्ट ने इस हमले के लिए आतंकवादी समूह जैश अल-अदल को जिम्मेदार ठहराया है, जो ईरान के पूर्वी सिस्तान और पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांतों की आजादी चाहता है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा से लगा यह प्रांत, आतंकवादी समूहों, सशस्त्र ड्रग तस्करों और ईरानी सुरक्षा बलों के बीच कभी-कभी घातक झड़पों का स्थल रहा है। यह क्षेत्र ईरान के सबसे पिछड़े इलाकों में गिना जाता है और यहां के ज्यादातर लोग सुन्नी मुसलमान हैं। जबकि, ईरान में शासन शिया धर्मगुरुओं के हाथ में है। इसी वजह से सरकार और स्थानीय लोगों के तनाव बना रहता है।

हमले के पीछे किसका हाथ?

सेमी-ऑफिशियल समाचार एजेंसी तस्नीम ने इस हमले के पीछे 'जैश अल-अदल' नाम के आतंकवादी संगठन का हाथ बताया है। यह संगठन ईरान के सिस्तान और पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र को अलग-अलग करना चाहता है। सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा से सटा हुआ है और वहां पहले भी कई बार हिंसक घटनाएं हो चुकी हैं। इस इलाके में सुरक्षाबलों, मादक पदार्थ तस्करों और आतंकी संगठनों के बीच झड़पें होती रहती है।

मणिपुर के 5 जिलों में मिला विस्फोटक

जवानों ने 90 हथियार और 728 गोला-बारूद जब्त कए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मणिपुर के पांच जिलों में सुरक्षा बलों ने शनिवार को 90 हथियार और 700 से अधिक गोला-बारूद एवं विस्फोटक जब्त किए। पुलिस ने एक बयान में यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के बाद इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर समेत 5 जिलों में एक साथ समन्वित खोज अभियान शुरू किया गया। अभियान में मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीम शामिल रही। इस अभियान के दौरान 90 हथियार जब्त किए गए। इनमें एके सीरीज के तीन, एक एम16 राइफल, पांच इंसास राइफल, एक इंसास एलएमजी, चार एसएलआर, 20 पिस्तौल, चार कार्बाइन, सात .303 राइफल और आठ अन्य राइफल शामिल हैं।

यूएनएससी में उठा मुद्दा

थाईलैंड-कंबोडिया संघर्ष पर दुनियाभर में चिंता

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हाल ही में भड़के सीमा संघर्ष ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने शनिवार को एक आपात बैठक हुई। यह बैठक 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा' विषय के तहत आयोजित की गई। कंबोडिया ने इस बैठक की मांग की थी, जिसके बाद यूएनएससी के सभी 15 सदस्य देशों ने मामले को गंभीरता से लिया। कंबोडिया ने थाईलैंड पर बिना उकसावे के हमला करने और बौद्ध मंदिरों व सीमाई इलाकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। कंबोडिया का कहना है कि थाई सेना ने जानबूझकर पहले गोलीबारी की और पहले से तय सीमा समझौतों का उल्लंघन किया। दूसरी ओर, थाईलैंड ने भी यूएनएससी को पत्र भेजकर स्पष्ट किया है कि संघर्ष की शुरुआत कंबोडिया ने की थी।

यूएस के बैन के बाद तस्करों ने किया कारनामा!

तस्करों ने चीन को बेच डाले 1 अरब डॉलर के एआई चिप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका की ओर से चिप निर्यात पर नियंत्रण कड़ा करने के बाद तीन महीनों में तस्करों ने कम से कम 1 अरब डॉलर के एनवीडिया के उन्नत एआई चिप्स चीन को बेच दिए। माना जा रहा है कि यह तस्करी थाईलैंड के रास्ते की गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एनवीडिया के उच्च-स्तरीय बी-200 प्रोसेसर, जिनकी चीन में बिक्री पर प्रतिबंध है, वहां के काला बाजार में व्यापक रूप से उपलब्ध हैं। रिपोर्ट्स में बिक्री अनुबंधों, कंपनी के दस्तावेजों और सौदों की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले कई लोगों के

हवाले से यह दावा किया गया है। उधर, तस्करी की खबरों के बाद दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी एनवीडिया ने डेटा केंद्रों में अनधिकृत चिप्स के इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी की है। तस्करी की खबरों के बाद कंपनी ने बयान जारी कर कहा है कि अवैध तरीके से ऐसे चिप्स खरीदना तकनीकी और आर्थिक दोनों ही दृष्टि से 'घाटे का सौदा' है।

सरकार ने इस मामले पर टिप्पणी नहीं की

एनवीडिया ने कहा है कि डेटासेंटरों को सर्विस की जरूरत होती है, जो हम केवल अधिकृत एनवीडिया उत्पादों को ही प्रदान करते हैं। सरकार ने इस मामले में फिलहाल टिप्पणी नहीं की है। कई वितरकों ने चीन के एआई समूहों को सेवा देने वाले वाले डेटा केंद्रों के आपूर्तिकर्ताओं को बी 200s बेचना शुरू कर दिया था। अमेरिका और चीन एआई व अन्य अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के बाजार में वैश्विक प्रभुत्व हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

12 दिन में पूरी पृथ्वी को करेगा स्कैन, बदलावों की मिलेगी सटीक सूचना

पृथ्वी पर सटीक नजर रखने वाला 'निसार मिशन' 30 को होगा लॉन्च

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 30 जुलाई को निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन के प्रक्षेपण के साथ एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने की तैयारी कर रहा है। इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव डॉ. वी. नारायणन के अनुसार उपग्रह को एक भारतीय रॉकेट द्वारा पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया जाएगा। नारायणन ने कहा, 30 जुलाई को हम निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार) मिशन शुरू करने जा रहे हैं। उपग्रह को भारतीय रॉकेट द्वारा कक्षा में स्थापित किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने कहा कि निसार (इसरो और नासा का पहला संयुक्त पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है) को 30 जुलाई को शाम 5:40 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा।

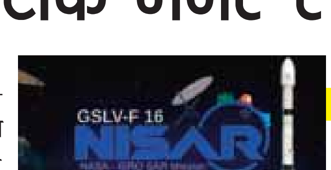

शाम 5:40 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित होगा

12 दिन में पूरी पृथ्वी का डेटा

इसरो के मुताबिक, नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह का प्रक्षेपण दोनों अंतरिक्ष एजेंसियों के बीच एक दशक से अधिक लंबे सहयोग में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इसरो ने बताया कि यह उपग्रह हर 12 दिनों में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा, और दिन-रात, हर मौसम में उच्च-रिजॉल्यूशन वाला डेटा प्रदान करेगा।

दो बैंड पर काम करता है यह उपग्रह

जीएसएलवी-एफ18 इस उपग्रह को 743 किलोमीटर ऊंचे सन-साइक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित करेगा। जिसका झुकाव 98.40 डिग्री होगा। निसार धरती की निगरानी करने वाला दुनिया का पहला उपग्रह है। इसमें दो अलग अलग बैंड (नासा का एल-बैंड और इसरो का एस-बैंड वाले) के रडार हैं। जिसके कारण वह घने जंगलों के नीचे से भी डेटा एकत्र करने में सक्षम होगा।

सिंथेटिक अपर्चर रडार (एसआर)

निसार सैटेलाइट एसएआर का इस्तेमाल किया गया है। इस तकनीक से रडार सिस्टम की मदद से बहुत अच्छी तस्वीरें ली जा सकेंगी। इसी तकनीक की मदद से हर 12 दिन में पूरी पृथ्वी की सतह की उच्च-रिजॉल्यूशन तस्वीरें ली जाएंगी। दोनों रडार नासा के 12 मीटर के फैलने योग्य मेश रिफ्लेक्टर एंटीना के जरिए डेटा प्राप्त करेंगे। यह उपग्रह 242 किलोमीटर की चौड़ाई और उच्च स्थानिक रेजॉल्यूशन के साथ पृथ्वी का निरीक्षण करेगा। ये दोनों धरती पर पेड़-पौधों की घटती-बढ़ती संख्या पर नजर रखेंगे साथ ही प्रकाश की कमी और ज्यादा होने के असर की भी अध्ययन करेंगे।

इसके दो प्रमुख पेलोड हैं: *एक एस-बैंड पेलोड है। जिसे इसरो ने पूरी तरह से अपने अहमदाबाद लैब में विकसित किया है और दूसरा- जेपीएल अमेरिका द्वारा विकसित एल-बैंड पेलोड।*

नई खरीद नीति से होगा समाधान

राफेल लड़ाकू विमानों की संख्या घटाने की तैयारी में है भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वायुसेना की जरूरतों को देखते हुए भारत अपने एमआरएफए (मल्टी रोल फाइटर एयरक्काफ्ट) प्रोग्राम में बड़ा बदलाव कर सकता है। एमआरएफए प्रोग्राम के तहत भारत ने 114 एडवांस लड़ाकू विमानों को खरीदने की योजना बनाई थी।

लेकिन अब जबकि चीन के पास दो तरह के पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान हैं (जे-20, जे-35) और पाकिस्तान, चीन से जे-35 खरीदने वाला है, तो भारत अपनी स्ट्रैटजी में गंभीरता से बदलाव करने की सोच रहा है। भारत ने पहले एमआरएफए प्रोग्राम के लिए टेंडर निकालने का फैसला किया था। लेकिन अब भारत की रणनीति में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय रक्षा मंत्रालय अब टेंडर निकालने की जगह सरकार से सरकार स्तर पर लड़ाकू विमानों को खरीदने के लिए समझौता करने पर विचार कर रहा है।

पांच साल में पैसों को डबल, ट्रिपल करने वाले सात फंड, निवेशकों को बड़ा फायदा

- हाइब्रिड कैटेगरी की स्कीम्स ने इक्विटी को दी कड़ी टक्कर
- बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स ने 5 साल में दिया बढ़िया रिटर्न
- निवेशकों के पैसों को दो से तीन गुना तक कर दिया

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड्स से हाई रिटर्न हासिल करने की बात हो तो आम तौर पर हमारा ध्यान इक्विटी स्कीम की तरफ ही जाता है, लेकिन हाइब्रिड फंड्स की एक कैटेगरी ऐसी है, जो निवेशकों को ऊंचा रिटर्न देने के मामले में इक्विटी फंड्स को टक्कर दे सकती है। ये कैटेगरी है डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स यानी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स की। इस कैटेगरी के टॉप 7 फंड्स ने 5 साल में निवेशकों के पैसों को डबल-ट्रिपल करके दिखाया है। साथ ही सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) पर भी इनका सालाना रिटर्न काफी आकर्षक रहा है। इन टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स में एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, निप्पॉन इंडिया, आईसीआईसीआई प्रू, टाटा म्यूचुअल फंड, बड़ौदा बीएनपी परीबा और आदित्य बिरला सनलाइफ जैसे दिग्गज फंड हाउस की स्कीम शामिल हैं।

ऐसा रहा प्रदर्शन

टॉप 7 बैलेंस्ड एडवांटेज फंड्स का पिछले 5 साल का एनुअल रिटर्न करीब 15% से 24% तक रहा है. इन सभी फंड्स ने 5 साल पहले किए गए 1 लाख रुपये के निवेश को दो लाख से तीन लाख रुपये में तब्दील कर दिया है. इतना ही नहीं, इन सभी फंड्स ने **SIP** के जरिये किए गए निवेश पर भी साल दर साल 13% से लेकर 21% तक का एन्युलाइज्ड रिटर्न दिया है. आइए डालते हैं इन सभी फंड्स के पिछले प्रदर्शन पर एक नजर।

1. एचडीएफसी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
   - 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 24.62%
   - 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 3 लाख रुपये
   - 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 10.12 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 21.02%)
2. बड़ौदा बीएनपी परीबा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
   - 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 17.03%
   - 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.20 लाख रुपये
   - 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.89 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न: 15.74 %)
3. एडेलवाइज बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
   - 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.92%
   - 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.09 लाख रुपये
   - 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.44 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.6%)
4. आदित्य बिरला सनलाइफ बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
   - 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.71%
   - 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.08 लाख
   - 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.60 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.4%)

5 साल में 15 से 24% तक एनुअल रिटर्न दिया

5. निप्पॉन इंडिया बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
   - 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.67%
   - 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.07 लाख रुपये
   - 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 14.02%)
6. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
   - 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 15.52%
   - 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.06 लाख रुपये
   - 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.52 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.99%)
7. टाटा बैलेंस्ड एडवांटेज फंड - डायरेक्ट प्लान
   - 5 साल का रिटर्न (सीएजीआर): 14.99%
   - 1 लाख रुपये का निवेश 5 साल में हो गया : 2.01 लाख रुपये
   - 10 हजार रुपये मंथली एसआईपी से 5 साल में बने : 8.32 लाख रुपये (एन्युलाइज्ड रिटर्न : 13.03%)

बेंचमार्क और रिस्क लेवल

इन सभी हाइब्रिड फंड्स का बेंचमार्क इंडेक्स इन दो में से कोई एक है - निफ्टी 50 हाइब्रिड कंपोजिट डेट 50:50 इंडेक्स, जिसका पिछले 5 साल का सीएजीआर 12.70% रहा है या क्रिसिल हाइब्रिड 50+50 मॉडरेट इंडेक्स, जिसका 5 साल का सीएजीआर 13.62% है। सभी 7 फंड्स को रिस्कोमीटर पर बहुत अधिक जोखिम की रेटिंग दी गई है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की निवेश रणनीति

पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट के बीच फंड एलोकेशन को वक्त के हिसाब से बदलने की रणनीति बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड (**Balanced Advantage Fund or Dynamic Assest Allocation**) की सबसे बड़ी खूबी है. इस रणनीति की बदौलत ये म्यूचुअल फंड बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच भी बेहतर और स्टेबल रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं. सेबी के नियमों के तहत इन फंड्स के मैनेजर को इक्विटी और डेट के बीच अपना फंड एलोकेशन जीरो से 100% तक बदलते रहने की छूट मिली हुई है। इस रणनीति का एक फायदा यह भी है कि अगर फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश को 65% या उससे ऊपर रखता है, तो इसमें निवेश पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स बेनिफिट भी मिल सकते हैं। हालांकि इक्विटी में ज्यादा एक्सपोजर की संभावना के कारण बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में रिस्क भी अधिक रहता है. इसलिए इनमें निवेश का फैसला करने से पहले अपनी रिस्क बर्दाश्त करने की क्षमता को परख लेना चाहिए और हमेशा लंबी अवधि के लिए पैसे लगाने की तैयारी रखनी चाहिए. साथ ही यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि म्यूचुअल फंड का पिछला रिटर्न भविष्य में जारी रहने की गारंटी नहीं होती।

(डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल का उद्देश्य सिर्फ जानकारी देना है, निवेश की सलाह देना नहीं, निवेश का कोई भी फैसला अपने इनवेस्टमेंट एडवाइजर की सलाह लेने के बाद ही करें।)

जीवन में आगे बढ़ने के साथ-साथ, बढ़ाते जाएं अपना निवेश, जल्द बनेंगे करोड़पति

- हमेशा लंबी अवधि का लक्ष्य लेकर चलें, इससे बढ़िया रिटर्न मिलेगा
- अपनी रिस्क क्षमता को जांच लें, अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाएं
- हर साल अपने सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान को भी अपग्रेड करें
- अपनी कमाई का कम से कम दस फीसदी हिस्सा बचत में लगाएं

सुझाव

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश के जरिये अच्छा पैसा जुटाना चाहते हैं तो अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं। इससे आपको जल्द करोड़पति बनने से कोई नहीं रोक पाएगा। आप अपने सपने आसानी से पूरे कर पाएंगे। इसके लिए जरूरी है, अपने लक्ष्य तय करें और लंबी अवधि के लिए निवेश का प्लान बनाए। अपने जीवन में आगे बढ़ने के साथ साथ निवेश को भी बढ़ाते जाएं यानी निवेश के लिए स्टेप-अप एसआईपी के फार्मूले को अपनाएं। अपने अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं और अपनी इनकम का कम से कम दस फीसदी निवेश जरूर करें और इसे हर साल बढ़ाते जाएं। फिर देखना आपका पैसा दिन दूनी और रात चौगुनी के साथ बढ़ेगा। नए अवसर, बड़े सपने और बदलती जीवनशैली के साथ जीवन आगे बढ़ते रहने की कहानी है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे आपकी ख्वाहिशें और खर्च भी बढ़ते हैं। क्या आपकी निवेश रणनीति भी इसी रफ्तार से आगे बढ़ रही है? जिस तरह आप अपने सपनों की नई बाइक खरीदते हैं, या बेहतर घर में शिफ्ट होते हैं, उसी तरह जरूरी है कि आप अपने एसआईपी (सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान) को भी अपग्रेड करें ताकि, वो आपके बदलते जीवन के साथ कदम से कदम मिला सके। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि स्टेप-अप एसआईपी (एसआईपी राशि को बढ़ाना) क्या है और कैसे यह आपको वित्तीय रूप से आगे बनाए रखने में मदद करता है।

स्टेप-अप एसआईपी क्या है

- स्टेप-अप एसआईपी (जिसे टॉप-अप एसआईपी भी कहा जाता है) एक ऐसी सुविधा है जिसमें आप अपने एसआईपी निवेश को तय अंतराल पर (सालाना या अर्धवार्षिक) एक निश्चित राशि या प्रतिशत के हिसाब से बढ़ा सकते हैं। इसका मतलब है कि हर महीने एक ही राशि निवेश करने की बजाय, आप जैसे-जैसे कमाते हैं, वैसे-वैसे अपना निवेश भी बढ़ाते हैं। इसलिए स्टेप-अप एसआईपी जरूरी : बढ़ती आय और खर्चों के साथ तालमेल
- जब आपकी सैलरी बढ़ती है या प्रमोशन होता है, तो आपकी जीवनशैली भी बेहतर होती है। शायद आप नई बाइक खरीदते हैं, बेहतर फ्लैट में शिफ्ट होते हैं, या खूब घूमते हैं। ऐसे में खर्च बढ़ता है और आर्थिक लक्ष्य भी बड़े हो जाते हैं। एसआईपी को स्टेप-अप करके आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी बढ़ती आय और आकांक्षाओं के साथ आपके निवेश का तालमेल बना रहे।

महंगाई को मात

हर साल महंगाई की वजह से जीवन-यापन में होने वाला खर्च बढ़ता रहता है। अगर आपकी एसआईपी की राशि एक समान ही रहती है, तो भविष्य में वह आपकी ज़रूरतों, लक्ष्यों को पूरा नहीं कर पाएगी। एसआईपी बढ़ाने से आपका निवेश तेज़ी से बढ़ता है और आप महंगाई के असर से बेपरवाह रह सकते हैं।

स्टेप-अप एसआईपी कैसे काम करता है?

- मान लीजिए आप 5,000 रुपये प्रति माह की एसआईपी शुरू करते हैं, जिसमें हर साल 1,000 रुपये स्टेप-अप करते हैं।
- पहले साल में, आप 5,000 रुपये/माह निवेश करते हैं
- दूसरे साल में, यह 6,000 रुपये/माह हो जाता है
- तीसरे साल में, 7,000 रुपये/माह, और यह इसी तरह आगे बढ़ता है।
- इस तरह धीरे-धीरे बढ़ती एसआईपी आपकी बढ़ती सैलरी के साथ मेल खाती है। जैसे-जैसे आपका वेतन बढ़ता है, आपका निवेश भी बढ़ता है और आपकी जेब पर भी एकसाथ ज्यादा बोझ नहीं पड़ता।

असरदार तरीका

स्टेप-अप एसआईपी यह सुनिश्चित करने का एक आसान, लेकिन असरदार तरीका है कि आपका निवेश आपकी ज़िंदगी की गति के साथ आगे बढ़े। जैसे-जैसे आपकी आमदनी और ज़रूरतें बढ़ती हैं आप अपनी एसआईपी को बढ़ाकर नए सपनों और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिए बेहतर ढंग से तैयार होंगे।

बड़े लक्ष्य जल्दी हासिल करें

स्टेप-अप एसआईपी के ज़रिए आप अपने आर्थिक लक्ष्यों को जल्दी हासिल कर सकते हैं। इसकी मदद से आप बड़े सपनों जैसे लग्ज़री कार, विदेश यात्रा या रिटायरमेंट के लिए बड़ी रकम को भी बिना किसी आर्थिक तनाव के हसिल कर सकते हैं।

चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत का जादू

हर साल एसआईपी की राशि थोड़ी सी भी बढ़ाने पर लंबे समय में आपकी संपत्ति में बड़ा फ़र्क देखने को मिल सकता है। जितनी जल्दी और जितना अधिक आप निवेश करते हैं, रिटर्न उतना ही ज़्यादा होता है। इसी को चक्रवृद्धि ब्याज़ की ताकत कहते हैं।

आईटीआर फाइलिंग : कुछ गलतियों की वजह से आ सकता है नोटिस

- जुर्माना भी लग सकता है और रिटर्न रिजेक्ट होने का भी रहता है खतरा
- टैक्सपेयर्स अक्सर आईटीआर फॉर्म चुनने में कर जाते हैं बड़ी गलतियां
- वेरिफिकेशन में गलती करते हैं, तो बढ़ सकती है आपकी परेशानी

जानकारी

बिजनेस डेस्क

इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करना हर साल टैक्सपेयर्स के लिए एक जरूरी काम होता है, लेकिन कई बार इसमें छोटी-छोटी गलतियां उनके लिए भारी पड़ जाती हैं। वित्त वर्ष 2024-25 (असेसमेंट ईयर 2025-26) के लिए इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख 15 सितंबर 2025 तक है। इस बीच इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आईटीआर-1, 2, 3 और 4 के लिए एक्सेल यूटिलिटी जारी कर दी हैं, जिससे प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। हालांकि, जल्दबाजी या जानकारी की कमी के कारण कई बार टैक्सपेयर्स ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो नोटिस, जुर्माना या रिटर्न के रद्द होने का कारण बन सकती हैं। आइए जानते हैं, सात ऐसी आम गलतियों के बारे में, जिनसे टैक्सपेयर्स को बचना चाहिए।

गलत आईटीआर फॉर्म चुनना

सबसे आम गलती है गलत आईटीआर फॉर्म का चयन। हर फॉर्म खास तरह की आय और टैक्सपेयर्स के लिए बनाया गया है। मिसाल के तौर पर, अगर आपने शेयरों की बिक्री से 1.25 लाख रुपये से ज्यादा का लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन कमाया है या आपके पास किसी विदेशी बैंक में अकाउंट है, तो आप आईटीआर-1 की जगह आईटीआर-2 भरना होगा। गलत फॉर्म चुनने से आपकी रिटर्न 'डिफेक्टिव' मानी जा सकती है या इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है। इसलिए, अपनी आय के सोर्स को ध्यान से देखें और सही फॉर्म चुनें।

सभी आय के सोर्स न बताना

कई टैक्सपेयर्स अपनी सारी आय को रिटर्न में नहीं दिखाते, चाहे वह टैक्सेबल हो या नहीं। मसलन, बचत खाते का ब्याज, फिक्स्ड डिपॉजिट का ब्याज, किराए की आय या शेयरों से डिविडेंड को छिपाना गलत है। भले ही बचत खाते के ब्याज पर 10,000 रुपये तक की छूट मिलती हो, लेकिन इसे रिटर्न में दिखाना जरूरी है। आय छिपाने से इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की नजर में आप गलत ठहर सकते हैं, जिससे नोटिस या जुर्माना लग सकता है।

नौकरी बदलने पर आय छिपाना

अगर आपने वित्त वर्ष में नौकरी बदली है, तो दोनों एम्प्लॉयर्स से मिली आय को रिटर्न में दिखाना जरूरी है। दोनों की फॉर्म-16 को ध्यान से देखें और सुनिश्चित करें कि कोई आय छूट न जाए। कई बार टैक्सपेयर्स पुराने एम्प्लॉयर की आय या टीडीएस की जानकारी छोड़ देते हैं, जो गलत है। एआईएस में आपकी सारी आय की जानकारी होती है, इसलिए इसे छिपाने की कोशिश न करें, वरना नोटिस का सामना करना पड़ सकता है।

फॉर्म 26एएस की जांच न करना

रिटर्न फाइल करने से पहले फॉर्म 26 एएस और एनुअल इन्फॉर्मेशन स्टेटमेंट (एआईएस) की जांच करना जरूरी है। ये डॉक्यूमेंट्स आपकी आय, टीडीएस और बड़े लेनदेन की जानकारी देते हैं। अगर इनमें कोई गलती है, जैसे बैंक द्वारा काटा गया टीडीएस गलत दिख रहा हो, तो उसे ठीक करवाएं। इन डॉक्यूमेंट्स का मिलान फॉर्म-16, बैंक स्टेटमेंट और अन्य रिकॉर्ड से करें। अगर जानकारी में अंतर हुआ, तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से नोटिस आ सकता है।

गलत डिडक्शन का दावा करना

कई टैक्सपेयर्स बिना सबूत के सेक्शन 80सी, 80डी या अन्य छूट का दावा कर लेते हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की स्कूल फीस, एलआईसी प्रीमियम या मेडिकल इंश्योरेंस के लिए छूट तभी ले सकते हैं, जब आपके पास वैध डॉक्यूमेंट हों। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट अब एआईएस और एआइ टूल्स के जरिए ऐसी गलतियों को आसानी से पकड़ लेता है। अगर आप बिना सबूत के छूट लेते हैं, तो नोटिस मिल सकता है या रिटर्न रद्द हो सकता है।

विदेशी संपत्ति की जानकारी न देना

अगर आपके पास विदेशी बैंक खाता, शेयर या दूसरी संपत्ति है, तो उसे रिटर्न में बताना जरूरी है। बजट 2024 में नियमों में थोड़ी ढील दी गई है, जिसमें 20 लाख रुपये तक की चल संपत्ति को न दिखाने की छूट दी गई है। लेकिन इसके बावजूद, पूरी जानकारी देना अनिवार्य है। विदेशी संपत्ति छिपाने पर पहले 10 लाख रुपये तक का जुर्माना लगता था, लेकिन नए नियमों के बावजूद सावधानी बरतें।

रिटर्न का वेरिफाई न करना

रिटर्न फाइल करने के बाद उसे 30 दिनों के अंदर वेरिफाई करना जरूरी है। यह सत्यापन आधार ओटीपी , नेट बैंकिंग या आईटीआर वी को डाक से भेजकर किया जा सकता है। अगर आप वेरिफाई नहीं करते, तो रिटर्न को अमान्य माना जाता है, जैसे कि आपने रिटर्न फाइल ही नहीं किया। कई टैक्सपेयर्स यह भूल जाते हैं, जिससे उनकी रिटर्न प्रक्रिया अधूरी रह जाती है और जुर्माना लग सकता है।

ऋण | एमएफ लोन पर ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन से अधिक, लोन लेने का फैसला करने से पहले सभी विकल्पों पर विचार करें

म्यूचुअल फंड पर भी ले सकते हैं लोन, लेकिन जान लें कुछ बातें क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में एमएफ पर लोन सस्ता

अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले, इससे आपकी एसआईपी चलती रहेगी

समझदारी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेन जा रहे हैं और म्यूचुअल फंड (एमएफ) में निवेश करते हैं जो आपके लिए म्यूचुअल फंड पर लोन लेना बेहतर विकल्प हो सकता है। चूंकि म्यूचुअल फंड पर लोन क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता होता है। हालांकि इसकी ब्याज दर सोने या एफडी पर लोन लेने की तुलना में अधिक हो सकती हैं। फिर भी लोन लेने से पहले सभी विकल्पों पर विचार कर लिया जाना चाहिए। इससे आप आसानी से और सस्ती ब्याज दरों पर लोन ले सकेंगे। जीवन में कई कारणों से कभी-कभी अस्थायी रूप से पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है। उदाहरण के लिए, यह घर के नवीनीकरण, परिवार में शादी या किसी चिकित्सा आपात स्थिति के कारण हो सकता है। ऐसी नकदी की तंगी की स्थिति में, सबसे पहला विचार यही आता है कि अपनी बचत का इस्तेमाल करें और नुकसान होने पर भी अपने निवेश को बेच दें। और अगर इससे भी काम न चले, तो आप ऋण लेने की सोचते हैं। हालांकि, निवेश को बेचना सबसे अच्छा उपाय नहीं है। अपने म्यूचुअल फंड निवेश को बेचने के बजाय, आप उन पर लोन ले सकते हैं। जी हां, जैसे आप लोन के लिए सोना और रियल एस्टेट जैसी अन्य संपत्तियां गिरवी रख सकते हैं, वैसे ही आप बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) से अपने म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर लोन ले सकते हैं। एमएफ पर लोन लेने से पहले आप 6 प्रमुख बातों के बारे में जान लें। ये आपके काफी काम आएंगी।

म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स की एक सीमा तक ही ऋण मिलेगा

आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स के बदले आपको मिलने वाले ऋण की राशि काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि आपने किस प्रकार की म्यूचुअल फंड योजना में निवेश किया है और आप किस वित्तीय संस्थान से ऋण लेंगे। उदाहरण के लिए, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई जैसे बैंक आपको इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) के 50% तक और डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 80% तक का लोन देते हैं। दूसरी ओर, एक्सिस बैंक आपकी डेट म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 85% तक और इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं के मूल्य के 60% तक का लोन प्रदान करता है।

सभी बैंक सभी म्यूचुअल फंडों पर ऋण नहीं देते

कई बैंक केवल उनके द्वारा चयनित म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर ही ऋण देते हैं। उदाहरण के लिए, एसबीआइ केवल एसबीआइ म्यूचुअल फंड की म्यूचुअल स्कीमों पर ही ऋण देता है। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक भी उन स्कीमों के बारे में चयनात्मक हैं जिन पर वे ऋण देते हैं। ये दोनों निजी बैंक कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (सीएएमएस) के साथ पंजीकृत एसेट मैनेजमेंट कंपनियों द्वारा प्रबंधित म्यूचुअल फंड स्कीमों पर ऋण प्रदान करते हैं। इसी प्रकार, एक्सिस बैंक ने अपनी वेबसाइट पर म्यूचुअल फंड योजनाओं का एक सेट सूचीबद्ध किया है, जिसके आधार पर वह धन उधार देता है।

मिलने वाला ऋण राशि की ऊपरी सीमा

किसी भी प्रकार के ऋण की तरह, म्यूचुअल फंड पर दिए जाने वाले ऋणों की भी कुछ सीमाएं होती हैं। कई बैंकों ने आपको मिलने वाले ऋण की अधिकतम और न्यूनतम सीमा तय कर रखी है। उदाहरण के लिए, आईसीआईसीआई बैंक जैसे अधिकांश बड़े निजी बैंकों ने इक्विटी म्यूचुअल फंड के मामले में न्यूनतम ऋण राशि 50,000 रुपये और अधिकतम राशि 20 लाख रुपये तथा डेट म्यूचुअल फंड के मामले में 1 करोड़ रुपये तक निर्धारित की है। एनबीएफसी के मामले में, न्यूनतम और अधिकतम दोनों सीमाएं आमतौर पर ज़्यादा होती हैं। उदाहरण के लिए, आदित्य बिड़ला फाइनेंस में न्यूनतम ऋण राशि 25 लाख रुपये और अधिकतम 10 करोड़ रुपये है। बजाज फिनसर्व के मामले में भी यही स्थिति है।

ऋण की लागत व्यक्तिगत ऋण व क्रेडिट कार्ड ऋण से कम

म्यूचुअल फंड पर लोन का एक प्रमुख लाभ यह है कि आपको क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन की तुलना में कम ब्याज दर मिलती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि म्यूचुअल फंड पर लोन सुरक्षित होते हैं, यानी उनके पीछे कोई संपार्श्विक होता है। उदाहरण के लिए, आपको म्यूचुअल फंड पर लिए गए लोन पर 8-10% की ब्याज दर चुकानी होगी। यह आपके द्वारा चुनी गई बैंक और म्यूचुअल फंड योजनाओं के आधार पर अलग-अलग होगा। अगर आप डेट फंड योजनाओं की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर कम होती है, और अगर आप इक्विटी फंड की यूनिटें गिरवी रखते हैं तो ब्याज दर ज़्यादा होती है।
दूसरी ओर, क्रेडिट कार्ड लोन या पर्सनल लोन जैसे असुरक्षित लोन के मामले में, लोन आपकी किसी भी वित्तीय संपत्ति द्वारा समर्थित नहीं होता है। इसलिए, बैंक द्वारा उठाए जा रहे उच्च जोखिम के अनुरूप, आपसे 8-10% से अधिक ब्याज दर वसूलने की संभावना होती है।

गिरवी रखी गई एमएफ यूनिटों पर रिटर्न मिलता रहेगा

जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स को गिरवी रखकर उन पर लोन लेते हैं, तो वे यूनिट्स बाज़ार में निवेशित रहती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि जब आप अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स किसी बैंक में गिरवी रखते हैं, तो आप बैंक को यह अधिकार देते हैं कि वह म्यूचुअल फंड यूनिट्स को तभी बेचे जब आप डिफॉल्ट करें। लेकिन जब तक आप डिफॉल्ट नहीं करते, तब तक आपके निवेश बाज़ार से जुड़े रहते हैं और आप उन पर रिटर्न कमाते रहते हैं। इस प्रकार, आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आपकी वित्तीय योजना अभी भी बरकरार है और साथ ही आप किसी भी यूनिट को भुनाए बिना अल्प सूचना पर आवश्यक पूंजी जुटा सकते हैं।

ऑनलाइन कर सकते हैं आवेदन

तकनीक की बदौलत, एसबीआई, एचडीएफसी, आईसीआईसीआई जैसे कई बैंक अब आपके म्यूचुअल फंड होल्डिंग्स पर ऑनलाइन लोन दे रहे हैं। आपको बस अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट्स ऑनलाइन गिरवी रखनी हैं और अपने खाते में ओवरड्राफ्ट लिमिट सेट करवानी है। ओवरड्राफ्ट सुविधा का मतलब है आपके बैंक के साथ एक क्रेडिट समझौता जिसके तहत आप अपने खाते में जमा राशि से ज़्यादा पैसे निकाल सकते हैं। इसकी एक पूर्व-स्वीकृत सीमा होती है।

नशे से दूरी, है जरूरी

अभियान को जबलपुर पुलिस ने बनाया जन आंदोलन

बाइक रैली, नुक्कड़ नाटक, शपथ ग्रहण और जनसंवाद से दी नशा मुक्ति की प्रेरणा

हरिभूमि, जबलपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर डीजीपी कैलाश मकवाना के नेतृत्व में संपूर्ण प्रदेश में "नशे से दूरी, है जरूरी" जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिले में पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के मार्गदर्शन में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

शहर में निकली भव्य मोटर साइकिल रैली

शनिवार को एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर जागरूकता बाइक रैली को रवाना किया। यह रैली सिविल लाइन, घमापुर चौक, भानतलैया, गोहलपुर थाना, रद्दी चौकी, त्रिपुरी चौक, कछपुरा, मदनमहल, शास्त्री ब्रिज, हाईकोर्ट चौक समेत शहर के प्रमुख स्थलों से होकर पुनः एसपी कार्यालय पहुंची। रैली में थाना प्रभारियों एवं पुलिस बल के जवानों ने हिस्सा लेकर जनमानस को नशे के विरुद्ध एकजुट होने का संदेश दिया।

स्कूलों और बाजारों में जागरूकता के कार्यक्रम

एएसपी यातायात पल्लवी शुक्ला के मार्गदर्शन में डीएसपी बैजनाथ प्रजापति एवं टीआई गढ़ा हरिकिशन अटनेरे ने हितकारिणी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गढ़ा में छात्रों को नशा न करने की शपथ दिलाई। साथ ही सूबेदार वीरेंद्र आरख एवं एएसआई शिवचरण दुबे ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराया।

बाजारों और ठेलेवालों को भी मुहिम से जोड़ा

थाना कैंट क्षेत्र अंतर्गत एम्पायर तिराहा, थाना पाटन अंतर्गत बस स्टैंड एवं इंदिरा मार्केट सिविल लाइन में दुकानदारों, फल-सब्जी विक्रेताओं और चाय नाश्ते के ठेलेवालों को पुलिस टीमों ने नशे के दुष्प्रभाव समझाए और उन्हें नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी पहुंचा अभियान

अजाक थाना जबलपुर द्वारा ग्राम बघोड़ा में जनचेतना सभा आयोजित कर ग्रामीणों को नशे से दूर रहने की समझाइश दी गई। गौरतलब है कि कप्तान उपाध्याय की अगुवाई में सभी राजपत्रित अधिकारी, थाना प्रभारी, नगर पुलिस अधीक्षक व एसडीओपी सक्रिय रूप से सहभागिता निभा रहे हैं। इस अभियान के माध्यम से जबलपुर पुलिस पूरे जिले को नशामुक्त समाज की दिशा में प्रेरित कर रही है।

एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

जर्जर भवनों में किसी भी स्थिति में न लगाई जाये कक्षा

जबलपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में शनिवार को विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयकों, विकासखण्ड अकादमिक समन्वयकों एवं जनशिक्षकों की ह्यूमन केपिटल फॉर विकसित भारत विषय पर तथा जर्जर शाला भवनों की समीक्षा के लिये दो सत्रों में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य अजय दुबे मौजूद थे। कार्यशाला के दूसरे सत्र में विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयक, विकासखण्ड अकादमिक समन्वयकों, जन शिक्षकों एवं उपयंत्रियों को निर्देशित किया गया कि अगले दो दिनों में सभी शालाओं का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि जर्जर भवनों में किसी भी स्थिति में कक्षाओं का संचालन न हो। उन्हें शाला भवन के साथ-साथ शौचालय, किचन शेड का भी सूक्ष्म निरीक्षण करने तथा जर्जर हो चुके भवनों को गिराने की तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश देते हुये यह सुनिश्चित करने भी कहा गया कि शाला भवनों की छत पर जल भराव किसी स्थिति में न हो, बिजली के तार कटे अथवा खुले न हों। जिन विद्यालयों में निर्माण कर हो रहा है वहां अवरोधक लगाये जाने के निर्देश दिये गये, ताकि बच्चे उस तरफ न जा पायें। जर्जर एवं खतरनाक हो चुके शाला भवनों, कक्षाओं, स्थलों पर फ्लेक्स आदि के माध्यम से सूचना प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिये गये। विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयकों, विकासखण्ड अकादमिक समन्वयकों, जनशिक्षकों और उपयंत्रियों को बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के तथा शाला अनुदान का उपयोग विद्यार्थियों की सुरक्षा साफ सफाई, मरम्मत, जल निकासी, वायरिंग आदि कार्यों में करने के निर्देश कार्यशाला में दिये गये। इसके साथ ही उन्हें परिस्थितियों को देखते हुए निर्णय लेने तथा जर्जर अथवा क्षतिग्रस्त भवनों में लग रहे विद्यालय या कक्षाओं को अन्य सुरक्षित भवन में शिफ्ट करने की हिदायत भी दी गई। सभी विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयकों एवं जनशिक्षकों को अपनी निरीक्षण रिपोर्ट से वरिष्ठ कार्यालय को अवगत कराने भी कहा गया। इसके पहले कार्यशाला के प्रथम सत्र में राज्य शासन के निर्देशानुसार नई शिक्षा नीति को संदर्भ में ह्युमन कैपिटल फॉर विकसित भारत विषय पर चर्चा की गई। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा, डायट प्राचार्य अजय दुबे सहित राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान, प्रांतीय शिक्षा महाविद्यालय एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण दिया गया। विकासखण्ड स्त्रोत समन्वयकों एवं जनशिक्षकों ने इस विषय पर दिये गये प्रपत्र में अपने-अपने सुझाव दिये। कार्यशाला में बुनियादी कौशल, परिणाम आधारित शिक्षा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विचार साझा करते हुये कहा कि पाठ्यक्रम एवं कक्षाओं का संचालन विकसित भारत के निर्माण के लिये हो। शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों के व्यवहार में विकसित भारत के निर्माण में सकारात्मक परिवर्तन लाये।

स्कूल प्राचार्यों से बच्चों को सुरक्षित कमरों में पढ़ाने निगमायुक्त ने की अपील

निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा राजस्थान के झालावाड़ में शासकीय स्कूल में गत दिवस भवन का हिस्सा गिरने से हुई जनहानि को मानवीयता की दृष्टि से देखते हुए उनके प्रति संवेदनाएं व्यक्त की और नगर निगम सीमा अंतर्गत आने वाले समस्त शासकीय स्कूल भवनों में जिला शिक्षा अधिकारी से समन्वय कर एवं नगर निगम के स्कूल भवनों के लिए सहायक आयुक्त शिक्षा विभाग से समन्वय कर भौतिक परीक्षण एवं जहाँ आवश्यक हो सुधार, मरम्मत सुनिश्चित करने 8 सदस्यीय अधिकारियों का एक जाँच दल गठित कर 3 दिवस के अंदर निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने निर्देश दिये हैं। निगमायुक्त ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं सभी शासकीय स्कूलों के प्राचार्यो को भी राजस्थान की घटना को संज्ञान में लेकर बच्चों की सुरक्षा और उचित व्यवस्था के तहत शाला लगाने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ-साथ नगर निगम के निम्न अधिकारियों की टीम गठित कर स्कूल भवनों के भौतिक निरीक्षण के लिए निर्देशित करते हुए 3 दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं गठित टीम के सदस्यों में क्रमशः अपर आयुक्त व्ही.एन. बाजपेयी को अध्यक्ष, अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, अधीक्षण यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री शिवेन्द्र सिंह, शैलेन्द्र मिश्रा, शैलेन्द्र कौरव, जागेन्द्र सिंह एवं संबंधित क्षेत्र के संभागीय यंत्री सदस्य हैं। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने बच्चों की सुरक्षा और शिक्षण व्यवस्था में कोई लापरवाही न हो इस संबंध में भी सभी संबंधितों से अनुरोध कर सुरक्षित वातावरण में शिक्षण का कार्य करने आग्रह किया है।

राजस्व अधिकारियों की बैठक में अपर कलेक्टर के निर्देश

एसडीएम पटवारियों के कार्यों की मानीटरिंग करें

जबलपुर। अपर कलेक्टर मिशा सिंह की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। इस दौरान सभी राजस्व अधिकारी मौजूद थे। बैठक में नामांकन, सीमांकन, बंटवारा, फार्मर रजिस्ट्री आदि राजस्व प्रकरणों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें। बैठक में आरसीएमएस व सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों के निराकरण करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने सभी एसडीएम से कहा कि पटवारियों के कार्य प्रणाली की मॉनिटरिंग करें। सभी पटवारी अपने मुख्यालय में रहकर कार्य करें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जो काम नहीं कर रहे हैं उनका इंक्रीमेंट रोके और जो लंबे समय से अपने कर्त्तव्यों का पालन नहीं कर रहे हैं, उन पर भी आवश्यक कार्यवाही करें। इसके अलावा जर्जर भवनों के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि जिले में कहीं भी राजस्थान जैसी घटना घटित न हो, अतः जर्जर भवनों से तत्काल दूसरे भवनों में विद्यार्थियों को शिफ्ट किया जाये। तहसीलदार कोटवारों के माध्यम से भी जर्जर भवनों की जानकारी लें। बैठक में कहा गया कि सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों का संतोषजनक रूप से निराकरण करना पहली प्राथमिकता है, अतः इस दिशा में सक्रियता से कार्य करें। अपर कलेक्टर सु सिंह ने कहा कि खाद में मिलावट व दूध तथा दूध से बने उत्पादों में मिलावट की जांच करें, गड़बड़ी पाये जाने पर दुकान सील करें। गरूड़दल इस दिशा में सक्रियता से कार्य करें। इस दौरान तहसील स्तर पर डिजिटलाइजेशन का कार्य की प्रगति की समीक्षा भी की गई।

हत्या के प्रयास पर सात वर्ष का कारावास

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश राजेश यादव की एकलपीठ ने हत्या के प्रयास के आरोपित जबलपुर निवासी चंगू उर्फ सचिन चौधरी का दोष सिद्ध पाया। इसी के साथ सात वर्ष के कारावास की सजा सुना दी। साथ ही पांच हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक लहर दीक्षित ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 13 मई, 2021 को आरोपित ने चौधरी मोहल्ला में उत्पात मचाया था। उसने शनि उर्फ बाटा उर्फ राजा अहिरवार को जमकर पीटा। इससे उसे गंभीर चोटें आईं। पेट में जानलेवा प्रहार से राजा बुरी तरह आहत हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया। किसी तरह उसकी जान बचाई जा सकी। गोरखपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। अदालत ने जुर्म सिद्ध पाकर सजा सुना दी।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दुर्घटनाओं को कम करने पर मंथन

ई-रिक्शा और आवारा मवेशियों के प्रबंधन की नीति बनाने पर जोर

हरिभूमि जबलपुर।

सड़क दुर्घटनाओं को रोकने व यातायात व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए कलेक्ट्रेट में पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर मिशा सिंह, नाथूराम गोंड, एडीशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा व आरटीओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कहा गया कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुधारने सड़कों में घूम रहे आवारा मवेशियों पर नियंत्रण करें, उन्हें गौशाला में भेजना सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक उपाध्याय ने एनएचएआई के अधिकारी से कहा कि वे राहगीर योजना के प्रचार-प्रसार करायें और ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर उन्हें सुधारने की दिशा में कार्य करें। बैठक में ई-रिक्शा को लेकर यातायात और सुरक्षा को लेकर उत्पन्न हो रही स्थिति पर चर्चा की गई. इस दौरान ई रिक्शा प्रबंधन की नीति बनाए जाने पर जोर दिया गया. जबलपुर से मंडला और कटनी मार्ग में चलने वाली बसों के संबंध में भी चर्चा की गई और कहा गया कि इसमें संयुक्त टीम जांच कर उचित रूट निर्धारित करे, ताकि शहर में जाम की स्थिति न बने। भारी वाहनों की शहर में नो-एंट्री के संबंध में भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये गये। बैठक में कहा गया कि अंधमूक चौराहे पर निरंतर हो रही सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाएं जाये। खनिज परिवहन से जुड़े वाहनों की विशेष अभियान चलाकर आवश्यक कार्यवाही की जाए। बैठक में ब्लैक स्पॉट, ट्राफिक सिग्नल, ऑटो-ई रिक्शा स्टेंड, यातायात दबाव को नियंत्रित करने, नो-पार्किंग जोन में पार्किंग पर पेनाल्टी के संबंध में भी चर्चा की गई। इस दौरान कहा गया कि प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के लायसेंस निरस्त किया जाये। साथ ही स्कूलों के छूटने के समय समुचित ट्राफिक प्रबंधन हों। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में बसो में ओव्हर लोडिंग, कैमरा, पैनिक बटन व अलार्म के साथ चालक-परिचालक के चरित्र के संबंध में भी चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिये। बैठक में विशेष रूप से कहा गया कि ई-रिक्शा प्रबंधन पर आवश्यक निर्देश दिये और कहा कि दुर्घटनाओं से सुरक्षित जीवन की ओर बेहतर ढंग से काम किया जाये। शहर की यातायात व्यवस्था को बनायें रखने के लिए नगर निगम से कहा गया कि वाहनों के लिए पेड पार्किंग व्यवस्था बनायें और उसका किराया मल्टी लेवल पार्किंग से कुछ ज्यादा रखें।

कारगिल विजय दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

गौरवशाली भारत के निर्माण में सभी युवा अपना योगदान दें: ब्रिगेडियर त्रिवेदी

हरिभूमि जबलपुर।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय महाकोशल स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर द्वारा कारगिल विजय दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में ब्रिगेडियर विपिन त्रिवेदी, रिटायर्ड ब्रिगेडियर, भारतीय सेना, मुख्य वक्ता के रुप में विजय पांडेय, अध्यक्ष, जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र, महाकौशल प्रांत पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता, म.प्र. शासन, सारस्वत अतिथि के रुप में शौर्य चक्र सम्मानित लेफ्टिनेंट कर्नल विक्रम बहादुर सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष के रुप में प्रो. अलकेश चतुर्वेदी उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विजय पांडेय के सभी को संबोधित करते हुये जम्मू कश्मीर की वर्तमान स्थिति एवं इसके इतिहास से संबंधित विस्तुत जानकारी प्रदान की साथ ही कारगिल विजय दिवस के महत्व को सबके साथ साझा किया।

सारस्वत अतिथि के रुप में शौर्य चक्र सम्मानित लेफ्टिनेंट कर्नल विक्रम बहादुर सिंह ने कहा कि कारगिल विजय दिवस में यह संदेश दिया कि हम सभी को अपने-अपने क्षेत्र में राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिये। मुख्य अतिथि ब्रिगेडियर विपिन त्रिवेदी ने कारगिल युद्ध की आवश्यकता पर प्रकाश डाला साथ ही कहा सभी देशवासियों को हर दिशा में अपने कार्य को निष्ठा से करना चाहिये यही सच्ची देशभक्ति है। एक सशक्त, आत्मनिर्भर और गौरवशाला भारत के निर्माण में सभी युवा अपना योगदान दें। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित भारतीय सेना के अधिकारी श्री नायक वंशराज सिंह, बालमुकुंद तिवारी, श्यामसुंदर चौबे, बीर सिंह, अरविंद कुमार वर्मा, संतकुमार पॉल, राम स्नेही, कैप्टन रामजीत यादव, नेलसन, विजय कुमार, शशि शंकर, विपिन चौधरी को शॉल, श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी द्वारा अपने अध्यक्षीय भाषण में जम्मू कश्मीर के इतिहास पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में एनसीसी के विद्यार्थियों द्वारा आपरेशन सिंदूर पर लघुनाटिका प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम समन्वयक के रुप में प्रो. अरुण शुक्ल में उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. मलय द्वारा किया गया। डॉ. रश्मि बुनकर द्वारा आभार व्यक्त किया गया। डॉ. आनंद तिवारी कार्यक्रम सह-संयोजक के रुप में उपस्थित रहें। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, अतिथि विद्वान एवं कर्मचारी के साथ एनसीसी, एनएसएस के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

क्राइम ब्रांच व बेलबाग पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

पांच ग्राम स्मैक के साथ तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाने हेतु पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय के निर्देशन में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में क्राइम ब्रांच व थाना बेलबाग पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को 5 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। टीआई राजकुमार खटीक ने बताया कि 25 जुलाई को क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि एक व्यक्ति स्मैक के साथ ग्राहक की प्रतीक्षा कर रहा है। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम द्वारा दबिश दी गई और संदिग्ध हुलिए के व्यक्ति को पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति ने पूछताछ में अपना नाम 43 वर्षीय रोहित मिश्रा निवासी डाइट कॉलेज कैंपस, छोटी ओमती बताया। तलाशी के दौरान उसकी जेब से 5 ग्राम स्मैक बरामद हुई, जिसे जप्त करते हुए आरोपी पर धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

टीम की सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में एएसआई प्रशांत सोलंकी, प्रधान आरक्षक मन्नू सिंह, सत्यसेन, अटल जंघेला, आरक्षक अजीत, विनय, तथा बेलबाग थाना स्टाफ से प्रधान आरक्षक धरमाजी पवार, अजीत सिंह, कुनाल सिंह, प्रकाश सिंह व अनुराग सिंह की विशेष भूमिका रही।

बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में भक्तों ने की पावन पादुकाओं की पूजा

जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी की 56वीं वर्धन्ति पर हुआ हरिहरेश्वर महादेव का महारुद्राभिषेक

हरिभूमि, जबलपुर।

उत्तराम्नाय ज्योतिष्पीठ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्रीः अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज की 56वीं वर्धन्ति महामहोत्सव के पावन अवसर पर बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में विविध धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज के सान्निध्य में भगवान श्री हरिहरेश्वर महादेव का महारुद्राभिषेक मंत्रोच्चार और वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ। इस दिव्य आयोजन में भक्तों ने श्रद्धाभाव से भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य जी महाराज की पावन पादुकाओं का विधिपूर्वक पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर मठ परिसर शिवमय वातावरण में परिवर्तित हो गया, जहां श्रद्धालु भक्ति और साधना में लीन दिखे।

जारी रहेगी धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला

कार्यक्रम का समापन महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। मठ प्रबंधन के अनुसार वर्धन्ति महोत्सव के अंतर्गत आगामी दिनों में भी धार्मिक आयोजनों की श्रृंखला जारी रहेगी।

यह रहे उपस्थित

धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने वालों में ज्ञान त्रिपाठी, विवेक गुप्ता, गोविंद साहू, शिवम चतुर्वेदी, रिचा मिश्रा, गीता व्यास, नेहा गुप्ता, पीयूष दुबे, तुलसी अवस्थी, अंकित दीक्षित, वैभव दुबे, गौरव चौबे, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, शुभम चौरसिया, आशीष चौकसे, रोहित साहू, राहुल मौर्य, अभिषेक उपाध्याय, मीडिया प्रभारी मनोज सेन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण में उमड़ी भक्तों की भीड़

सिहोरा। श्रावण मास के पावन अवसर पर हर तरफ भक्त भोले की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं तो वहीं जगह जगह पार्थिव शिवलिंग निर्माण का आयोजन पूर्ण विधि विधान से किया जा रहा है। ब्रम्हलीन पंडित देवप्रभाकर शास्त्री दद्दा जी के आशीर्वाद से समीपस्थ ग्राम गांधीग्राम के बंजारी माता मंदिर में तीन दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण का आयोजन सुपुत्र डॉ.अनिल शास्त्री के सानिध्य में शिष्य मंडल द्वारा कराया जा रहा है। दद्दा शिष्य मंडल और जय मां बंजारी सेवा समिति के सदस्यों द्वारा पूजन अर्चन के बाद हजारों भक्तों ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण किया तथा अनिल शास्त्री द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चार करते हुए पहले पार्थिव शिवलिंग का पूजन-अर्चन और इसके बाद अभिषेक कराकर नदी में विसर्जन किया गया। आयोजन को सफल बनाने में दद्दा शिष्य मंडल के प्रताप सिंह बघेल,पूर्व विधायक दिलीप दुबे,भाजपा जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज सिंह बघेल, गोलू सिंह राजपूत, बंजारी माता समिति के अध्यक्ष अरविंद सिंह गौर,हरिप्रसाद,बसंत तिवारी,चमन असाटी,हरिशंकर तिवारी, उमेश शुक्ला, राजू सोनी, लक्ष्मी असाटी, योगेंद्र मिश्रा आदि का योगदान रहा।

सिहोरा सांई मंदिर में भी आयोजन

परम पूज्य संत श्री श्री 1008 बनवारी दास जी महाराज के सानिध्य में सांई मंदिर में शक्ति संस्थान परिवार एंव बनवारी दास सेवा समिति द्वारा तीन दिवसीय पार्थिव शिवलिंग निर्माण एंव रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया है जिसमें प्रथम दिन अनेक भक्तों ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

गायों के गले में बांधे जा रहे रिफ्लेक्टिव बेल्ट

सिहोरा। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर ग्राम वासियो द्वारा छोड़े गए मवेशी बड़ी तादात में हाईवे पर घूमते रहते है जो जिससे आये दिन आम लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे है और जानमाल का नुक़सान हो रहा है। रीवा कटनी जबलपुर लखनदौन हाईवे प्रोजेक्ट पर विभिन्न प्रयासों के बावजूद भी जानवरो का आना नहीं रुक रहा है राजमार्ग की टीम द्वारा दुर्घटना से शिकार हुए गायों का पशु चिकित्सक द्वारा उपचार करा कर विशेष वाहन द्वारा गौशालाओ मे छोड़ने करने का कार्य किया जा रहा है और उनकी सुरक्षा हेतु गायों के गले में रिफ्लेक्टिव बेल्ट व आस पास के गांवो मे जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामवासियो से अपील की जा रही है परन्तु ग्रामवासियो द्वारा अपने मवेशीयो को सडक पर छोड़ने का कार्य अभी तक बंद नहीं किया गया। इस समस्या को देखते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जबलपुर पीडी अमृतलाल साहू के नेतृत्व में आर के जे एल प्रोजेक्ट के द्वारा विभिन्न स्थानों मवेशीयो को हटाने के लिए दिन और रात में ट्रैफिक मार्शल की तैनाती कर दी गयी है इन ट्रैफिक मार्शल द्वारा प्रतिदिन राजमार्ग पर आने वाले मवेशियों को हटाने का कार्य किया जाता है ताकि राजमार्ग पर कोई दुर्घटना व जान माल का का नुक़सान न हो।

लम्हेटा घाट घूघरा फॉल में वृक्षारोपण सम्पन्न

भेड़ाघाट। नगर परिषद भेड़ाघाट लम्हेटाघाट घूघरा फॉल में किया पौधारोपण एवं पर्यावरण का संदेश देते हुए आम जनता को इन वृक्षों के बारे में जानकारी दी पीपल एवं बरगद के पौधों का रोपण किया गया इन वृक्षों में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होती है जिससे जन जीवन में इसका अधिक लाभ होता है। पौधारोपण कार्यक्रम में पार्षद अजय पटेल एवं मोनू दुबे आशीष बंटी पटेल राजकुमार यादव नगर परिषद भेड़ाघाट उद्यान प्रभारी लक्ष्मी नारायण दुबे प्रताप पटेल नेमचंद यादव दिवेश यादव आदि मौजूद रहे।

मझौली में बेची जा रही अवैध शराब को लेकर पुलिस थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा

मझौली। भगवती मानव कल्याण संगठन के द्वारा धर्म सम्राट युग चेतना पुरुष परमहंस योगीराज शक्तिपुत्र महाराज के दिशा निर्देश पर भगवती मानव कल्याण संगठन के द्वारा शक्ति चेतना पार्टी के माध्यम से 28 वर्षों से देशके कोने-कोने में नशा मुक्ति अभियान चलाते हुए इसी इसी उद्देश्य को लेकर थाना मझौली में ज्ञापन सौंपा। नगर मझौली एवं आसपास के क्षेत्र में बेची जा रही अबैध शराब गांव गांव ले जाकर उसे बन्द किया जाए एक तरफ सरकार नशा मुक्ति अभियान चला कर लोगों को जागरुक कर रही है दूसरी तरफ इनके द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है यह माफिया पूरे समाज को गतृ में डाल रहा है। नगर एवं ग्राम में बेची जा शराब को बंद किया जाए बंदना किया जाने पर भगवती मानव संगठन दीपक पैमाने पर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। अध्यक्ष जगदीश सिंह लोधी रवि यादव महेंद्र यादव समाजसेवी शैकी सोनी आदि समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एपीएन स्कूल का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

जबलपुर। "जब हम शपथ लेते हैं, तो सिद्धांतों का निर्वहन हमें जीवन पर्यंत करना होता है, हमें सदैव अनुशासन का पालन करना और सभी का सम्मान करते हुए शाला के सर्वांगीण विकास में योगदान देना चाहिए।" यह कहना है एपीएन सीबीएसई सीनियर सेकण्डरी स्कूल के चेयरमेन चमन श्रीवास्तव का, अवसर था शाला के शपथ ग्रहण समारोह का।

कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती की पूजा के साथ हुआ, सभी दलों के प्रभारियों ने शाला के झंडे के साथ बैंड की धुन पर शानदार मार्चपास्ट किया। कार्यक्रम के अगले चरण में शाला नायिका पायल शिवनानी और शाला नायक देवांश तिवारी ने सभी प्रभारियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में संस्था सह प्रबंधक मयंक श्रीवास्तव, महाविद्यालय के रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, सीबीएसई प्राचार्य मुकेश चौरसिया, स्टेट बोर्ड प्राचार्य अजय वर्मा, पार्षद अमरचंद बावरिया, कोआर्डिनेटर जतिन कोहली सहित सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल बनाने में प्रायमरी विभाग प्रभारी आसिमा लाल, काउंसलर शर्मिला चक्रवर्ती, आरती मिश्रा, ममता दीक्षित, भारती प्रसाद, दिलीप कोरी, ज्योति मिश्रा, अभिनव लोधी, आकृति मसीह, पुष्पांजलि पाठक का सराहनीय योगदान रहा। आभार प्रदर्शन आसिमा लाल और मंच का संचालन प्रियंका श्रीवास्तव ने किया।

संत रविदास ने मानव समाज को दिए ईश्वर मिलन के उपदेश

जबलपुर। संत रविदास विचार मंच के सलाहकार मोहनलाल चौधरी ने बताया कि 20 जुलाई को लालकुंआ पोलीपाथर गौरीघाट रोड स्थित महिला प्रकोष्ठ की संगठन मंत्री सियाबाई चौधरी के निवास पर मंच की सभा आयोजित की गई। सभा में मंच के अध्यक्ष शारदा प्रसाद चौधरी ने बताया कि संत रविदास ने कहा था कि ईश्वर का कोई रूप नहीं दिखा आपके दिल में जो श्रद्धा है उसको अपनी आत्मा में खोजो एवं ध्यान करो तो आपको चंद दिनों में ईश्वर का रूप मिल जाएगा। सभा में मंच के रामसिपाही सेठ, अनिल चौधरी, मोहनलाल चौधरी, सुमित चौधरी, मिलन चौधरी, सियाबाई चौधरी, विमलाबाई चौधरी सहित बड़ी संख्या में सामाजिकजन मौजूद रहे।

अंतर शालेय कराते चयन प्रतियोगिता का शुभारंभ

जबलपुर। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी के मार्गदर्शन में शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला हिन्दी गोहलपुर में जिला क्रीड़ा अधिकारी मधुमिता हाजरा की उपस्थिति में दो दिवसीय 69वीं अंतर जिला शालेय कराटे चयन प्रतियोगिता आज से प्रारंभ हुई, जिसमें 14, 17, 19 वर्ष मिनी, जूनियर और सीनियर बालकों के विभिन्न वजन ग्रुप के लगभग 25 शालाओं के 300 खिलाड़ियों में से जिनका ऑनलाइन पंजीयन में चयन हुआ था उन्होंने हिस्सा लिया। 30 राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के निर्णायकों ने बिना किसी पक्षपात के चयन प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया। कराटे चयन प्रतियोगिता की आयोजक माध्यमिक शाला हिन्दी गोहलपुर की प्रधान अध्यापिका सीमा पटेल, मीनुकान्त शर्मा, रॉबर्ट मार्टिन, चन्द्रशेखर स्वामी, राजेंद्र धवलपूरी, मीनल चैतन्य, माधुरी शर्मा, हेमलता तिवारी, प्रकाश यादव, शीला चौहान, दिनेश गोंड, सुधीर अवधिया आदि ने चयन प्रतियोगिता को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

शक्ति क्लब की महिलाओं ने ब्राइडल थीम के साथ मनाया हरियाली तीज उत्सव

जबलपुर। शक्ति क्लब की महिलाओं ने 26 जुलाई को हरियाली तीज उत्सव ब्राइडल थीम के साथ मनाया, जिसमें क्लब की सभी सदस्य दुल्हन की तरह सज-धजकर शामिल हुईं। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि माला राकेश सिंह और यामिनी अन्नूसिंह के द्वारा दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात क्लब की कोर टीम द्वारा गणेश वंदना प्रस्तुत की गई। क्लब की सदस्यों ने मनमोहक नृत्य और गीतों की प्रस्तुति दी, ब्राइडल रनवे में महिलाओं ने अलग-अलग राज्य की दुल्हन के रूपों को प्रस्तुत किया। इसके अलावा ढेर सारे गेम्स खिलाए गए और क्लब के सभी सदस्यों को उपहार दिए गए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आराधना चौहान, प्रेरणा जाधवानी, श्वेता सिंह ठाकुर, शिवानी साहू रहीं। इस कार्यक्रम में हरियाली तीज क्वीन और ब्राइडल क्वीन चुनी गईं। कार्यक्रम की सफलता में क्लब अध्यक्ष नीलम सिंह के साथ उनकी सहयोगी सदस्यों शारदा चौधरी, दीप्ति कुकरेजा, रजनी शुक्ला का योगदान रहा।

"धन्यवाद जबलपुर अभियान" के अंतर्गत कांति विला कॉलोनी में नागरिकों ने जताया आभार

जबलपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के अंतर्गत नगर पालिक निगम जबलपुर की IEC टीम द्वारा "धन्यवाद जबलपुर अभियान" के तहत आज कांति विला कॉलोनी में एक विशेष जन-जागरूकता एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में वार्ड पार्षद कृष्णादास चौधरी, स्वच्छता चैंपियन सत्यजीत राय एवं नगर निगम के सुपरवाइजर मनोज रजक की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का उद्देश्य हाल ही में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में जबलपुर नगर को देशभर में मिली 5वीं रैंक एवं 7-स्टार रेटिंग के लिए नागरिकों को धन्यवाद देना एवं स्वच्छता के प्रति उत्साह को बनाए रखना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता नीरज चौहान द्वारा की गई, साथ ही अन्य गणमान्य नागरिकगण मैनक गोस्वामी, बीएल सिंह, पिंकी चौधरी, सपना पारासर, अभिषेक मैनारे, विजय चौरे, प्रियंक खरे, शुयश गुरु एवं खुशबू तिवारी सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। सभी ने नगर निगम जबलपुर एवं नागरिकों का आभार प्रकट करते हुए निरंतर सहयोग की प्रतिबद्धता जताई।

बुंदेलखंडी लोकनृत्यों की कार्यशाला उद्घाटित

जबलपुर। महाराष्ट्र शिक्षण मंडल, जबलपुर व दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र नागपुर संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान बुंदेलखंडी लोकनृत्यों की एक कार्यशाला का उद्घाटन समारोह महाराष्ट्र कॉलेज के शताब्दी सभागृह में संपन्न हुआ। इस अवसर पर संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में दीपक कुलकर्णी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन से हुआ। इस अवसर पर महाराष्ट्र शिक्षण मंडल के सचिव प्रमोद पाठक ने कार्यशाला की उपयोगिता व आवश्कता पर अपने विचार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि दीपक कुलकर्णी ने महाराष्ट्र शिक्षण मंडल के इस अभिनव प्रयोग की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुये लोकनृत्य के महत्व बढ़ाने हेतु साधुवाद प्रेषित किया। इस अवसर पर 26 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक चलने वाली इस कार्यशाला के प्रशिक्षक दिलीप बंजारे (भिलाई) व संतोष पांडे (सागर) ने राई व पंथी लोकनृत्यों का प्रशिक्षण आरंभ किया। महाराष्ट्र शिक्षण मंडल की तीनों संस्थाओं के लगभग 150 विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। इस अवसर पर महाराष्ट्र शिक्षण मंडल के शताब्दी वर्ष समिति के सदस्य अनिल राजुरकर, दीपक उबाले, महाराष्ट्र कॉलेज के प्राचार्य दिलीप सिंह हजारी व शिक्षकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। महाराष्ट्र शिक्षण मंडल के अध्यक्ष डॉ. जयंत तनखीवाले ने आभार प्रदर्शन किया एवं संचालन प्रद्युम्न कायंदे ने किया।

श्री सुनील यादव- ग्वारीघाट थाने के सामने निवासी श्री सुनील यादव (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री मलकीत सिंह विल्कू- गुप्तेश्वर रोड नागपाल गार्डन के सामने निवासी श्री मलकीत सिंह विल्कू (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती सरला शर्मा- गांधीनगर न्यू कंचनपुर अधारताल निवासी श्री उमा शंकर शर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती सरला शर्मा (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती रामरति चौधरी- कांचघर श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड निवासी श्री प्रहलाद चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती रामरति चौधरी (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती स्नेहलता झा- शोभापुर कॉलोनी व्हीकल रोड निवासी श्री दया शंकर झा की धर्मपत्नी श्रीमती स्नेहलता झा (83) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती विमल राय- शक्तिनगर भोले कुटि के पास निवासी श्री प्रहलाद सिंह राय की धर्मपत्नी श्रीमती विमल राय (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री मोहन लाल- रामनगर व्हीकल रोड रांझी निवासी श्री मोहन लाल (59) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राहुल चौधरी- बड़ी मदार टेकरी शंकर चौक निवासी श्री रिक्खू लाल चौधरी के पुत्र श्री राहुल चौधरी (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री कड़ाई लाल बानिक- शुभम रेसीडेंसी तिलहरी निवासी श्री कड़ाई लाल बानिक (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

रादुविवि में छात्र-छात्राएं न्यायालयीन प्रक्रिया से हुए रू-ब-रू

जबलपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के विधि विभाग में बी.ए.एल एल.बी. दसवें सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं के मूटकोर्ट का आयोजन विभागाध्यक्ष ममता राव, प्रोफेसर दिव्या चंसोरिया के कुशल मार्गदर्शन और प्रोफेसर डॉक्टर उमाकांत गजबीर के निर्देशन में किया गया। मूट कोर्ट दसवें सेमेस्टर के छात्रों का एक विषय है, इसमें काल्पनिक न्यायालय (मूटकोर्ट) में छात्रों को विभिन्न भूमिकाओं में एक तरह से रिहर्सल कराई जाती है, इस आयोजन में विद्यार्थी एक तरह से न्यायालय की प्रक्रिया का प्रैक्टिकल ज्ञान प्राप्त करते हैं। इस आयोजन में आयुष तिवारी हिशाम सिद्दीकी, नंदिता बाजपेई, आशिफ़ा ज़िआ, चन्द्रेश पटेल, आहना जैन, अमित उड़के वैष्णवी दुबे, नैंसी सोनकर, सार्थक गुप्ता, अभिषेक वस्त्रकार, कृतिका कस्तवार, दीपिका चतुर्वेदी, मानसी नामदेव, इशिता प्रसाद मेहरोज खान, मीमंशा अग्रवाल ने विभिन्न भूमिकाएं निभाई।

मूटकोर्ट को सफल बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की कमेटियों का गठन किया गया। जैसे मीडिया कमेटी, आर्गेनाइजरी कमेटी डिसिप्लिनरी कमेटी। इन कमेटियों में बी.ए. एलएलबी दसवें सेमेस्टर के छात्रों द्वारा अपना योगदान दिया गया। मीडिया कमेटी के सदस्य, अनुष्का सिंह, महक त्रिपाठी, अंकिता सिंह परिहार और दिशा रजक थे। डिसिप्लिनरी कमेटी के सदस्य अखिल सिंह परिहार, यशवर्धन त्रिपाठी, हर्षवर्धन सोनी, शांतनु कोष्ठा थे। ऑर्गनाइजर कमेटी के सदस्य न्यासा राठौर, सोनाली उइके, अपर्णा वानखेडे, दीपाली राय गौरी अग्रवाल, वैष्णवी राव थे। आयोजन में इन सभी छात्र-छात्राओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विधि विभाग के समस्त अध्यापकों जिनमें डॉ. देवीलता रावत, डॉ. अश्वनी जायसवाल, कैप्टन सुनील शर्मा, डॉ. नीना प्यासी, डॉ .सुजाता श्रीवास्तव, डॉ. अर्पण शुक्ला ने मार्गदर्शन प्रदान किया।

'कजलियां पर्व पर समरसता का साक्षी बनेगा हनुमानताल'

जबलपुर। आपसी सद्भाव और समरसता के प्रतीक कजलियां महापर्व के शताब्दियों से गवाह रहे हनुमानताल में इस बार कजलियों का वह आयोजन होगा, जो यादगार होगा। कजलियां पर्व के मूल उद्देश्य को साकार करने का बीड़ा 'समरसता सेवा संगठन' ने उठाया है। संगठन का तीसरा कजलियां महा महोत्सव का आयोजन इस बार भी आगामी 10 अगस्त को अपरान्ह 1 बजे से 5 बजे तक हनुमानताल में होने जा रहा है। इस महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इस बार पिछले दो वर्षों की तुलना में और अधिक सामाजिक संगठनों की सहभागिता होगी।

कजलिया पात्रों का वितरण चौरसिया दिवस (नागपंचमी) के कार्यक्रम में आगामी 29 जुलाई मंगलवार को गवारीघाट में होगा। इसके साथ ही आयोजन की तैयारियां प्रारंभ हो जाएंगी। इस आशय की जानकारी पूज्य जगद्गुरु सुखानंद द्वाराचार्य स्वामी राघवदेवाचार्य की उपस्थिति में आयोजित पत्रकार वार्ता में संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन, सचिव उज्जवल पचौरी ने दी। पत्रकारवार्ता में महाकौशल चेम्बर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष रवि गुप्ता, अग्रवाल महासभा अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल बब्बा, जैन पंचायत सभा अध्यक्ष कैलाश चंद्र जैन, वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश सर्राफ नवरूप, सीताराम सेन सहित अन्य उपस्थित थे। संदीप जैन ने बताया कि समरसता के पवित्र विचार के प्रसार में संत-महात्माओं सहित हर समाज के विचारवान लोगों का आशीर्वाद समससता सेवा संगठन को मिला है। संगठन का श्रीगणेश तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के आशीर्वाद और आशीवर्चन के साथ हुआ था। तब से अब तक अनेक संत-महात्माओं का सानिध्य संगठन को मिल चुका है। संगठन की विचार यात्रा को आगे बढ़ाते हुए प्रकृति सेवा को भी सेवा प्रकल्प में शामिल किया गया है।

4 सिस्टर प्ले स्कूल में मनाया गया ग्रैंड पेरेंट्स डे

जबलपुर। बादशाह हलवाई मंदिर स्थित 4 सिस्टर प्ले स्कूल में 26 जुलाई को ग्रैंड पेरेंट्स डे का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ उनके दादा-दादी और नाना-नानी ने भी भाग लिया और ड्राइंग की। स्कूल परिसर को आकर्षक रूप से सजाया गया था। आयोजन के तहत बच्चों ने आकर्षक डांस किया, जिसमें कक्षा पहली के छात्र उत्कर्ष सिंह के डांस को उपस्थित अभिभावकों ने सराहा। कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों के लिए स्वादिष्ट स्वल्पाहार की विशेष व्यवस्था की गई थी। यह आयोजन मनोरंजन से भरपूर रहा, साथ ही बच्चों और उनके परिवारों के बीच एक मजबूत भावनात्मक जुड़ाव का अवसर भी बना। अंत में आभार प्रदर्शन से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अंकसूची गुमी

मेरा नाम राजकुमार पाल है पिता का नाम गुलाबचंद पाल है रोल नं. 110342020003 सत्र 2012-13 में बी.कॉम. फायनल की परीक्षा दी थी। मेरी अंकसूची घर से कहीं गुम हो गई और मुझे इसकी द्वितीय प्रति की आवश्यकता है।

अतः यह सूचना में द्वितीय प्रति चाहने हेतु समाचार पत्र में विज्ञापित कर रहा हूँ।

राजकुमार पाल
द्वारा-ज्ञानचंद अहिरवार (अधिवक्ता)
मो. 9301313653

30 जुलाई तक जारी रहेगा मध्य प्रदेश पुलिस का जागरुकता अभियान

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 'नशे से दूरी है जरूरी' केवल एक अभियान नहीं, मादक पदार्थों की लत से युवाओं को बचाने की दिशा में समाज और पुलिस की सहभागिता का सशक्त प्रयास है।

डॉ. यादव ने प्रदेश को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित वृहद जन-जागरूकता अभियान 'नशे से दूरी-है जरूरी' के अंतर्गत भारतीय वन प्रबंधन संस्थान में संकल्प पत्र पर हस्ताक्षर किए। उल्लेखनीय है कि यह अभियान 15 से 30 जुलाई तक प्रदेश के सभी जिलों में पुलिस मुख्यालय के नारकोटिक्स विंग द्वारा संचालित किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य किशोरों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना, उन्हें इस लत से दूर रखना और जो लोग पहले से नशे की गिरफ्त में हैं, उन्हें उचित परामर्श और सहयोग प्रदान कर पुनर्वास की दिशा में मार्गदर्शन देना है।

मुख्यमंत्री ने 'नशे से दूरी, है जरूरी' अभियान के संकल्प पत्र पर किए हस्ताक्षर, कहा-यह समाज, पुलिस का सशक्त प्रयास

मादक पदार्थों की लत से युवाओं बचाएगा अभियान

जागरुकता, संवाद, सहयोग और सुरक्षा है मूलमंत्र

नशे के विरुद्ध समुदाय आधारित जन-जागरुकता अभियान में विभिन्न शासकीय विभाग, गैर-सरकारी संगठन, धर्माचार्य, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, सभी समुदायों के लोग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। मध्यप्रदेश पुलिस गली-गली में जाकर आम जनता से संवाद कर रही है कि कैसे वे नशे से मुक्त रहें और युवा पीढ़ी नशे से दूरी बनाकर अपना भविष्य सुरक्षित करे। यह अभियान स्कूलों, कॉलेजों, सार्वजनिक स्थलों और डिजिटल माध्यमों के जरिए जन-जागृति फैलाने में सहायक सिद्ध होगा। जागरूकता, संवाद, सहयोग और सुरक्षा अभियान का मूलमंत्र है।

यह अधिकारी शामिल हुए

कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव वन मध्य प्रदेश शासन एवं अध्यक्ष मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम पुलिस उपायुक्त जोन-1 शशांक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-1 रश्मि अग्रवाल दुबे, सहायक पुलिस आयुक्त अंकिता खातरकर, थाना प्रभारी कमला नगर निरीक्षक निरूपा पांडेय, उनि संजय वर्मा सहित थाना कमला नगर पुलिस स्टाफ के साथ अन्य पुलिस कर्मी, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

नौ सेना अध्यक्ष त्रिपाठी बोले, 'नशे से दूरी, है जरूरी' ये केवल संदेश नहीं, हमारी सबसे अहम जिम्मेदारी

भारतीय नौ सेना अध्यक्ष दिनेश कुमार त्रिपाठी ने जन-जागरूकता अभियान 'नशे से दूरी, है जरूरी' को लेकर संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हर अभिभावक, शिक्षक और युवा से अपील है कि 'नशे से दूरी, है जरूरी' ये केवल संदेश नहीं, बढ़ते भारत की सबसे अहम जिम्मेदारी है। भारतीय नौसेना की नींव है अनुशासन, संकल्प और मानसिक दृढ़ता। नशा इन मूल्यों के ठीक विपरीत है। सागर में जहाज राष्ट्र की सीमाएं अक्षुण्ण रखते हैं, तो ऊर्जा के सागर में युवा राष्ट्र का भविष्य, पर जब युवा नशे की गिरफ्त में आता है तो देश की बुनियाद ही डगमगाने लगती है। आइए, नशे के विरुद्ध बिगुल फूंक कर हम खुद को, अपने परिवार को और भारत को इस आंतरिक खतरे से सुरक्षित करें।

एक ही परिवार के नौ लोग बहे, आठ बच गए, एक मासूम की तलाश जारी

शक्ति दाई मंदिर से लौट रहे परिवार के साथ दुखद हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बिलासपुर

जिले के सीपत थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में कार सवार लोग कार सहित नाले में बह गये। 9 लोगों में से आठ लोग बच गए वहीं एक छोटा बच्चा कार सहित पानी में बह गया जिसका एसडीआरएफ की टीम तलाश में जुटी हुई है।

दरअसल सिपत थाना क्षेत्र की घटना है। हरेली पर्व पर माता शक्ति दाई मंदिर उच्चभट्ठी से दर्शन कर लौट रहे परिवार के ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पडा। ग्राम खम्हरिया के रहने वाले मोहनलाल साहू उम्र 29 वर्ष अपनी पत्नी, बच्चों और रिश्तेदारों समेत कुल 9 लोगों के साथ वेगनआर कार से ग्राम उच्चभट्ठी स्थित शिव शक्ति पीठ मंदिर से वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान झलमला गांव के तुंगन नाला पुल पर करीब 3 फीट पानी बह रहा था। कार मोहन चला रहा था। पुल पार करते वक्त कार पानी के तेज बहाव में करीब 60 फीट दूर बह गई। कार में चार बड़े और पांच बच्चे सवार थे। हादसे में सभी लोग किसी तरह तैरकर बाहर निकल आए और चार बच्चों को बचा लिया गया। मगर मोहनलाल का तीन साल का बेटा तेजस मां का हाथ छूटते ही कार समेत पानी के तेज बहाव में बह गया। सूचना मिलते ही सीपत टीआई गोपाल सतपथी पुलिस टीम और डायल 112 के साथ मौके पर पहुंचे। वही रात के अंधेरे में तलाश करना भारी मुश्किल हो,रहा था रहा था फिर भी पुलिस और ग्रामीण युवाओं ने मशाल की रोशनी में नाले में उतरकर बच्चे और कार को खोजा, लेकिन कोई पता नही चल पाया। अगली सुबह एसडीआरएफ की टीम सर्च ऑपरेशन शुरू कर तलाश में फिर जुट गई है। फिलहाल सीपत पुलिस ने अनुमान जताया है कि कार और मासूम झलमला-सेलर एनीकट के पास, पुल से करीब 800 मीटर दूर मिल सकते हैं।

सड़क से नीचे उतारी बस, चालक-परिचालक फरार

बाल-बाल बचे यात्री, टला बड़ा हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जगदलपुर

राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर बड़ा हादसा होने से टल गया। जगदलपुर से रायपुर के लिए निकली यात्री बस के चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया, जिससे बस सड़क से नीचे उतर गई। इस घटना में यात्रियों को किसी भी प्रकार से कोई चोट नहीं आई।

लेकिन घटना के बाद से चालक मौके से फरार हो गया। जिसके बाद यात्री अपने सामानों को लेकर मुख्य मार्ग पर आ गए। मामले की जानकारी देते हुए यात्रियों ने बताया कि शुक्रवार की सुबह 30 के लगभग यात्रियों को लेकर बस सुबह रायपुर के लिए रवाना हुई।

करीब 7 बजे के लगभग जैसे ही बस बस्तर के आगे बालेंगा के पास पहुंची कि बस चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और स्कूल के पास सड़क से नीचे बस को उतार दिया। जब तक यात्री कुछ समझ पाते तब तक चालक व परिचालक मौके से फरार हो गए। वहीं इस बस में सवार यात्रियों को किसी भी प्रकार से कोई भी हानि नहीं हुई।

सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाना था उद्देश्य

टिफिन बम के साथ चार सक्रिय नक्सली गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुकमा

जिले के अतिसंवेदनशील थाना जगरगुण्डा क्षेत्र में पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। ये सभी नक्सली जगरगुण्डा एरिया कमेटी से जुड़े हुए हैं और बीते 29 जून को कैम्प बेदरे के पास आईईडी लगाने की साजिश में शामिल रहे हैं। गिरफ्तार किए गए नक्सलियों की पहचान तामु जोगा, पुनेम बुधरा, मड़कम भीमा और मिडियम आयतु के रूप में हुई है।

सभी की उम्र 23 से 25 वर्ष के बीच है और ये ग्राम बोड़नगुड़ा, बेदरे क्षेत्र के निवासी हैं। आरोपियों के कब्जे से एक टिफिन बम भी बरामद किया गया है, जो सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से रखा गया था। पुलिस व सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने 23 जुलाई को ग्राम बोड़नगुड़ा और आसपास के क्षेत्रों में सर्च ऑपरेशन चलाया। अभियान के दौरान घेराबंदी कर चारों आरोपियों को पकड़ा गया, जो पहले से जगरगुण्डा थाने में दर्ज गंभीर मामलों में फरार चल रहे थे। उनके खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और यूएपीए की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज है। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के बाद दंतेवाड़ा की विशेष न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ये कार्रवाई नक्सल नेटवर्क को कमजोर करने की दिशा में अहम कड़ी साबित होगी। इस अभियान के बाद सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में सघन गश्त और सर्चिंग बढ़ा दी है। पुलिस को इन नक्सलियों के अन्य साथियों की भी तलाश है, जो इस वारदात में संलिप्त रहे हैं। लगातार जारी नक्सल विरोधी अभियान के तहत क्षेत्र में गतिविधियां तेज कर दी गई हैं।

कांग्रेस ने तैयार किया आंतरिक और रणनीतिक दस्तावेज़

कांग्रेस विधायकों के समूहों ने किया जनहित के मुद्दों पर गहन मंथन, बनाई रणनीति

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

कांग्रेस विधायक दल द्वारा मांडू में आयोजित दो दिवसीय नव संकल्प शिविर में कांग्रेस ने भाजपा सरकार से मुकाबले के लिए भविष्य की रणनीति पर विमर्श किया। शिविर में 10-10 कांग्रेस विधायकों को 6 समूहों में बांटा गया और हर समूह ने प्रमुख जनहित मुद्दों पर गहन मंथन किया। शिविर में तय किया गया कि कांग्रेस प्रत्येक व्यक्ति के साथ संवाद स्थापित करने की रणनीति पर आगे बढ़ेगी।

किसान, मजदूर, युवा, महिला, दलित और आदिवासी सहित हर शोषित और वंचित के अधिकार की लड़ाई पूरी ताकत से लड़ेगी। शिविर के दौरान प्रदेश कांग्रेस ने एक आंतरिक और रणनीतिक दस्तावेज़ तैयार किया है, जो आने वाले समय में पार्टी की राजनीतिक रणनीतियों, जनसंपर्क अभियानों और सांगठनिक विस्तार का आधार बनेगा।

1 ज्यादा से ज्यादा लोगों से संवाद कर आगे बढ़ने की योजना

2 पूरी ताकत से लड़ेगी शोषित और वंचितों के हक की लड़ाई

विश्लेषण

विधायकों के समूह ने की इन मुद्दों पर चर्चा

शिविर में विधायकों के 6 समूहों ने जिन ज्वलंत मुद्दों पर विचार विमर्श किया, उनमें जातिगत जनगणना, 27 फीसदी ओबीसी आरक्षण, वन अधिकार कानून, पेसा एक्ट और जनजातीय अधिकार, संगठन सृजन अभियान और कांग्रेस का जमीनी विस्तार, स्वयंसेवी-सामाजिक संगठन और सहकारी संस्थाएं तथा मध्यप्रदेश कांग्रेस रणनीति शामिल रहे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि हमने लड़ने और जीतने का मन बनाया है। इस शिविर से विधायकों में नई ऊर्जा और स्पष्ट रणनीति उभरी है। यह कांग्रेस के वैचारिक नवचिंतन की शुरुआत है, जिसे प्रदेशभर में संवाद और जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से आगे बढ़ाया जाएगा।

हमने भाजपा की तरह हनीमून नहीं मनाया

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने भाजपा के पचमढ़ी शिविर पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि हमने उनकी तरह हनीमून नहीं मनाया बल्कि मांडू में संकल्प लिया है। उन्होंने हा कि भाजपा डर रही है कि विधानसभा के सत्र में कांग्रेस उनके भ्रष्टाचार, विफल योजनाओं और जनविरोधी फैसलों की परतें खोलेगी, हम यह जरूर करेंगे। लेकिन नव संकल्प शिविर का उद्देश्य इससे कहीं बड़ा और दीर्घकालिक है। यह शिविर एक वैचारिक और सांगठनिक तैयारी है, जो भाजपा की जड़ें प्रदेश में हिला देने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि कार्पोरेट शोषण और आदिवासी विस्थापन के साथ ही वन अधिकार, कानून और पेसा एक्ट के समस्त प्रावधानों को वास्तविक रूप में लागू करने का हमने इस नव संकल्प शिविर में संकल्प लिया है।

कांग्रेस ने किया प्रदेश में बदलाव का वादा

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने बताया कि कांग्रेस ने मांडू की ऐतिहासिक धरती से मध्यप्रदेश की तक़दीर बदलने का संकल्प लिया है। नव संकल्प शिविर ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि कांग्रेस केवल अतीत पर विचार नहीं कर रही, बल्कि भविष्य की ठोस रूपरेखा बना रही है। सिंघार ने बताया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ़ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। किसानों को आय का अधिकार, ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करने, युवाओं को रोजगार और स्टार्टअप्स के लिए समर्थन, दलितों-आदिवासियों और वंचित वर्गों को उनका अधिकार के साथ महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए बदलाव के लिए संघर्ष किया जाएगा।

शिविर में लिया हर वर्ग को साथ लाने और संघर्ष का संकल्प

शिविर के निर्णयों के बारे में नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने बताया कि हमने समाज के हर वर्ग युवा, किसान, मजदूर, एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, सामाजिक संस्थाओं को भी अपने साथ लाने का नव संकल्प इस शिविर में लिया है। व्यापक चर्चाओं में पार्टी के संगठन सृजन अभियान को भी नव संकल्प में शामिल किया गया है।

जंगली सब्जी लेने गई महिला की हत्या

गौरेला पेंड्रा मरवाही। गौरेला के केंवची इलाक़े में उस समय सनसनी फैल गई जब गांव के ग्रामीणों ने झाड़ियों में एक अज्ञात महिला का शव देखा। शव पर धारदार हथियार से हमले के निशान भी दिखाई दे रहे थे। मामले की जानकारी ग्रामीणों ने तत्काल गौरेला पुलिस को दी पुलिस तत्काल मौके पर पहुँचकर मामले की तफ्तीश में जुट गई है। कुछ ग्रामीणों के द्वारा शव को पास से देखा तो शव पर धारदार हथियार से हमले के निशान भी दिखाई दिए जिसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल पूरे घटना की जानकारी गौरेला पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंची गौरेला पुलिस ने शव की शिनाख्ती की कार्रवाई की तो पता चला महिला अनसुइया यादव है और जंगल में जंगली सब्जी पिहरी लेने के लिए गई हुई थी। फिलहाल पुलिस शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद परिजनों को सौप दिया है

मेस्सी एक मैच के लिए निलंबित इंटर मियामी ने किया विरोध

एजेंसी ▶▶ फोर्ट लॉडरडेल (अमेरिका)

लियोनेल मेस्सी और जोर्डी अल्बा को ऑल स्टार मैच में भाग नहीं लेने के कारण मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) ने एक मैच के लिए निलंबित कर दिया है, जिसका उनके क्लब इंटर मियामी ने विरोध किया है। इंटर मियामी के मालिक जॉर्ज मास ने एक मैच के निलंबन के बारे में कहा, 'यह उनकी समझ से परे है कि प्रदर्शनी मैच में भाग न लेने पर सीधे निलंबन क्यों हो जाता है।'

मेस्सी और अल्बा ने एमएलएस और मैक्सिको के लीगा एमएक्स के बीच मैच के लिए टीम में चुने जाने के बावजूद हिस्सा नहीं लिया था। मेस्सी व्यस्त कार्यक्रम के बीच आराम करने के लिए नहीं खेले और अल्बा अपनी पिछली चोट से जूझ रहे हैं। मास ने कहा कि क्लब ने मेस्सी और अल्बा को ऑल-स्टार मैच से बाहर रखने का फैसला किया। एमएलएस के नियमों के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी जो लीग से अनुमति लिए बिना ऑल स्टार मैच में नहीं खेलता उसे एक मैच के लिए निलंबित कर दिया जाता है।

बकाया बिल नहीं भरने पर 10 उपभोक्ताओं के शस्त्र लाइसेंस निलंबित

भोपाल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट दतिया द्वारा शस्त्र लाइसेंस निलंबन का नोटिस देने के बाद भी बिजली का बकाया बिल जमा नहीं करने वाले 10 उपभोक्ताओं के शस्त्र लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर शस्त्र संबंधित थाने में जमा करने के आदेश दिए गए हैं।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकण्टक जिला - अनूपपुर (म. प्र.)

निविदा अधिसूचना

सत्र 2025-26 के दौरान पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकण्टक, जिला - अनूपपुर (म.प्र.) हेतु विभिन्न भण्डार सामग्री की आपूर्ति जैसे खेल सामग्री, यूनिफॉर्म सामग्री, बेडिंग सामग्री, लैब सामग्री, कपड़ा धुलाई एवं प्रेस, टक-शॉप, बाल कटिंग एवं कबाड़ विक्रय सामग्री आदि करने के आदि करने के लिए अधिकृत पंजीकृत डीलर / निमार्ता / आपूर्तिकर्ता / कंपनियों से मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र / दस्तावेज रु.500.00 (रु. पांच सौ मात्र) प्रति सेट के हिसाब से प्राचार्य पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकण्टक जिला - अनूपपुर (म. प्र.) के कार्यालय से दिनाक 26.07.2025 से दिनाक 05.08.2025 अपरान्ह 03.00 बजे तक कार्यालयीन दिवस में खरीदा जा सकता है। इसके अलावा, इस विद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। हलांकि, निविदा प्रपत्र जमा करते समय, निविदा प्रपत्र की लागत के रूप में प्राचार्य पीएम श्री जनवि अमरकण्टक के पक्ष में डिमांड ड्राफ्ट के रूप में प्रति सेट रु.500.00 की राशि जमा करनी होगी। पूर्ण रूप से सीलबंद निविदाएं मय अर्नेस्ट मनी का डिमांड ड्राफ्ट (प्राचार्य जनवि अमरकण्टक के पक्ष में) प्राचार्य के कार्यालय में जमा करने की अंतिम तिथि 06.08.2025 सायं 05.00 बजे तक है। सीलबंद निविदाएं भौतिक रूप से या पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट द्वारा भी भेजा जा सकता है। निर्धारित तिथि / समय के बाद प्राप्त निविदाओं पर विचार नहीं किया जाएगा।

सामग्री एवं अमानत राशि का विवरण

क्र.	सामग्री का नाम	धरोहर राशि
1	खेल सामग्री	5000.00
2	यूनिफार्म	5000.00
3	बेडिग आईटम	5000.00
4	लैब सामग्री	5000.00
5	कपड़ा धुलाई एवं प्रेस	2000.00
6	टक शॉप	2000.00
7	बाल कटिग	1000.00
8	कबाड़ सामग्री विक्रय	0.00

नोट- निविदा फार्म शुल्क प्रति फार्म 500 रू. (डिमांड ड्राफ्ट) धरोहर राशि के अतिरिक्त देय होगा। नगद राशि स्वीकार्य नहीं की जाएगी।

प्राचार्य
पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकण्टक, जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय
मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक स्वायत संस्थान
(स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग) भारत सरकार,
अमरकंटक, जिला - अनूपपुर मध्य प्रदेश -484886

PM SHRI JAWAHAR NAVODAYA VIDYALAYA
An Autonomous Organization under Ministry of H.R.D.,
(Deptt of School Education and Literacy)
Govt. of India, AmarkantakDisstt. - Anuppur, MP-484886

F.No. JNV(AMK) /2025-26/451 — Affiliation – 1040017 School no- 54046 email jnvanuppur@gmail.com — Date 26.07.2025

वॉक-इन-/वर्चुअल इंटरव्यू

पीएमश्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय अमरकंटक, जिला - अनूपपुर (म.प्र.) में शिक्षण सत्र 2025-26 के लिए निम्न पदों हेतु संविदा शिक्षको का वॉक-इन / वर्चुअल इंटरव्यू दिनांक 04.08.2025 को सुबह 11:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

क्र.	पद	रिक्त पद	न्यूनतम योग्यता	मानदेय
1.	पीजीटी रसायन (संविदा)	01	पीजीटी हेतु संबंधित विषय में स्नातकोत्तर एवं बी.एड.अनिवार्य	35750 प्रति माह
2.	पीजीटी जीवविज्ञान(संविदा)	01		35750 प्रति माह
3.	टीजीटी कम्प्यूटर (संविदा)	01	BCA with 50% Or Graduate with computer science with 50% Or B.E./B.tech with computer Science Or 3 year Integreted B.ed / M.ed with 50% with Recognized institution Or 4 year integrated degree with 50% in Recognized institution	34125 प्रति माह
4	अंशकालिक वाद्य यंत्र प्रशिक्षक	01	वाद्य यंत्र में दक्षता के साथ मान्यता प्राप्त संस्थान से के डिप्लोमा /डिग्री	25000 प्रति माह/ समिति नियमानुसार
5	अंशकालिक नृत्य प्रशिक्षक	01	नृत्य में दक्षता के साथ मान्यता प्राप्त संस्थान डिप्लोमा/डिग्री	25000 प्रति माह/ समितिनियमानुसार
6	अंशकालिक योग प्रशिक्षक	01	योग में दक्षता के साथ मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा / डिग्री	नवोदय विद्यालय समिति के नियमानुसार
7	अंशकालिक आत्म रक्षा प्रशिक्षक(महिला)	01	आत्म रक्षा प्रशिक्षण में दक्षता के साथ मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा / डिग्री	नवोदय विद्यालय समिति के नियमानुसार

इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रति एवं मूल अभिलेखों के साथ निर्धारित तिथि को साक्षात्कार में सम्मिलित हो सकते हैं। जो उम्मीदवार ऑनलाईन इंटरव्यू देना चाहते हैं वे निर्धारित इंटरव्यू तिथि से एक दिवस पूर्व विद्यालय में मो.नं. 8103322261 पर संपर्क कर इंटरव्यू लिंक प्राप्त कर सकते हैं। अंतिम चयन अकादमिक अभिलेख,अनुभव एवं साक्षात्कार के अंकों के वरिष्ठता सूची के आधार पर किया जाएगा। साक्षात्कार हेतु आवेदकों को किसी भी प्रकार का यात्रा-भत्ता देय नहीं होगा।

प्रायार्य, पीएम श्री जनवि अमरकंटक जिला - अनूपपुर (म.प्र.)

तन्वी और वेन्नाला का शानदार प्रदर्शन, कांस्य पदक किया अपने नाम

टूर्नामेंट में पहली बार भारत की दो खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत वर्ग में जीते पदक

एजेंसी ▶▶ सोलो (इंडोनेशिया)

उभरती शटलर तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलागोटला ने बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप के व्यक्तिगत मुकाबलों में कांस्य पदक जीत कर अपने शानदार अभियान का अंत किया। इस प्रतियोगिता में यह पहला अवसर है जबकि भारत की दो खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत वर्ग में पदक जीते।

पश्चिम मध्य रेल
सामग्री प्रबंधन विभाग
(भंडार आपूर्ति हेतु ई– निविदा सूचना, संख्या/ईपीएस/88/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम रेल भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई– खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित / डाक प्रस्ताव स्वीकार नही किए जाएगे। पूर्ण/विनिर्देश के लिए वेबसाईट "website https://ireps.gov.in" पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र सं.	टेंडर नं.	संक्षिप्त विवरण	निविदा की मात्रा
1	81255293	Thick वेब स्विच सिमेट्रिक रेल ग्रेड	99 सेट
2	20254302	हाई वोल्टेज बुशिंग	30 नंबर
3	40252744	वाल्व रेगुलेटेड लीड एसिड बैटरी	360 सेट
4	20255022	IP बेस्ड वीडियो सर्विलांस फॉर रोलिंग स्टॉक	1029 सेट
5	20254146	सेट ऑफ रोलर बेअरिंग	353 सेट
6	50235072D	PIJF केबल	68.8 किमी.
7	30252003	प्रोक्योरमेंट ऑफ 16.25 टी ICF बोगी फ्रेम अरेंजमेंट फॉर सेल्फ जनरेशन AC कोचेस	18 नंबर

उपरोक्त निविदाओं में क्र. सं. 1 की नियत तिथि– 14.08.2025, क्र. सं. 2 की नियत तिथि – 21.08.2025, क्र. सं. 3 की नियत तिथि – 25.08.2025, क्र. सं. 4 की नियत तिथि – 26.08.2025, निविदा सं. 5 की नियत तिथि – 01.09.2025, निविदा सं. 6 की नियत तिथि – 02.09.2025, निविदा सं. 7 की नियत तिथि – 08.09.2025, 50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

(हस्ता.)
कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पमरे, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, जयस्तंभ चौक के पास, जिला उमरिया (म.प्र.)
E-mail:-piuumaria@gmail.com

एनआईटी नं.:- 21/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/सी.ई./पी.डब्ल्यू. डी./1981 — रीवा, दिनांक -16-07-2025

निम्नलिखित कार्य हेत ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती हैं।

स. क्र.	पोर्टल टेंडर आई. डी.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी रु. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षा काल सहित)	90 प्रतिशत अविवादित भूमि प्राप्त एवं एमओयू निष्पादित
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	2025_PWPIU _439575_1	पी. एम. - जनमन योजनांतर्गत शास. मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल करकेली (बांधवगढ), ब्लॉक बांधवगढ, जिला उमरिया में 50 सीटर बालक एवं 50 सीटर बालिका छात्रावास भवन का निर्माण कार्य मय वॉटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण (द्वितीय आमंत्रण) 12 माह वषार्काल सहित	उमरिया	371.04	371040.00	15000.00	12 माह वर्षा काल सहित	-
2	2025_PWPIU _439576_1	पी. एम. - जनमन योजनांतर्गत शास. उत्कृष्ठ हायर सेकेण्डरी स्कूल मानपुर, ब्लॉक मानपुर, जिला उमरिया में 50 सीटर बालक एवं 50 सीटर बालिका छात्रावास भवन का निर्माण कार्य मय वॉटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग एवं विद्युतीकरण (द्वितीय आमंत्रण) 12 माह वषार्काल सहित	उमरिया	371.04	371040.00	15000.00	12 माह वर्षा काल सहित	-

1- निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट वेवसाईट https://mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेगे। 2- निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑल-लाईन पोर्टल पर क्रेडिट / डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा। निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 21-07-2025 समय 10:00 AM से दिनांक 04-08-2025 समय 6:00 PM तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी 3- वेवसाईट पर देखी जा सकती है। 4- निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त वेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही किया जावेगा।

(इंजी. दिलीप सिंह तेकाम)
कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जिला उमरिया (म.प्र.)

G-16277/25 — "बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल"

भारत और ब्रिटेन ने 24 जुलाई को मुक्त व्यापार की दिशा में आगे बढ़ते हुए एक व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) किए। इसे भारत का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी व्यापार समझौता माना जा रहा है। समझौते के तहत भारत के 99 फीसदी उत्पादों को ब्रिटेन में और यूके के 90 फीसदी उत्पादों को भारत में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। इससे पहले भारत ने दस देशों के संगठन दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के साथ एफटीए किया है। आसियान में भूटान, थाईलैंड, सिंगापुर, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) शामिल हैं, जिसमें आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। भारत का श्रीलंका, मॉरीशस और मलेशिया के साथ भी एफटीए है, दक्षिण कोरिया, जापान और यूएई के साथ एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) है, ऑस्ट्रेलिया के साथ आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ईसीटीए) है, सिंगापुर के साथ व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (सीईसीए) है और थाईलैंड के साथ तरजीही व्यापार समझौता (पीटीए) है। मुक्त व्यापार के नजरिये को पहली बार 1817 में अर्थशास्त्री डेविड रिकार्डो ने अपनी पुस्तक 'ऑन द प्रिंसिपल्स ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी एंड टैक्सेशन' में लोकप्रिय बनाया था। आजकल में पेश है एफटीए का विश्लेषण...

ट्रेड बढ़ाने के नए युग का आगाज एफटीए

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
ग्लोबल ट्रेड व कूटनीतिक मामलों के जानकार

दिवस 24 जुलाई 2025 को भारत के आर्थिक और कूटनीतिक इतिहास में सदैव याद किया जाएगा। भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते की पहल ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के कार्यकाल में मई 2022 से प्रारंभ हुई थी। निश्चित तौर पर लेबर पार्टी के जुलाई 2024 में विराट बहुमत के साथ ब्रिटेन में सत्तासीन हो जाने के तत्पश्चात भारत और ब्रिटेन के मध्य मुक्त व्यापार वार्ताओं को तेज गति उत्पन्न हो गई। यकीनन यदि कंजरवेटिव पार्टी ब्रिटेन में सत्तासीन होती तो संभव है कि फिर भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता ऐसा शानदार प्रारूप ले ही नहीं पाता, क्योंकि कूटनीतिक तौर पर ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी का रुख सदैव अमेरिका समर्थक रहा है।

एक ऐसे वक्त में जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रूट 32 नाटो देशों में भारतीय निर्यात पर सौ प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ आयद करने की धमकी दे रहे हैं, जिस वक्त में यूरोपियन यूनियन भारतीय तेल कंपनियों पर प्रतिबंध आयद करने का फैसला ले रही हैं। ठीक उसी वक्त में नाटो सैन्य संगठन का एक प्रमुख सदस्य देश और यूरोप का सिरमौर देश ब्रिटेन राष्ट्रपति ट्रंप, नाटो चीफ मार्क रूट और यूरोपियन यूनियन की धमकी को एकदम से दरकिनार करते हुए भारत के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता अंजाम दे देता है। इससे भारतीय निर्यात पर पश्चिमी देशों द्वारा विशाल टैरिफ आयद करने की धमकियों का कुहासा यकायक ध्वस्त होने लगता है। 24 जुलाई 2025 को भारत के आर्थिक और कूटनीतिक इतिहास में सदैव याद किया जाएगा। भारत-ब्रिटेन व्यापक मुक्त व्यापार समझौते की पहल ब्रिटेन के पीएम बोरिस जॉनसन के कार्यकाल में मई 2022 से प्रारंभ हुई थी। निश्चित तौर पर लेबर पार्टी के जुलाई 2024 में विराट बहुमत के साथ ब्रिटेन में सत्तासीन हो जाने के तत्पश्चात भारत और ब्रिटेन के मध्य मुक्त व्यापार वार्ताओं को तेज गति उत्पन्न हो गई। यदि कंजरवेटिव पार्टी ब्रिटेन में सत्तासीन होती तो संभव है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता ऐसा शानदार प्रारूप नहीं ले पाता, क्योंकि कूटनीतिक तौर पर ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी का रुख सदैव अमेरिका समर्थक है। लेबर पार्टी अपने बुनियादी चरित्र में एक वामपंथी पार्टी रही है, अतः वह अमेरिकी नीतियों का अंधानुकरण नहीं किया करती है।

अंतरराष्ट्रीय संबंध शक्तिशाली बनेंगे

ब्रिटेन के साथ भारत के ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय संबंध को और अधिक शक्तिशाली बनाने में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का भविष्य में बड़ा किरदार रहेगा। भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते के लिए द्विपक्षीय आर्थिक और कूटनीतिक वार्ताएं शनैः शनैः कदमताल करते हुए तीन वर्षों तक मंथर गति से कभी रुक गई थी और फिर कभी चल पड़ी थी। आखिरकार 15 राउंड तक चली द्विपक्षीय वार्ताओं के पश्चात 24 जुलाई को मुक्त व्यापार समझौते को भारत और ब्रिटेन द्वारा अंतिम पड़ाव तक पहुंचा दिया गया। भारत की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और ब्रिटेन की ओर से जोनाथन रोनाल्ड द्वारा मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

भारत ब्रिटेन व्यापार समझौते के महत्व को इस तथ्य से बाकायदा समझा जा सकता है कि इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर विद्यमान रहे और समझौते पर दस्तखत हो जाने के पश्चात प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने फरमाया कि यह समझौता केवल आर्थिक साझेदारी का ही नहीं है, वरन् साझा समृद्धि की भी एक कार्य योजना है। यह समझौता दोनों देशों के मध्य व्यापार बाधाओं को खत्म करने की दिशा में कदम बढ़ाएगा। साथ ही भारत और ब्रिटेन के मध्य तकनीकी सहयोग, नवाचार और पूंजी निवेश की राह को प्रशस्त करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत और ब्रिटेन के मध्य 25.5 अरब पौंड अर्थात 5 लाख करोड़ रुपये का वार्षिक व्यापार है।

पांच वर्षों में बढ़कर दोगुना होगा व्यापार

इस समझौते के बाद यह उम्मीद जताई गई है कि यह परस्पर व्यापार आगामी 5 वर्षों के अंदर बढ़कर दोगुना हो जाएगा। आजकल ब्रिटेन को भारत का निर्यात तकरीबन तीन लाख करोड़ का है, जबकि ब्रिटेन का भारत को निर्यात लगभग दो लाख करोड़ का है। भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते में अनेक पहलू विद्यमान हैं। सबसे पहला पहलू है कि भारत द्वारा ब्रिटेन को निर्यात किए जाने वाले 99 प्रतिशत सामान पर कोई आयात शुल्क (टैरिफ) आयद नहीं किया जाएगा। ब्रिटेन द्वारा भारत को निर्यात किए गए 90 प्रतिशत सामान पर भी कोई आयात शुल्क (टैरिफ) आयद नहीं किया जाएगा। भारत से ब्रिटेन को निर्यात किए जाने वाले सामान मुख्यतः भारत के कृषि उत्पाद जैसे फल, सब्जियां, हल्दी, काली मिर्च, इलायची आदि, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों (प्रोसेस्ड फूड) , समुद्री उत्पाद झींगा,टूना मछली का चारा, टेक्सटाइल हस्तशिल्प सामान, फुटवियर, हीरे-सोने की ज्वेलरी, फार्मा, जेनेरिक दवाएं, इंजीनियरिंग सामान, ऑटो पार्ट्स आदि पूरी तरह से आयात शुल्क (टैरिफ) से मुक्त हो जाएंगे। अतः इन सभी भारतीय सामानों के लिए ब्रिटेन में एक बड़ा बाजार उपलब्ध हो सकता है। उल्लेखनीय है कि अभी तक ब्रिटेन के बाजार चीन के माल से लबरेज रहते हैं। भारतीय निर्यात के लिए ब्रिटेन में आयात शुल्क (टैरिफ) मुक्त हो जाने के कारण भविष्य में भारतीय सामान यकीनन चीन के सामान को कड़ी टक्कर दे सकेंगे। ब्रिटेन द्वारा भारत को निर्यात किए जाने वाली वस्तुओं में स्कॉच व्हिस्की पर आयात शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत कर दिया गया है। आगामी 10 वर्षों में शनः शनः स्कॉच व्हिस्की पर भारत में टैरिफ घटाकर 40 प्रतिशत तक कर दिया जाएगा। ब्रिटेन द्वारा भारत को निर्यात की जाने वाली ऑटो कारों पर भी टैरिफ 100 प्रतिशत से घटाकर आगामी दस वर्षों में 10 प्रतिशत तक कर दिया जाएगा।

आटो इंडस्ट्री को मिलेगी प्रतिस्पर्धा

आने वाले दौर में भारतीय ऑटो इंडस्ट्री को यकीनन ब्रिटिश आटो इंडस्ट्री की अत्यंत कड़ी चुनौती का मुकाबला करना पड़ेगा। संभव है कि ब्रिटिश आटो इंडस्ट्री की चुनौती भारतीय आटो इंडस्ट्री के लिए वरदान साबित हो जाए और भारत की ऑटो इंडस्ट्री ब्रिटेन के साथ सीधी प्रतिस्पर्धा करते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर की निर्मित हो सकती है। भारतीय इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड वाहनों के ब्रिटिश बाजार में पहुंचने की उम्मीद है क्योंकि इन पर से आयात शुक्ल काफी कम कर दिया गया है। भारत की विदेशी शराब इंडस्ट्री को ब्रिटिश स्कॉच व्हिस्की से टैरिफ सौ प्रतिशत तक घटाए जाने के कारणवश नुकसान झेलना पड़ सकता है। इसके लिए भारत सरकार को भारतीय स्कॉच व्हिस्की पर भी एक्साइज ड्यूटी घटानी पड़ सकती है। ब्रिटेन द्वारा भारत को निर्यात किए जाने वाले मेडिकल उपकरणों, एयरोस्पेस पार्ट्स, चॉकलेट और बिस्किट पर भी टैरिफ घटा दिया गया है। भारतीय किसानों के हितों को सुरक्षित रखते हुए भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते के तहत ब्रिटिश कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को कदाचित खोला नहीं गया है। व्यापार समझौते का दूसरा पहलू है कि भारत के लिए ब्रिटेन ने अपना सर्विस सेक्टर पूरी तरह से खोल दिया है। सर्विस सेक्टर पर व्यापक डील भी होगी। ब्रिटेन की कंजरवेटिव पार्टी के लीडरों द्वारा सर्विस सेक्टर को भारत के लिए खोल देने पर सख्त एतराज का इजहार किया गया और आशंका जताई कि इस कदम से ब्रिटेन में बेरोजगारी में इजाफा हो जाएगा। किंतु ब्रिटेन के वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनाल्ड ने विपक्षी लीडरों की इस आशंका को सिरे से खारिज कर दिया। भविष्य में भारतीय वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर टेक्नीशियन आदि आसानी से इंग्लैंड में काम कर सकेंगे। भारतीय कामगारों को ब्रिटेन की सामाजिक सुरक्षा योजना में तीन वर्षों तक अपनी आमदनी से कोई अनुदान राशि जमा नहीं करनी पड़ेगी। उल्लेखनीय है कि व्यापार समझौते से पहले भारतीय कामगारों को सामाजिक सुरक्षा योजना में केवल एक वर्ष तक अंशदान करने से छूट प्राप्त थी। इस अंशदान छूट से भारतीय कामगारों को और भारतीय कंपनियों को फायदा हो जाएगा। यूरोपियन यूनियन का परित्याग करने के (ब्रेक्जिट) तत्पश्चात ब्रिटेन को आर्थिक तौर पर नए सशक्त साझीदार की तलाश थी। व्यापार समझौते के तहत ब्रिटिश कंपनियों को रक्षा, ऊर्जा, फार्मा, ऑटो इंडस्ट्री आदि क्षेत्रों में भारत में निवेश करने के अवसर फराहम किए गए हैं। अनेक जाने-माने अर्थशास्त्रियों का मत है कि भारत के मुकाबले में ब्रिटेन एक विकसित अर्थव्यवस्था है। हालांकि ब्रिटिश अर्थव्यवस्था की हालत आजकल खस्ता चल रही है। तमाम आर्थिक तरक्की के बावजूद अभी तक भारत एक विकासशील अर्थव्यवस्था है। मुक्त व्यापार समझौते के तहत ब्रिटेन और भारत के लिए आयात शुल्क (टैरिफ) की दरों को तकरीबन समान स्तर पर ला दिया गया है। ऐसी स्थिति में विकसित अर्थव्यवस्था वाला ब्रिटेन खुली प्रतिस्पर्धा में भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था को गहन क्षति पहुंचा सकता है। ब्रिटेन से भारत को निर्यात किए गए सामान पर औसतन आयात शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर केवल 3 प्रतिशत तक रह जाएगा। उन्नत ब्रिटिश कंपनियों के लिए अपना सामान बेचना अत्यंत आसान हो जाएगा। यह तो भविष्य ही बताएगा कि भारत की अपेक्षाकृत कमजोर कंपनियां उन्नत ब्रिटिश कंपनियों को कहां तक कड़ी टक्कर दे सकेंगी। ब्रिटेन में निर्मित वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, शराब, मांस, बिस्किट चॉकलेट आदि भारतीय बाजारों मे तहलका मचा सकती है।

पूंजी निवेश से भारत में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

इस धारणा के एकदम विपरीत कुछ अर्थशास्त्री का विचार है कि ब्रिटिश कंपनियों के द्वारा भारत में किए जाने वाले पूंजी निवेश से भारत में रोजगार में जबरदस्त अवसर उत्पन्न हो जाएंगे। भारतीय कंपनियों का ब्रिटेन में आसान प्रवेश भी भारत के लिए तकनीकी क्षेत्र में शानदार तरक्की की राह प्रशस्त कर देगा। भारत और ब्रिटेन के प्रधानमंत्रियों द्वारा प्रकट की गई परस्पर सहयोग की प्रबल भावना यदि शिक्षा और रक्षा क्षेत्रों में वास्तव में साकार हो उठेगी तो फिर भविष्य में एक शानदार इतिहास रचा जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते को ब्रिटिश संसद की मंजूरी लेनी पड़ेगी जो की लेबर पार्टी के ब्रिटिश संसद में विराट बहुमत के कारण आसानी से हासिल हो जाएगी। भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते को व्यवहारिक तौर से लागू होने में तकरीबन और एक वर्ष लग सकता है। उल्लेखनीय है कि भारत और यूरोपीय यूनियन के मध्य विगत 18 वर्षों से ट्रेड डील पर वार्ताएं चलती रही हैं, किंतु अभी तक कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आ सका। भारत-ब्रिटेन ट्रेड डील को कम ही वक्त लगा है। सितंबर में भारत व ईयू एफटीए संभव है।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा ट्रेड वार समस्त दुनिया के विरुद्ध शुरू कर दी गई है। इसका सीधा नतीजा सामने आया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था डगमगा कर हिचकोले खाने लगी है। दुनिया के ज्यादातर देशों को प्रतीत हो रहा है कि अमेरिका धमकी दे रहा है और इससे उनको आर्थिक नुकसान हो सकता है। अतः भारत व ब्रिटेन के मध्य एक अन्य महत्वपूर्ण समझौते की वार्ताएं निरंतर जारी हैं। इस समझौते के तहत भारत और ब्रिटेन के मध्य खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सकेगा। आर्थिक अपराधियों और नृशंस अपराधियों का प्रत्यर्पण संभव हो सकेगा। इस समझौता वार्ता के लागू के बाद ब्रिटेन में रहने वाले भारत के भगोड़े आर्थिक अपराधियों को भारत लाना आसान हो जाएगा। भारत को ब्रिटेन से कार्बन कर छूट भी प्राप्त करना चाहिए।

भारत-ब्रिटेन के बीच बढ़ेंगे आपसी व्यापार

आर्थिकी
डॉ. जयंतीलाल भंडारी
प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर की मौजूदगी में 24 जुलाई को हस्ताक्षर हुए हैं। पूरी दुनिया की निगाहें इस समझौते पर इसलिए लगी रही, क्योंकि भारत बढ़ते भूराजनीतिक ध्रुवीकरण के बीच अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ भी एफटीए की अंतिम कवायद में लगा है।

भारत-ब्रिटेन का यह एफटीए इसी वर्ष दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन रहे भारत और छठी बड़ी अर्थव्यवस्था ब्रिटेन के बीच व्यापार के लिए नए मापदंड स्थापित करते हुए दिखाई दे रहा है। भारत का ब्रिटेन के साथ यह अब तक का ऐसा ऐतिहासिक एफटीए है, जो दुनिया के प्रमुख देशों के लिए भारत के साथ तत्परता से मुक्त व्यापार समझौतों की डगर पर आगे बढ़ने की नजीर बनते हुए दिखाई दे रहा है। इस एफटीए से भारत और ब्रिटेन के बीच वर्ष 2030 तक व्यापार दोगुना होकर 120 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस एफटीए से दोनों अर्थव्यवस्थाओं में व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। महत्वपूर्ण है कि हाल ही में जब अमेरिका-चीन में नई सुलह के बाद अमेरिका ने चीन के उत्पादों पर आयात शुल्क घटा दिए हैं, तब भारत के द्वारा दुनिया के विभिन्न देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों की डगर पर तेजी से बढ़ना लाभप्रद दिखाई दे रहा है।

शून्य टैरिफ का लाभ मिलेगा

इस एफटीए से ब्रिटेन के बाजारों में भारत को लगभग 99 फीसदी उत्पादों पर शून्य टैरिफ का लाभ मिलेगा और भारतीय वस्तुओं के लिए ब्रिटेन के बाजार में चीनी उत्पादों और अन्य देशों के उत्पादों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा में मदद मिलेगी। एफटीए उभरते उत्पादों के लिए नए बाजार तक पहुंच बनाता है, जिससे किसानों को घरेलू मूल्य अस्थिरता के खिलाफ मदद मिलेगी।

कृषि उत्पादों पर रियायत नहीं

खास बात यह है कि भारत संवेदनशील क्षेत्रों- डेयरी उत्पाद, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई टैरिफ रियायत नहीं दे रहा है। एफटीए ब्रिटेन को निर्यात बढ़ाने के लिए एक सशक्त मंच तैयार करेगा। कम टैरिफ और सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं के साथ, भारतीय तिलहन निर्यातक ब्रिटेन के बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं, जिससे संभावित रूप से निर्यात में वृद्धि हो सकती है। मुक्त व्यापार समझौते के तहत भारत से कपड़ा आयात पर शुल्क समाप्त कर दिया गया है, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता बढ़ गई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि एफटीए के तहत टैरिफ उन्मूलन के साथ, ब्रिटेन को इंजीनियरिंग निर्यात अगले पांच वर्षों में लगभग दोगुना हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में तेजी आने की उम्मीद है, साथ ही स्मार्टफोन, ऑप्टिकल फाइबर केबल और इनवर्टर के कारण ब्रिटेन के बाजार में भारत की स्थिति मजबूत होगी। सॉफ्टवेयर और आईटी-सक्षम सेवाओं के लिए ब्रिटेन की महत्वाकांक्षी प्रतिबद्धताएं, नए बाजारों को खोलने, रोजगार

सृजन को बढ़ावा देने और भारतीय सॉफ्टवेयर फर्मों के लिए निर्यात क्षमता को बढ़ाएगी। एफटीए के तहत शून्य टैरिफ प्रावधानों से ब्रिटेन के बाजार में भारतीय जेनेरिक दवाओं की उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है, जो यूरोप में भारत का सबसे बड़ा दवा निर्यात गंतव्य बना हुआ है। शुल्क मुक्त पहुंच से प्लास्टिक, फिल्म, शीट, पाइप, पैकेजिंग, टेबलवेयर और किचनवेयर के लिए ब्रिटेन की मजबूत मांग का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां भारत ने विनिर्माण क्षमता सिद्ध कर ली है। भारत को ब्रिटेन के प्रमुख आयात स्रोतों जैसे जर्मनी, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, नीदरलैंड, बेल्जियम और फ्रांस के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिलेगी।

सामाजिक सुरक्षा समझौते

यह भी उल्लेखनीय है कि एफटीए के साथ ही दोनों देशों ने दोहरे अंशदान समझौते या सामाजिक सुरक्षा समझौते पर भी मुहर लगाई है। इस समझौते से ब्रिटेन में काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा भुगतान से तीन साल की छूट मिलेगी। इस करार से ब्रिटेन में न केवल कुशल, पेशेवर श्रमिकों के हितों की रक्षा होगी बल्कि भारतीय सेवा प्रदाताओं को बहुआयामी वित्तीय लाभ भी होंगे। तमाम ब्रिटिश व भारतीय कारोबारियों को तकनीक और ग्रीनटेक में साथ मिलकर काम करने का मौका मिलेगा। ब्रिटेन ने ब्रिटिश उत्पादों खासतौर से खाने के सामान से लेकर पेय पदार्थ के लिए भारत की उपभोक्ता प्रधान अर्थव्यवस्था और 140 करोड़ से अधिक ग्राहकों के बड़े बाजार तक सरल पहुंच निश्चित की है। इसमें कोई दो मत नहीं कि अमेरिका द्वारा लागू की जा रही संरक्षणवादी व्यापार नीतियों के कारण वैश्विक व्यापार में उथल-पुथल को देखते हुए भारत और ब्रिटेन ने मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने में तत्परता दिखाई है।

यह करार मील का पत्थर

यह भारत के साथ ब्रिटेन की रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने के ब्रिटेन के महत्वाकांक्षी एजेंडे का हिस्सा भी है। इस एजेंडे के तहत ब्रिटेन भारत को विश्व के महाशक्ति देशों के बीच अहम स्थान प्रदान करता है। उम्मीद करें कि यह मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा। ब्रिटेन के साथ भारत का एफटीए अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देशों के साथ चल रही एफटीए वार्ताओं में एक मॉडल के रूप में काम करेगा और अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप दिया जा सकेगा।

समझौते से भारत को लाभ

एफटीए के तहत 6.5 अरब डॉलर यानी 45 प्रतिशत भारतीय निर्यातों (वस्त्र, जूते, कालीन, वाहन, समुद्री भोजन, अंगूर एवं आम जैसे उत्पाद) को ब्रिटेन में शुल्क-मुक्त प्रवेश मिलेगा। पहले इन पर चार प्रतिशत से लेकर 16 प्रतिशत तक शुल्क लगता था। शेष आठ अरब डॉलर के उत्पाद (पेट्रोलियम, दवा, हीरे और विमान के पुर्जे) को पहले से ही शून्य शुल्क पर पहुंच हासिल है। ब्रिटेन ने चावल जैसे कुछ कृषि उत्पादों को छोड़कर सभी भारतीय वस्तुओं पर शुल्क समाप्त करने पर सहमति जताई है।

समझौते से ब्रिटेन को लाभ

ब्रिटेन से भारत को होने वाले 8.6 अरब डॉलर के निर्यात पर 94 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं पर शुल्क लगता है। एफटीए में भारत 90 प्रतिशत ब्रिटिश उत्पादों पर शुल्क समाप्त कर देगा। साल्मन मछली, विमान के पुर्जे, मशीनरी जैसे 64 प्रतिशत ब्रिटिश सामान पर तुरंत शुल्क हट जाएगा। 26 प्रतिशत वस्तुओं पर अगले 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से शुल्क हटाया जाएगा।

एफटीए डील से किसानों को होगा लाभ

कृषि क्षेत्र
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार

भारत-ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार के लिए व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) भारत की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बना है। इस समझौते ने कृषि-निर्यात, मूल्य-वर्धित उत्पादों और ग्रामीण समृद्धि में एक बड़ी छलांग के लिए मंच तैयार किया है। यह समझौता भारतीय कृषि, समुद्री उत्पाद, वस्त्र, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स सहित कई अन्य प्रमुख क्षेत्रों के लिए ब्रिटेन के बाजारों तक शुल्क-मुक्त पहुंच प्रदान करेगा। इससे भारतीय निर्यात में भारी बढ़ोतरी की उम्मीद है। कई उत्पाद भारत में और भी सस्ते हो जाएंगे। भारत का दावा है कि यह समझौता वर्ष 2030 तक भारत-ब्रिटेन व्यापार को दोगुना यानि 60 अरब डॉलर से 120 अरब डॉलर तक कर देगा। ज्ञात है कि कृषि ग्रामीण भारत की आजीविका और आर्थिक सुरक्षा की आधारशिला है, इसलिए भारत और यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौते में किसानों के हितों का विशेष ख्याल रखा गया है। मुक्त व्यापार समझौते से भारतीय कृषि उद्योग को स्थानीय से वैश्विक स्तर तक पहुंचने में मदद मिलेगी। एफटीए से सबसे बड़ा फायदा भारतीय किसानों को मिलेगा, क्योंकि इनके उत्पाद अब प्रीमियम ब्रिटिश बाजार तक आसानी से पहुंच पाएंगे। कुछ प्रमुख फसलों पर अब टैरिफ खत्म किया गया है। लगभग 95 फीसदी कृषि शुल्क लाइनों पर जीरो ड्यूटी फीस का प्रावधान किया गया है। खेती-किसानी के क्षेत्र से जुड़ी जिन भारतीय फसलों और वस्तुओं पर जीरो ड्यूटी का प्रावधान है, उससे भारतीय उत्पादों को यूके के मार्केट में लैंडिंग लागत में कमी आएगी और भारतीय किसानों की आय बढ़ेगी।

कृषि क्षेत्र के लिए अवसर

गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन के लिए प्रोत्साहन बढ़ेगा और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार बढ़ेंगे। जीरो ड्यूटी वाली फसलें और पदार्थों में हल्दी, काली मिर्च, इलायची, आम का गूदा, अचार, दालें, फल, सब्जियां और अनाज, मसाला मिश्रण और खाने के लिए तैयार भोजन शामिल हैं। ये सामान ड्यूटी फ्री होकर यूके पहुंचेंगे। इससे पहले किसानों को अपनी आय का एक हिस्सा एक्सपोर्ट ड्यूटी के तौर पर देना होता था। ये ड्यूटी फ्री होने के बाद किसान टैक्स की चिंता छोड़ सकेंगे। उन्हें यूके के मार्केट्स में अपने प्रोडक्ट्स का पहले से बेहतर दाम मिल सकेगा।

यूके में प्रीमियम कॉस्ट मिलेगी

इस समझौते के बाद यूके में एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स की लैंडिंग कॉस्ट कम हो जाएगी। इस कारण रिटेल चेन और मेनस्ट्रीम मार्केट के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, जिससे भारतीय किसानों को यूके के मार्केट में उनके प्रोडक्ट्स की प्रीमियम कॉस्ट मिलेगी। डील के जरिए बाजरा, जैविक जड़ी-बूटियां जैसे नए प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट के मौके मिलेंगे। इससे किसानों को प्रोत्साहन मिलेगा। भारत ग्लोबल लेवल पर एग्रीकल्चर प्रोडक्ट का लगभग तीन लाख करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट करता है। इसमें ब्रिटेन को उसका एक्सपोर्ट करीब सात हजार करोड़ रुपये का है।

ब्रिटेन को भारतीय किसानों के लिहाज से हाई वैल्यू मार्केट माना जाता है। इतना ही नहीं, ड्यूटी फ्री होने से अगले तीन साल में एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट में 20 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। भारत ने 2030 तक 100 बिलियन डॉलर के एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट का लक्ष्य रखा है। इस डील से ये लक्ष्य पूरा हो सकेगा। अभी भारत से भेजे जाने वाले प्रोडक्ट्स पर लगभग चार से आठ प्रतिशत तक एक्सपोर्ट ड्यूटी लगती है। कृषि के क्षेत्र में ब्रिटेन 37.52 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों का आयात करता है, जबकि भारत से आयात केवल 81.1 करोड़ डॉलर का ही होता है। लेकिन एफटीए लागू होने के बाद भारत के किसानों के उत्पादों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाजारों को खोलेगा। उच्च-मार्जिन वाले ब्रांडेड उत्पादों जैसे कॉफी, मसाले, पेय पदार्थ और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के निर्यात में भी मदद मिलेगी। देश के विभिन्न राज्यों के किसानों को एफटीए से लाभ होने की संभावना है। बासमती चावल उत्पादक पंजाब और हरियाणा, अंगूर और प्याज उत्पादक महाराष्ट्र, मूंगफली व कपास उत्पादक गुजरात, मसाला उत्पादक केरल और बागवानी के लिए पूर्वोत्तर राज्यों को फायदा होगा। वहीं एफटीए से भारत के मत्स्य उद्योग को भी बड़ा फायदा होगा, खासकर आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु जैसे तटीय राज्यों में। झींगा, टूना, फिशमील और पशु आहार जैसे 99 फीसदी समुद्री उत्पादों पर अब कोई आयात शुल्क नहीं लगेगा, जबकि अभी इन पर 4.2 से 8.5 फीसदी ड्यूटी लगती है। इससे भारत के समुद्री उत्पादों के निर्यात को जबरदस्त बढ़ावा मिलेगा। ब्रिटेन का समुद्री आयात बाजार 5.4 अरब डॉलर का है, जो भारत के ब्लू इकॉनमी के लिए बड़ा मौका है। इसके अलावा यह समझौता भारत के कॉफी, चाय, मसाले और अन्य पेय पदार्थों जैसे ब्रांडेड उत्पादों के निर्यात को भी बढ़ावा देगा। अभी भारत की कुल कॉफी निर्यात में यूके की हिस्सेदारी 1.7 फीसदी, चाय में 5.6 फीसदी और मसालों में 2.9 फीसदी है। शुल्क खत्म होने से ये सेक्टर तेजी से बढ़ेंगे। खासकर भारतीय इंस्टेंट कॉफी को जर्मनी और स्पेन जैसे यूरोपीय देशों से मुकाबला करने में मदद मिलेगी। कुल मिलाकर ये कहा जा रहा है कि एफटीए से भारत के कृषि उत्पादों और प्रसंस्कृत खाद्य उद्योग के लिए ब्रिटिश बाजार में नये अवसर पैदा होंगे। इस समझौते के बाद न केवल मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल जैसे अभियानों को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि भारतीय कारीगरों, बुनकरों, दिहाड़ी मजदूरों की प्रतिष्ठा बढ़ेगी। फिर भी ऐसा नहीं है कि इस डील में सब कुछ अच्छा ही अच्छा है। हर डील के अच्छे और बुरे पक्ष होते हैं। ऐसे में इस डील के भी कुछ नुकसान हैं, खासकर भारत के कुछ सेक्टरों के लिए। डेयरी और पोल्ट्री उद्योग को ब्रिटेन से सस्ते आयात का खतरा हो सकता है, क्योंकि ब्रिटेन ने अपने डेयरी उत्पादों के लिए बाजार में पहुंच की मांग की है। भारत ने अभी डेयरी क्षेत्र तक ब्रिटेन को पहुंच नहीं दी है।

दुग्ध किसानों पर संकट का भय

भारतीय दुग्ध किसानों का कहना है कि सस्ते आयात से स्थानीय उत्पादकों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। सुनने में यह आकर्षक लगता है, खासकर जब 99 फीसदी भारतीय निर्यातों को ब्रिटिश बाज़ार में ड्यूटी-फ्री प्रवेश और 90 फीसदी ब्रिटिश आयातों पर औसत शुल्क 15 फीसदी से घटाकर तीन फीसदी किया गया है। लेकिन क्या यह व्यापार को वास्तव में पांच साल में दोगुना करने के लिए पर्याप्त है? व्यापार के आंकड़े कुछ और ही कहते हैं वित्त वर्ष-23 में व्यापार में वृद्धि, 16.8 फीसदी, वित्त वर्ष-24 में गिरावट 4.8 फीसदी, वित्त वर्ष-25 में मामूली सुधार 8.5 फीसदी सेवा क्षेत्र के व्यापार के आंकड़े तो मौजूद ही नहीं हैं, ऊपर से अमेरिका द्वारा शुरू किए गए टैरिफ युद्ध ने वैश्विक व्यापार को पहले ही संकट में डाल दिया है।

चोरहटा थाने में हंगामा राजनीतिक रंजिश में किया माहौल गरम

सेमरिया विधायक पर युवक की बेरहमी से मारपीट का आरोप

पूर्व विधायक ने महिला पुलिस अधिकारी को कहा असंवेदनशील औरत, हाईवोल्टेज ड्रामा के बाद मारपीट के आरोप में नामजद सेमरिया विधायक अभय मिश्रा व गनमैन सहित पांच पर एफआइआर दर्ज

रीवा।

जिले के सेमरिया विधायक अभय मिश्रा के खिलाफ अपने ही कर्मचारी के साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगा है। शुक्रवार को चोरहटा थाना में पूरी घटना को लेकर पूर्व सेमरिया विधायक के पी त्रिपाठी सहित उनके समर्थकों ने जमकर हंगामा किया। देर शाम तक पूर्व विधायक सहित उनके समर्थक धरना पर बैठे रहे। हालांकि पुलिस ने घटना की शिकायत के बाद सेमरिया विधायक अभय मिश्रा सहित अशोक तिवारी व अन्य के खिलाफ मारपीट की धाराओं के तहत एफआइआर दर्ज कर ली है। जिस युवक के साथ मारपीट का विधायक के ऊपर आरोप लगा है उसके खिलाफ सिविल लाइन थाना में एक युवक ने मारपीट कर दांत से उंगली काटने की शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसके बाद शुक्रवार को यह मामला तूल पकड़ लिया।

सेमरिया के पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी सेमरिया विधायक अभय मिश्रा के खिलाफ किडनैपिंग व हत्या के प्रयास की धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध करने की मांग को लेकर अड़े रहे। वो अपने समर्थकों के साथ धरना प्रदर्शन करते रहे।

इस बीच सीएसपी ऋतु उपाध्याय और थाना प्रभारी चोरहटा आशीष मिश्रा से पूर्व विधायक सहित उनके समर्थकों तीखी नोकझोंक हुई। बवाल को देखते हुए थाने में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। बता दे ग्राम भलुहा निवासी अभिषेक तिवारी के साथ गुरुवार को विधायक अभय मिश्रा के फार्म हाऊस पर मारपीट हुई थी। युवक ने विधायक और उनके कर्मचारियों पर मारपीट का आरोप लगाया है। मामले को लेकर शुक्रवार दोपहर में बड़ी संख्या में लोग चोरहटा थाने पहुंचे और विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने लगे। इस दौरान पुलिस ने लोगों को समझाईश देकर शांत कराने का प्रयास किया लेकिन वे प्रकरण दर्ज करने की मांग पर अड़े रहे और थाने के बाहर ही धरने पर बैठ गए। बवाल बढ़ता देखकर शहर के दूसरे थानों का बल भी बुला लिया गया। वही बता दे शाम को पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी थाने पहुंचे जिसके बाद थाना प्रभारी नगर सीएसपी से तीखी नोकझोंक हुई और काफी देर तक हंगामे की स्थिति बन गई।प्रदर्शनकारी विधायक के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। सुबह से देर रात तक थाना परिषद में गहमागाहेमी का माहौल बना रहा लगातार दस घंटे तक चोरहटा थाने में हंगामा मचा रहा।बॉक्स काम का पैसा मांगने पर मारपीट का आरोपसेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा के ऊपर कर्मचारी को बंधक बनाकर मारपीट किए जाने का गंभीर रूप लगाया गया है। आरोप है कि 3 महीने से रुकी हुई सैलरी मांगने पर विधायक आग़ बबूला हो गए और उसके साथ न सिर्फ मारपीट की गई बल्कि 2 से 3 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। शुक्रवार को मारपीट में घायल सहित परिजन और ग्रामीण भारी संख्या में शहर के चोरहटा थाना पहुंचे, जहां थाने का घेराव कर विधायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने सहित कार्यवाही की मांग की। पीड़ित युवक का आरोप है कि विधायक सहित उनके गार्ड ने बेरहमी पूर्वक मारपीट की है, जिससे उससे बैठते व चलते नहीं बन रहा। घटना के संबंध में थाना पहुंचे पीड़ित सहित परिजन और ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम भलुहा निवासी अभिषेक तिवारी उर्फ नितिन बीते 1 साल से सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा के बंगले पर नौकरी कर रहा था। पीड़ित अभिषेक की माने तो बीते तीन माह से उसको सैलरी नहीं मिली थी, ऐसे में आर्थिक तंगी के चलते उसने गुरुवार को सैलरी की मांग की, इस बात से नाराज होकर विधायक ने पहले तो उसके साथ गाली-गलौज कर कई थप्पड़ मारे और फिर उसकी लाठियों से बेदम पिटाई की। पीड़ित युवक की माने तो विधायक का जब मारपीट करने के बाद भी जी नहीं भरा तो उसे एक कमरे में बंधक बनाकर तकरीबन 2 घंटे तक अपने गनमैन सहित ड्राइवर व अन्य कर्मचारियों से भी मारपीट कराई गई।

खाकी के सामने दिखी खादी भारी थाना में शुरू हुआ हंगामा विकराल रूप धारण करने लगा था। ऐसे में थाना प्रभारी आशीष मिश्रा समेत अन्य पुलिसकर्मियों ने पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी के सामने हाथ जोड़ना शुरू कर दिये। इसी बीच सीएसपी रितु उपाध्याय ने भी पूर्व विधायक कप त्रिपाठी को समझने का प्रयास किया किंतु पूर्व विधायक सीएसपी पर हावी हो गए और कहां असंवेदनशील औरत को हटाओ यहां से साथ ही महिला पुलिस अधिकारी पर पूर्व विधायक सहित उनके समर्थक हावी हो गए और थाने पर जबरन घुसने कभी प्रयास किया। वही इसी बीच घंटों तक पुलिसकर्मी हाथ जोड़े उनके सामने खड़े रहे और शांत रहने की मिन्नत करते रहे।

कर्मचारी के साथ मारपीट कर काट ली थी उंगलीबता दे मामले में दूसरी ओर चोरहटा थाना पहुंचे पीड़ित युवक ने गुरुवार दोपहर विधायक अभय मिश्रा के कर्मचारी अशोक तिवारी पिता स्व. भगवानदीन तिवारी उम्र 44 वर्ष निवासी नारेन्द्र नगर अमहिया के साथ मारपीट की थी। अशोक दोपहर ढेकहा किसी काम से गए थे जहां आरोपी अभिषेक मिला और शराब पीने को पैसा मांगा। पैसा न देने पर आरोपी ने कर्मचारी के साथ मारपीट की साथ ही इसी बीच उसके दाहिने हाथ की अंगुली अपने दांतों से काट लिया। जिससे वह लहूलुहान हो गया। और अंगुली कट कर अगल हो गई। अंगुली से खून बहने के कारण पुलिस द्वारा उसका मेडिकल जिला अस्पताल में कराया गया था, जिसके बाद अभिषेक तिवारी के खिलाफ सिविल लाइन पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

विधायक बोले राजनीतिक साजिश मैं मौके पर था ही नहीं बता दे मारपीट करने का आरोप सामने आने के बाद सेमरिया विधायक अभय मिश्रा मीडिया के सामने आए कर्मचारी द्वारा लगाए गए मारपीट और बंधक बनाने के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए विधायक ने इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है। मीडिया से बात करते हुए मिश्रा ने स्पष्ट किया कि जिस समय कथित घटना घटी, वह स्वयं मौके पर मौजूद नहीं थे। यह पूरी तरह से कर्मचारियों के आपसी विवाद का मामला है, जिसे जानबूझकर राजनीतिक रंग दिया जा रहा है। विधायक के अनुसार, विवाद की शुरुआत तब हुई जब कर्मचारी अभिषेक तिवारी ने कार्यालय के एक अन्य कर्मचारी पर हमला कर दिया, जिसमें उसकी उंगली घायल हो गई। इसके बाद जब अभिषेक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की बात आई, तो वह विरोधी खेमे के लोगों के संपर्क में आ गया। छोटी सी कहासुनी कुछ राजनीतिक तत्वों द्वारा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। मुझे बदनाम करने कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं खुद कानून का सम्मान करता हूं, और अगर किसी भी तरह की गलती मेरी तरफ से होगी तो उसका उत्तरदायित्व लेने को तैयार हूं, लेकिन झूठे आरोपों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कांग्रेस ने आईजी को सौंपा ज्ञापन

सेमरिया विधायक पर दर्ज एफआईआर को बताया झूठा, सेमरिया विधायक अभय कुमार मिश्रा के खिलाफ चोरहटा थाना में दर्ज एफआईआर को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी ने जोरदार विरोध दर्ज कराया। जिला कांग्रेस कमेटी रीवा के ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा और शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय पहुंचे और दो सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि 25 जुलाई को भाजपा नेताओं के दबाव में चोरहटा थाना में विधायक अभय मिश्रा के खिलाफ झूठा आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण बल्कि अत्यंत निंदनीय भी है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि यह मुकदमा बिना किसी निष्पक्ष जांच के राजनीतिक द्वेषवश पंजीबद्ध किया गया है।इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि भाजपा के नेताओं ने चोरहटा थाने में महिला पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अभद्रता की और शासकीय कार्य में बाधा डाली। इसके बावजूद उनके खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई, बल्कि कांग्रेस विधायक को निशाना बनाकर झूठा मामला दर्ज किया गया। कांग्रेस की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच किसी वरिष्ठ और स्वतंत्र अधिकारी से कराई जाए और विधायक पर दर्ज झूठा मुकदमा तत्काल प्रभाव से समाप्त किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही एफआईआर वापस नहीं ली गई, तो कांग्रेस पार्टी बड़ा आंदोलन करेगी और तब तक संघर्ष जारी रहेगा जब तक विधायक के सम्मान की पुनः स्थापना नहीं हो जाती। ज्ञापन सौंपने वालों में विमलेन्द्र तिवारी, विद्यावती पटेल, शीला त्यागी, गिरीश सिंह, रमाशंकर सिंह पटेल, रवि तिवारी (ग्रामीण संगठन मंत्री), सज्जन पटेल (शहर संगठन मंत्री), वसीम राजा, सत्यनारायण तिवारी, गिरिजेश पाण्डेय, चक्रधर सिंह, हर्षलाल शुक्ला, मोहम्मद रफीक अंसारी, सीमा सिंह, प्रदीप अवस्थी, जितेन्द्र सिंह, बलराम गौतम, नरेन्द्र अग्निहोत्री, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, चेतनाथ पटेल, संतोष सोहगौरा, धनेन्द्र सिंह बघेल, अकरम अंसारी, सहफुज खान, अरूण तिवारी 'मुन्नू', पंकज उपाध्याय, मंयकधर द्विवेदी, सुरेश वर्मा, पंकज शास्त्री, विष्णु शुक्ला, लकी तिवारी, विकास सिंह सिकरवार, सुभाष तिवारी, शनि द्विवेदी, वीरेन्द्र शुक्ला, अंशुमान तिवारी, अशोक तिवारी सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सामने आया चौंकाने वाला मामला: व्यक्ति को मिला 3 आय का प्रमाणपत्र, अधिकारी बोले- लिपिकीय त्रुटि

सतना।

जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति को सरकारी विभाग द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र में उसकी वार्षिक आय मात्र 3 दर्शाई गई है। इस गंभीर त्रुटि के सामने आने के बाद प्रशासनिक गलियारों में हड़कंप मच गया है और संबंधित अधिकारी इसे 'लिपिकीय त्रुटि' बताकर अपना पल्ला झाड़ते नजर आ रहे हैं। जानकारी के अनुसार को नयागांव निवासी पिता और श्यामलाल ने अपना आय प्रमाण पत्र बनवाने हेतु आवेदन किया था। जब उसे यह प्रमाण पत्र मिला, तो वह और उसके परिजन दस्तावेज में लिखी आय देखकर स्तब्ध रह गए। प्रमाण पत्र पर स्पष्ट रूप से उसकी वार्षिक आय 3 (मात्र तीन रुपये) अंकित थी। यह हास्यास्पद आंकड़ा किसी भी सामान्य व्यक्ति की आय से कहीं कम है और सरकारी दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल खड़ा करता है। पीड़ित व्यक्ति ने तुरंत इस त्रुटि के संबंध में संबंधित विभाग से संपर्क किया। शुरुआत में अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से नहीं लिया,लेकिन जब मीडिया और स्थानीय लोगों के बीच यह बात फैली,तो प्रशासन हरकत में आया। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए,'तहसीलदार' सौरभ द्विवेदी ने बताया,यह एक लिपिकीय त्रुटि है। कंप्यूटर ऑपरेटर द्वारा डेटा एंट्री करते समय यह गलती हो गई है। हम इस मामले की जांच कर रहे हैं और जल्द ही सही आय प्रमाण पत्र जारी किया गया।भविष्य में ऐसी त्रुटियां न हों,इसके लिए उचित कदम उठाए जाएंगे।हालांकि,इस घटना ने सरकारी विभागों में कार्य प्रणाली और कर्मचारियों की लापरवाही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जबलपुर से आए कार सवार बदमाशों ने नाबालिग लड़की का किया अपहरण, मैहर से 3 आरोपी गिरफ्तार, अतरैला थाना क्षेत्र के अंतर्गत घटना, जांच में जुटी पुलिस

रीवा ।

जिले के अतरैला थाना क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार को एक नाबालिग लड़की के अपहरण की सनसनीखेज वारदात सामने आई। बताया जा रहा है कि दिनदहाड़े तीन युवक लड़की को कार में जबरन बैठाकर फरार हो गए। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए साइबर सेल की मदद से कुछ ही घंटों में आरोपियों को पकड़ लिया। मिली जानकारी अनुसार अपहृत किशोरी मुस्लिम समुदाय से संबंध रखती है और अपने घर के पास ही मौजूद थी, तभी तीन युवक जबलपुर से कार में आए और अचानक उसे उठाकर ले गए। यह पूरी वारदात परिजन देख रहे थे और उन्होंने आरोपियों का पीछा करने की भी कोशिश की, लेकिन कार की रफ्तार तेज होने के कारण वे दूर निकल गए। घटना की जानकारी मिलते ही सिरमौर एसडीओपी उमेश प्रजापति ने तुरंत एक विशेष टीम गठित की और इलाके की नाकेबंदी कराने के निर्देश दिए। साथ ही साइबर सेल की सहायता से आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की गई, जो मैहर के पास मिली। इसके बाद मैहर पुलिस की मदद से अमदरा क्षेत्र में घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोहम्मद अहमद (22 वर्ष), शहीद खान (21 वर्ष) और मोहम्मद राजू उर्फ महफूज (31 वर्ष) के रूप में हुई है। तीनों आरोपी जबलपुर के हनुमानताल थाना क्षेत्र के निवासी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि पीड़िता पहले जबलपुर में निवास करती थी और वहीं इन युवकों से उसकी जान-पहचान हुई थी। हालांकि, पुलिस अभी यह स्पष्ट करने में जुटी है कि अपहरण के पीछे इनका वास्तविक मकसद क्या था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को अतरैला थाने लाकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं, किशोरी को विधिक प्रक्रिया के तहत न्यायालय में पेश किया गया, जहां उसके बयान दर्ज किए गए हैं। उसके बयान के आधार पर आरोपियों के खिलाफ अपहरण की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। वहीं, रीवा पुलिस अधीक्षक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए पूरे घटनाक्रम की गहराई से जांच के निर्देश दिए हैं।

घरेलू विवाद पर कलयुगी पुत्र ने ली मां की जान

गर्भवती पत्नी के साथ मारपीट कर तोड़ा दांत

हत्या प्रकरण में आरोपी पुत्र को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 25 जुलाई शुक्रवार को शाम करीब 6.30 बजे ग्राम जमुड़ी निवासी नरेन्द्र कोल के द्वारा डायल 100 सर्विस में फोन कर जानकारी दी कि उसकी नानी श्रीमती नान बाई कोल के साथ उनके बेटे श्यामलाल कोल के द्वारा लकड़ी के पटिया से मारपीट कर हत्या कर दी गई है और पत्नी के साथ भी मारपीट की गई है। डायल 100 पुलिस कन्ट्रोल रूम, अनूपपुर द्वारा सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोती उर रहमान द्वारा तत्काल एस.डी.ओ.पी. अनूपपुर सुमित केरकेट्टा, टी.आई. कोतवाली एवं पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया जहां ग्राम जमुड़ी के खेरवारटोला में घर की परछी पर नानबाई कोल का खून से लथफथ शव फर्श पर चित अवस्था में पाया गया और समीप ही पुत्र श्यामलाल कोल भी बैठा पाया गया। पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर से घायल गर्भवती पत्नी सरोज कोल को ईलाज हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर रवाना किया गया। बरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी, एफ.एस.एल. मोबाइल यूनिट, शहडोल प्रदीप सिहं के द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया जाकर साक्ष्य संकलन हेतु निर्देश दिये गये। मौके पर ही पुलिस टीम द्वारा पुत्र श्यामलाल कोल के द्वारा अपनी मां नानबाई कोल की हत्या का प्रकरण जीरो पर कायम कर आरोपी श्यामलाल कोल से हत्या में प्रयुक्त लकड़ी का रक्त रंजित पटिया सहित आरोपी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। आरोपी श्यामलाल कोल के विरुद्ध थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 372/25 धारा 103(1) बी.एन.एस. पंजीबद्ध किया गया है। प्रारंभिक विवेचना में पुलिस को मृतिका के परिजनों एवं आसपास रहने वालों द्वारा बताया गया कि आरोपी पुत्र श्यामलाल कोल महाराष्ट्र में रहकर मजदूरी करता था और करीब 05 दिन पहले ही गांव घर लौटकर आया है, जो आये दिन अपनी पत्नी और मां से घरेलू विवाद झगड़ा किया करता था, शुक्रवार की शाम करीब 5:00 बजे आरोपी श्यामलाल कोल द्वारा अपनी गर्भवती पत्नी के साथ झगड़ा कर मारपीट की जा रही थी जो मां नानबाई कोल के द्वारा बीच बचाव करने पर बहुत अधिक आवेश और गुस्से में श्यामलाल कोल ने मां के साथ पटिया से इतनी बार मारपीट की गई कि मौके पर ही मां की मृत्यु हो गई और गंभीर स्थिति में घायल पत्नी सरीज कोल को ईलाज हेतु बिरसा मुण्डा मेडिकल कालेज, शहडोल में भर्ती कराया गया है। मौके पर से पुलिस ने मारपीट से घायल पत्नी सरोज कोल के टूटे हुए दांत फर्श पर पड़े एवं अन्य महत्वपूर्ण भौतिक साक्ष्य जप्त किए हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी श्याम लाल कोल का पुलिस रिमांड लिया जाकर अन्य साक्ष्य संकलन किया जा रहा है।

डॉक्टर साहब का गुस्सा टिटनेस से ज़्यादा तीखा

शहडोल। जिले के बुढ़ार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर साहब का व्यवहार इलाज से ज़्यादा खतरनाक साबित हो रहा है। एक मामूली इंजेक्शन विवाद में डॉक्टर अनुराग पाण्डेय ने स्टाफ नर्स नेहा पाण्डेय को भरी ड्यूटी के दौरान जान से मारने की धमकी दे डाली। मरीजों की मौजूदगी में अस्पताल का इंजेक्शन रूम गालियों और धमकियों से गूंज उठा। अब सवाल है कि मरीज पहले अपना इलाज कराएं या डॉक्टर की मानसिक स्थिति का?

इंजेक्शन की बहस और इज़्ज़त की फजीहत

25 जुलाई की सुबह बुढ़ार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ड्यूटी पर थीं स्टाफ नर्स नेहा पाण्डेय और चिकित्सक अनुराग पाण्डेय। दिन के 11:30 बजे एक मरीज, जिसे कुत्ते ने काट लिया था, अस्पताल पहुंचा। रैबीज का इंजेक्शन दिया जा चुका था, पर डॉक्टर साहब ने अतिरिक्त सुझाव देते हुए मरीज की सहयोगी को कहा कि टिटनेस का भी इंजेक्शन लगवा लें। सहयोगी महिला टिटनेस के लिए स्टाफ नर्स के पास पहुंची। नर्स ने जानकारी दी कि रैबीज के बाद टिटनेस आवश्यक नहीं होता, लेकिन यदि डॉक्टर कह रहे हैं तो बाहर से इंजेक्शन लेकर आ जाएं, वो लगा देंगी। इस सामान्य सी बात पर मामला तूल पकड़ गया।

तेरे को टुकड़ों में काट दूंगा

नेहा पाण्डेय ने डॉक्टर से कहा कि जब अस्पताल में टिटनेस इंजेक्शन आता ही नहीं, तो स्टाफ पर क्यों दबाव बनाया जाता है कि मरीज को '10 नंबर में लगवा लो'। इसी सवाल ने डॉक्टर साहब की चिर-परिचित गरिमा को घायल कर दिया। थोड़ी ही देर में डॉक्टर अनुराग पाण्डेय गुस्से में इंजेक्शन रूम पहुंचे और वहां मरीजों के सामने स्टाफ नर्स पर गालियों की बरसात शुरू कर दी। तू अपने आप को क्या समझती है? मैं तुझे छोटे-छोटे टुकड़े में काट कर फेंक दूंगा, घसीट-घसीट कर मारूंगा। यह सुनकर इंजेक्शन रूम मरीजों के लिए कम, थ्रिलर मूवी का सेट ज़्यादा लगने लगा। जो इंजेक्शन के डर से कांप रहे थे, अब डॉक्टर के व्यवहार से थर-थराने लगे।

नशे में धुत्त बाईक सवार ने तीन लोगों को मारी टक्कर

पवई। कलेही मंदिर के पास दमोह-सागर मेन रोड साप्ताहिक बाजार में मोटरसाइकिल चालक अनिल सोनकर पिता अनारी सोनकर निवासी पवई ने तीन लोगों को टक्कर मारकर उन्हें पवई हॉस्पिटल पहुंचा दिया है। बाइक का नंबर एमपी 35 जेडए 2284 बताया गया है। बताया गया है कि पवई के माता कलेही मंदिर के पास सड़क में गलत तरीके से बाजार लगने से यहां भारी भीड़ और जाम की स्थिति रहती है। पन्ना कलेक्टर के निर्देशों के बाद भी नगर प्रशासन द्वारा साप्ताहिक बाजार लगाने की समुचित व्यवस्था नहीं की जा रही, बताया गया है कि एक बाईक सवार ने तीन लोगों को टक्कर मार दी जिससे तीनों घायल हो गए हैं। घायल गेंदा आदिवासी ग्राम खमरिया, मोहम्मद रईस पिता इंगू सौदागर नन्ही पवई को अस्पताल पहुंचाया गया है।

पन्ना विधानसभा अंतर्गत अजयगढ़ क्षेत्र में जैतपुर पंचायत के कंटकपुर का मामला

स्कूल जाने के लिए जान जोखिम में डाल कर नाला पार करने को मजबूर बच्चे

पन्ना। इस आधुनिक युग में भले ही दूसरे ग्रहों पर पहुंचना आसान हो गया है लेकिन आजादी के 78 सालों बाद भी बरसात के दिनों में पन्ना जिले के कुछ ग्रामों के बच्चों को स्कूल पहुंचने के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा ही मामला पन्ना विधानसभा अंतर्गत अजयगढ़ जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत जैतूपुर की अनुसूचित जाति बस्ती कंटकपुर का बताया गया है।

लगभग ढाई सौ की आबादी वाले कंटकपुर मार्ग के बगही दाई नाला में पुलिया का निर्माण नहीं होने से बरसात के दिनों में आवागमन मुश्किल हो जाता है। पानी कम होने पर पैदल तो लोग किसी तरह आवागमन कर लेते हैं लेकिन कोई वाहन पहुंचना मुश्किल होता है। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली बच्चों को होती है क्योंकि कंटकपुर में स्कूल नहीं होने से बच्चों को जैतूपुर के स्कूल पढ़ने जाने के लिए बिना पुलिया के नाला को पानी में उतरकर पार करने को मजबूर होना पड़ता है। ग्राम पंचायत जैतूपुर के सरपंच अरविंद पटेल से चर्चा करने पर उन्होंने बताया कि मेरे द्वारा कलेक्टर कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर पुलिया निर्माण की मांग उठाई गई है शीघ्र ही बजट स्वीकृत होने की उम्मीद है जिसके बाद पुलिया का निर्माण हो सकेगा। पुलिया का निर्माण कब तक होता है यह तो अभी निश्चित नहीं है लेकिन इस प्रकार नाला पार करना बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है।

'उदयपुर फाइल्स' की नई रिलीज तारीख का ऐलान

मुंबई। अभिनेता विजय राज की फिल्म 'उदयपुर फाइल्सः कन्हैया लाल टेलर मर्डर' पिछले काफी समय से चर्चा में है। भरत श्रीनेत के निर्देशन में बनी फिल्म 'उदयपुर फाइल्स' अब 8 अगस्त को दर्शकों के बीच आएगी। पहले यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होने वाली थी। एक इंटरव्यू में भरत ने कहा, हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं। सत्य की हमेशा जीत होती है। फिल्म का नया पोस्टर भी रिलीज हो गया है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट को निर्देश दिया था कि वह 28 जुलाई को फिल्म रिलीज करने की केंद्र की मंजूरी को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करे।

लाइफ Style

मौनी

विश्वम्भर में चिरंजीवी के साथ जमेगी जोड़ी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेत्री मौनी रॉय पिछली बार फिल्म 'द भूतनी' में नजर आई थीं, जिसमें उनके काम को काफी पसंद किया गया। हालांकि, उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मुंह के बल गिरी। अब मौनी जल्द ही फिल्म 'सलाकार' में नजर आएंगी। उनकी यह फिल्म 8 अगस्त को जियो हॉटस्टार पर रिलीज होने वाली है।

अब मौनी के खाते में एक और बड़ी फिल्म जुड़ गई है। सुपरस्टार चिरंजीवी की फिल्म 'विश्वम्भर' में उनकी एंट्री हो चुकी है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चिरंजीवी की बहुचर्चित फिल्म 'विश्वम्भर' की स्टार कास्ट में अब मौनी शामिल हो गई हैं। वह फिल्म के एक खास गाने पर चिरंजीवी के साथ थिरकती नजर आएंगी।

कहा जा रहा है कि इस फिल्म में मौनी का जोरदार कैमियो होने वाला है। फिल्म की शूटिंग अपने आखिरी चरण पर है। हैदराबाद में मौनी और चिरंजीवी फिल्म के लिए एक बेहतरीन गाने की शूटिंग कर रहे हैं। 'विश्वम्भर' की बात करें तो इस फिल्म के निर्देशन की कमान मल्लिडी वशिष्ठ ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी इन्होंने ही लिखी है।

इस फिल्म में चिरंजीवी की जोड़ी अभिनेत्री तृषा कृष्णन के साथ बनी है। आशिका रंगनाथ, ईशा चावला, सुरभि पुराणिक और कुणाल कपूर जैसे सितारे भी फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाते नजर आएंगे। 'विश्वम्भर' का बजट 200 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिलहाल इस फिल्म की रिलीज तारीख सामने नहीं आई है।

हॉलीवुड मसाला

घर की दीवारें करती हैं बातें...

लॉस एंजिल्स। कोरियन फिल्म 'वॉल टू वॉल' एक शानदार मिस्ट्री थ्रिलर फिल्म है, जो लोगों को इतनी पसंद आ रही है कि आते ही नेटफ्लिक्स पर नंबर बन गई है। ये कोरियाई शख्स वू सुंग के ऊपर बेस्ड है। वू सुंग दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में नौकरी करता है। ये शख्स गांव का खेत बेचकर और लोन लेकर एक अपार्टमेंट में घर खरीदता है लेकिन इसके घर की दीवारों से आती अजीबोगरीब आवाजें इसका जीना हराम कर देती हैं। आखिरकार ये शख्स जिम्मेदार को खोज ही निकालता है।

एंजेलिना की बेटी ने पार्टनर के साथ रहने के लिए छोड़ा घर

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड की पॉपुलर एक्ट्रेस एंजेलिना जोली इन दिनों टेंशन में हैं। एक्ट्रेस की बेटी शिलोह ने उनका घर छोड़कर अपनी गर्लफ्रेंड डांसर केओनी रोज के साथ रहना शुरू कर दिया है। इस बात को लेकर एंजेलिना और उसके पूर्व पति और बेटी शिलोह के पिता ब्रैड पिट भी परेशान हैं। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक एंजेलिना जोली अपनी बेटी के इस फैसले से खुश नहीं है। कहा जा रहा है कि एंजेलिना की बेट शिलोह पिछले कुछ हफ्तों से अपनी गर्लफ्रेंड के साथ रह रही हैं। दरअसल, एंजेलिना चाहती हैं कि बच्चे उनके साथ ही रहें। वह चाहती हैं कि उनके बच्चे एक सुरक्षित माहौल में रहें। एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट ने छह बच्चे हैं। मैडॉक्स, पैक्स, जहरा, शिलोह और दो जुड़वां बच्चे नॉक्स और विविएन हैं।

अब मलयालम सिनेमा में दिखाएंगी दमखम

मुंबई। सैयामी खेर मनोरंजन जगत की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी आगामी फिल्मों का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार करते हैं। उन्होंने हिंदी के अलावा तेलुगु और मराठी फिल्मों में भी काम किया है। अब सैयामी से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिससे उनके प्रशंसक यकीनन खुशी से झूम उठेंगे। दरअसल, अब सैयामी मलयालम सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। उन्होंने खुद इस खबर पर मुहर लगाई है। बॉलीवुड हंगामा के साथ खास बातचीत में सैयामी ने खुलासा किया कि वह मलयालम सिनेमा में कदम रखने वाली हैं, जिसके लिए उन्होंने अभिनेता रोशन मैथ्यू से हाथ मिलाया है। अभिनेत्री ने अपनी खुशी जताते हुए कहा, मैं रोशन मैथ्यू की फिल्म में कैमियो कर रही हूं। वह एक बेहतरीन फिल्म निर्माता और अभिनेता हैं। मैं उनकी बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। म

रणवीर अब दिनेश के साथ खेलेंगे पारी

मुंबई। रणवीर सिंह पिछली बार फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आए थे। उधर बतौर लीड हीरो उनकी आखिरी फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' थी, जिसने जोरदार कमाई की थी। रणवीर का नाम तब से अब तक कई फिल्मों से जुड़ चुका है। एक ओर वह आदित्य धर की 'धुरंधर' को लेकर चर्चा में हैं तो वहीं अब एक नई फिल्म उनके हाथ लग गई है, जिसके निर्माता 'स्त्री 2' और 'छावा' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में बना चुके दिनेश विजान हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिनेश विजान की इस फिल्म का निर्देशन अमित रविन्द्रनाथ शर्मा करने वाले हैं, जिन्होंने पिछली बार अजय देवगन अभिनीत 'मैदान' का निर्देशन किया था। इससे पहले आयुष्मान खुराना अभिनीत फिल्म 'बधाई हो' के निर्देशन की कमान भी अमित ने ही संभाली थी।

टीवी मसाला

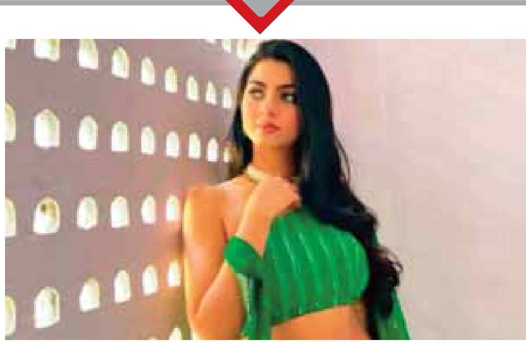

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में खत्म हुआ 'रूही' का सफर

मुंबई। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' पिछले 15 सालों से टीवी पर चल रहा है। ये सबसे लंबे समय से टीवी पर टेलीकास्ट होने वाले शोज में से एक है। हाल ही में शो में कई सारे ट्विस्ट एंड टर्न आए हैं और ढेर सारे ट्विस्ट के साथ ही कहानी में लीप आया है जिसके बाद शो से कई सारे किरदार बाहर हो गए हैं। सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलता है' में रूही के किरदार में नजर आने वाली एक्ट्रेस गरविता साधवानी अब शो का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर फैंस को बताया कि वो अब शो का हिस्सा नहीं है और उनका किरदार खत्म हो गया है। फैंस लंबे वक्त से गरविता साधवानी की शो में वापसी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन अब उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर एक इमोशनल नोट लिखकर कन्फर्म कर दिया कि वो वापस नहीं आ रहीं हैं और ये रिश्ता में उनका सफर खत्म हो चुका है। एक्ट्रेस ने अपनी स्टोरी में एक मेसेज लिखा जिसमें उन्होंने फैंस को जानकारी दी कि अब वो शो का हिस्सा नहीं हैं। वो अपने पोस्ट में लिखती हैं, 'यह बताना चाहती हूं कि अब मैं 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' का हिस्सा नहीं हूं। 'रूही' के किरदार को जो प्यार और अपनापन आप लोगों ने दिया, उसके लिए दिल से शुक्रिया। यह किरदार मेरे लिए सिर्फ एक रोल नहीं था, यह एक भावना बन गया था। उन्होंने बताया कि उन्होंने 1.5 साल तक पूरी मेहनत और दिल से यह किरदार निभाया और इस दौरान बहुत कुछ सीखा। गरविता ने अपने सफर को 'जादुई' बताया और कहा कि हर अच्छी चीज की एक खूबसूरत एंडिंग होती है। रूही का किरदार शो की मुख्य भूमिकाओं में से एक था। शो में आए 7 साल के लीप के बाद दर्शकों को उम्मीद थी कि वे रूही और उनके बेटे दक्ष को फिर से स्क्रीन पर देख पाएंगे लेकिन अफसोस, गरविता ने शो से विदा ले लिया है।

बिग बॉस' के 19वें सीजन का ऐलान

मुंबई। छोटे पर्दे का सबसे चर्चित और विवादित रियलिटी शो 'बिग बॉस' के 19वें सीजन का आधिकारिक ऐलान हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि

इस सीजन की मेजबानी भी अभिनेता सलमान खान को ही सौंपी गई है। बिग बॉस 19' का पहला प्रोमो वीडियो सामने आ गया है, जिसमें बिग बॉस की आंख को इस बार रंग बिरंगा दिखाया गया है। शो के इस लोगो को अब इसकी थीम से जोड़कर देखा जा रहा है। कलर्स टीवी ने 'बिग बॉस 19' का पहला प्रोमो साझा किया करते हुए लिखा, 'ना चलेगी कोई चाल या नीति, क्योंकि इस बार बिग बॉस में रच जाएगी अनोखी राजनीति।' यह शो कब से शुरू हो रहा है, इसका खुलासा नहीं किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो 'बिग बॉस' का 19वां सीजन इस बार कई बड़े बदलावों के साथ लौट रहा है। चर्चा है कि इस बार शो में यूएई की हिजाबी डॉल हबूबू की भी एंट्री होगी।

इन स्टार किड्स ने की थी जबरदस्त शुरुआत एक को मिले थे 30,000 शादी के प्रस्ताव

मुंबई। इन दिनों फिल्म 'सैयारा' खूब चर्चा में है। इस फिल्म का निर्देशन 'आशिकी 2' वाले मोहित सूरी ने किया है, वहीं यशराज फिल्म्स ने इस पर पैसा लगाया है। फिल्म पहले दिन से ही धमाल मचा रही है। बॉक्स ऑफिस पर तेजी से 100 करोड़ रुपये कमाने वाली इस फिल्म से चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे ने बॉलीवुड में कदम रखा है। आइए जानें उन स्टार किड्स के बारे में, जिन्होंने अपनी पहली ही फिल्म से दिल जीत लिए।

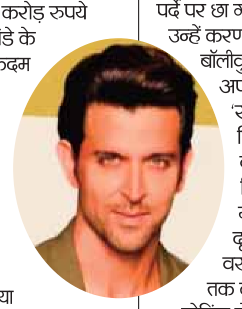

ऋतिक रोशन को मिले शादी के प्रस्ताव : ऋतिक रोशन ने 'कहो ना प्यार है' से बॉलीवुड में कदम रखा था। उनके पिता राकेश रोशन ने उन्हें इंडस्ट्री में लॉन्च किया था। ऋतिक को फिल्म में देखने के बाद लड़कियां इस कदर उनके लिए पागल हो गईं थीं कि उन्हें 30,000 शादी के प्रस्ताव मिले थे। फिल्म में उनकी जोड़ी अमीषा पटेल के साथ बनी थी। फिल्म ने सबसे ज्यादा 92 पुरस्कार अपने नाम किए थे, जिसके चलते इसका नाम गिनीज बुक में भी दर्ज है।

वरुण धवन : डेविड धवन के बेटे वरुण धवन भी अपनी पहली ही फिल्म से पर्दे पर छा गए थे। उन्हें करण जौहर ने बॉलीवुड में अपनी फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से लॉन्च किया था और इसके बाद वरुण ने एक के बाद एक हिट फिल्म देकर ऐसा धमाल मचाया कि उन्हें बॉलीवुड का दूसरा गोविंदा कहा जाने लगा। वरुण की कॉमेडी से लेकर डांस तक की तुलना गोविंदा से हुई। 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी।

आमिर खान : आमिर खान एक लंबे अरसे से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। जब वो अभिनेता नहीं बने थे, तब भी उनका कैमरे की दुनिया से पुराना नाता था, क्योंकि उनके पिता ताहिर हुसैन जाने-माने निर्माता थे। आमिर ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत 1988 में आई फिल्म 'कयामत से कयामत तक' से की थी। उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा दी थी। न सिर्फ ये सुपरहिट हुई, बल्कि इसने 10 पुरस्कार भी झटक लिए थे।

सनी देओल : दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल ने भी बॉलीवुड में एंट्री करते ही धमाल मचा दिया था। अगर कोई स्टार अपनी पहली फिल्म से चमक जाए तो उसके लिए ये सोने पर सुहागा हो जाता है। ऐसा ही सनी के साथ भी हुआ था। उनकी पहली फिल्म 'बेताब' थी और सनी ने आते ही दर्शकों को बेताब कर दिया था।

'डॉन 3' में 'आज की रात' गाने पर थिरकती आएंगी नजर

मुंबई। फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म 'डॉन 3' हिंदी सिनेमा की सबसे बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। खास बात यह है कि इस फिल्म के हीरो और कोई नहीं, बल्कि रणवीर सिंह हैं। इस फिल्म में रणवीर की जोड़ी अभिनेत्री कृति सैनन के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। अब सुपरहिट फ्रैंचाइजी 'डॉन' की तीसरी किस्त 'डॉन 3' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है।

डांस करती दिखेंगी कृति

एक रिपोर्ट के अनुसार, 'डॉन 3' में साल 2006 में आई फिल्म 'डॉन' के हिट गाने 'आज की रात' को नए अंदाज में पेश किया जाएगा। इस गाने को शाहरुख खान और प्रियंका चोपड़ा के साथ फिल्माया गया था। 'डॉन 3' के इस गाने में कृति जोरदार डांस करती नजर आएंगी। इसमें अभिनेत्री के साथ अन्य कलाकार भी शामिल होने की उम्मीद है, जिनके नाम पर अभी मुहर नहीं लगी है।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग?

रणवीर इस साल सितंबर तक फिल्म 'धुरंधर' की शूटिंग करने वाले हैं। इसके बाद वह 'डॉन 3' की तैयार में जुटेंगे। फिल्म की शूटिंग इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगी, वहीं यह फिल्म 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कृति के पहले रणवीर की जोड़ी कियारा आडवाणी के साथ बनी थी, लेकिन उन्होंने अपनी गर्भावस्था के कारण इस फिल्म से किनारा कर लिया। उधर खलनायक की भूमिका के लिए फरहान कई अभिनेताओं से बातचीत कर रहे हैं।

निर्देशक सुनील दर्शन ने 20 साल बाद दोनों से जुड़ा किया एक बड़ा खुलासा

प्रियंका चोपड़ा के चक्कर में अक्षय कुमार की जिंदगी में जब मचा बवंडर

मुंबई। अक्षय कुमार बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार रहे हैं, जो अपनी पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहे हैं। शिल्पा शेट्टी से लेकर रवीना टंडन तक, उनका नाम कई अभिनेत्रियों के साथ जुड़ा। प्रियंका चोपड़ा के साथ भी उनके अफेयर की खबरें खूब आईं। अब हाल ही में निर्देशक सुनील दर्शन ने 20 साल बाद अक्षय और प्रियंका से जुड़ा एक बड़ा खुलासा किया है।

'बरसात' के लिए पहली पसंद बॉबी नहीं, अक्षय थे

साल 2005 में बॉबी देओल, बिपाशा बसु, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'बरसात' आई थी, जो बॉक्स-ऑफिस पर फ्लॉप रही थी। फिल्म का इतना बुरा हाल हो गया था कि लागत तक वसूलने में भी इसके पसीने छूट गए थे। फिल्ममेकर सुनील दर्शन ने हाल ही में बताया कि इस फिल्म के लिए बॉबी नहीं, असल में अक्षय निर्देशक की पहली पसंद थे। वह अक्षय, प्रियंका और कैटरीना कैफ के साथ फिल्म बनाना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

प्रियंका के साथ शूट तक कर चुके थे अक्षय

सुनील बोले, अंदाज' के तुरंत बाद 'बरसात' को एक नए एंगल के साथ एक ट्राएंगल लव स्टोरी के तौर पर डिजाइन किया गया था और अक्षय को मुख्य भूमिका में लिया गया था। उनके पास तारीखें नहीं थीं, जिसकी वजह से उन्होंने तारीख आगे बढ़ाने की मांग की थी, जिसे निर्माताओं ने मान लिया था। सुनील कहते हैं कि उन्होंने पहले ही गाने रिकॉर्ड कर लिए थे और फिल्म के लिए अक्षय-प्रियंका का रोमांटिक ट्रैक शूट हो चुका था।

ट्विंकल के डर के मारे प्रियंका से बनाई दूरी

निर्देशक ने बताया कि प्रियंका संग अफेयर की खबरों के चलते उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना के साथ उनका रिश्ता बिगड़ रहा था, जिसकी वजह से अक्षय को फिल्म छोड़नी पड़ी थी। कहा जाता है कि फिल्म 'अंदाज' में काम करते हुए अक्षय का दिल प्रियंका पर आ गया था। दोनों के अफेयर की खबर ट्विंकल तक पहुंची तो घर में खूब बवाल हुआ था। अक्षय को ट्विंकल ने कसम दिलवाई कि वह अब प्रियंका के साथ दोबारा काम नहीं करेंगे।

अक्षय बोले- मुझमें या प्रियंका में एक को चुनना होगा

निर्देशक बोले, 18 महीनों तक उनकी तारीखों का इंतजार करने के बाद ऐन मौके पर अक्षय बोले कि वह मेरी इस फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकते। अक्षय ने मुझसे कहा था कि मुझे उनमें या प्रियंका में से किसी एक को चुनना होगा। मतलब अगर प्रियंका होंगी तो वह फिल्म में काम नहीं करेंगे। मीडिया में अक्षय और प्रियंका के अफेयर की खबरों की चर्चा की वजह से उनकी जिंदगी पर असर पड़ रहा था।

ऐन मौके पर फिल्म से पीछे हट गए थे अक्षय

सुनील कहते हैं, जब फिल्म के फाइनल शेड्यूल का समय आया तो अक्षय ने मुझे सेट पर बुलाया, जबकि वह अक्सर खुद ही फिल्म निर्माताओं के ऑफिस में मिलने जाते थे। अक्षय ने मुझसे कहा कि फिल्म की वजह से कुछ ज्यादा दिक्कतें हो गई हैं, जिसका सीधा असर उनकी निजी जिंदगी पर पड़ रहा है। वह बोले कि आपको फैसला लेना होगा कि इसके साथ कैसे आगे बढ़ें। अक्षय की बात सुनकर मुझे जोर का झटका लगा था।

जापान ने बनाया जादुई प्लास्टिक...समुद्र में जाते ही कुछ घंटों में हो जाएगा छूमंतर

टोक्यो। समुद्र में रोजाना करोड़ों टन प्लास्टिक जाता है जिससे समुद्री जीवों को बहुत परेशानी होती है जिससे उनकी जान पर भी आफत बन जाती है। यहीं प्लास्टिक हमारे खाने में भी घुल-मिल जाता है। लेकिन, जापान से अच्छी खबर आ रही है, वैज्ञानिकों ने ऐसा नया प्लास्टिक बनाया है जो समुद्र के खारे पानी में कुछ ही घंटों में घुल जाता है।

क्या होगा इसका फायदा?

इसके फायदों के बारे में आपको बताएं तो यह प्लास्टिक कोई जहरीला या माइक्रोप्लास्टिक का टुकड़ा नहीं छोड़ता। इस नई खोज से समुद्र को साफ करने में मदद मिल सकती है। साथ ही भविष्य में प्लास्टिक की बड़ी समस्या को कम करने के शानदार तरीकों के बारे में भी सोचा जा सकता है।

कैसे काम करता है नया प्लास्टिक?

आपको बता दें कि ये देखने में बिल्कुल किसी आम प्लास्टिक जैसा ही लगता है जो पेट्रोल से बनता है, हालांकि इसके काम करने का तरीका बिल्कुल ही अलग है। इस प्लास्टिक की सबसे बड़ी खासियत है कि जब ये नमक वाले पानी के संपर्क में आता है तो अपने असली छोटे-छोटे हिस्सों में टूट जाता है। इसके बाद पानी में रहने वाले बैक्टीरिया इन हिस्सों को पूरी तरह खत्म कर देते हैं।

किसने की ये अनोखी खोज?

इस अनोखी खोज को जापान के वैज्ञानिकों ने सफल बनाया है। ये प्लास्टिक समुद्र के खारे पानी में कुछ ही घंटों में पूरी तरह से घुल जाता है। इसकी सबसे अच्छी बात है कि ये किसी तरह का जहरीला पदार्थ नहीं छोड़ता और ना ही इसके माइक्रोप्लास्टिक बचते हैं। इसे टोक्यो विश्वविद्यालय और रिकेन सेंटर के वैज्ञानिकों ने मिलकर तैयार किया है।

कितने दिन में गल जाता है?

वैज्ञानिकों का कहना है कि ये नया प्लास्टिक समुद्र के पानी में ही नहीं, बल्कि नमक वाली जमीन में भी धीरे-धीरे खत्म हो जाता है। अगर इसे मिट्टी में रखा जाए तो 8 दिन में पूरी तरह गल जाता है। इसके अलावा यह जहरीला नहीं है, जलने पर कार्बन डाइऑक्साइड नहीं छोड़ता और पर्यावरण को नुकसान भी नहीं पहुंचाता। दुनिया में सबसे ज्यादा प्लास्टिक भारत फैलाता है जो करीब 5.8 मिलियन टन है।

रोचक खबरें

तलाक के गम में ऐसा डूबा शख्स, छोड़ा खाना-पानी, 1 महीने पी सिर्फ बीयर

बैंकाक। जब रिश्ता टूटता है तो आवाज नहीं होती है, मगर इंसान अंदर से पूरी तरह टूट जाता है। एक थाइलैंड के शख्स के साथ भी ऐसा ही हुआ। ये शख्स अपने तलाक से इतना परेशान हो गया कि गम में डूबा रहा और 1 महीने उसने सिर्फ बीयर पी। उसके बाद जो हुआ, वो कोई सोच भी नहीं सकता। इस वजह से वर्ल्ड मीडिया में ये खबर चर्चा में आ गई है। थाईलैंड के रायोंग प्रांत में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 44 वर्षीय थावीसाक नामवोंगसा ने अपने तलाक के ग़म में डूबकर एक पूरा महीना सिर्फ बीयर पीते हुए बिताया, बिना खाना खाए और पानी पिए। इस लत और मानसिक तनाव ने उनकी जान ले ली। 16 जुलाई को स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आपातकालीन सेवाओं को रायोंग स्थित उनके घर पर बुलाया गया। सूचना दी गई कि एक व्यक्ति को दौरे और झटकों के लक्षण हो रहे हैं। जब मेडिकल टीम वहां पहुंची, तो उन्होंने पाया कि थावीसाक बेहोश पड़े हुए हैं और उनके हाथ-पैर नीले पड़ चुके हैं, जो खून का संचार रुकने का संकेत था। डॉक्टर तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचा नहीं पाए और मौके पर ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। लेकिन, सबसे चौंकाने वाला दृश्य तब सामने आया जब घर के हर कमरे में फर्श पर सैकड़ों खाली बीयर की बोतलें करीने से सजी हुई मिलीं। यह नज़ारा उनके अत्यधिक शराब सेवन की भयावह सच्चाई को उजागर करता है। घटना के बाद थावीसाक के 16 वर्षीय बेटे ने बताया कि उनके पिता ने एक महीने से सब कुछ खाना बंद कर दिया था और सिर्फ बीयर पी रहे थे। बेटे ने कई बार उन्हें खाना देने की कोशिश की, लेकिन थावीसाक हर बार इंकार कर देते थे। बेटे को यह भी जानकारी नहीं थी कि उनके पिता को कोई अन्य बीमारी थी या नहीं, जिसने इस हालत तक पहुंचाया।

पिता की उम्र के शख्स को दिल दे बैठी 19 साल की लड़की, रचा ली शादी

वारसॉ। यह अनोखी लव स्टोरी पोलैंड के कपल इया और रफा की है, जिन्होंने 22 साल से एजगैप के बावजूद एक-दूसरे से शादी रचाई और आज खुशहाल जिंदगी बिता रहे हैं। इया ने हाल ही में अपनी शादी की छठी सालगिरह मनाई, और अपने पति रफा के साथ एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, लोग अक्सर हमें 'बाप-बेटी की जोड़ी' कहकर ताने मारते हैं, पर मुझे अब उन बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि मैं रफा के बिना अधूरी हूं। 41 वर्षीय रफा से इया की पहली मुलाकात तब हुई थी, जब वह सिर्फ 19 साल की थीं। लोगों को उनका रिलेशनशिप काफी अटपटा लगा, लेकिन इया इसे 'एक सपना सच होने' जैसा बताती हैं। उनकी हमेशा से ही जल्दी शादी करके मां बनने की चाहत थी, और रफा भी अपनी फैमिली चाहते थे। इस तरह उनकी जरूरतें उन्हें एक-दूसरे के करीब लाईं। इया कहती हैं कि पहले तो हमें लोग क्या कहेंगे इस बात को लेकर काफी डर था। क्योंकि, रफा उनसे 22 साल बड़े थे, लेकिन फिर उन्होंने अपने दिल की सुनी। अब कपल के बच्चे हैं और वे अपने फैसले पर गर्व करते हैं। इया और रफा की कहानी बताती है कि अगर प्यार सच्चा है, तो समाज की राय कोई मायने नहीं रखती।

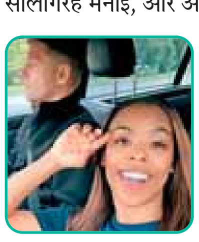

तकनीक

पेट्रोल-डीजल को कहेंगे बाय-बाय...

भारत के पास है हाइड्रोजन क्रांति का मास्टरप्लान

कम खर्च में मिलेगा धांसू पावर

भारत 3 छोटे न्यूक्लियर रिएक्टर बना रहा है जिन्हें एसएमआर कहते हैं। इसमें 200 मेगावॉट का बीएसएमआर, 55 मेगावॉट का एसएमआर, हाइड्रोजन बनाने के लिए 5 मेगावॉट थर्मल भी शामिल है। इन तीनों को बनाने में लगभग 5750 करोड़ का खर्च आएगा और ये 5-7 साल में तैयार हो जाएंगे।

नई दिल्ली। इन रिएक्टर्स की मदद से साफ-सुथरी बिजली और हाइड्रोजन मिलेगा। इसकी मदद से उद्योग और परिवहन के रास्ते और सुधरेंगे। यह भारत के कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को और मजबूती मिलेगी। भारत अब ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ा कदम उठा रहा है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने 24 जुलाई को राज्यसभा में बताया कि भारत 3 तरह के छोटे मॉड्यूलर बना रहा है।

इसे बनाना क्यों जरूरी है?

हाइड्रोजन को भविष्य के ईंधन के तौर पर देखा जाता है, क्योंकि ये जलने पर सिर्फ पानी छोड़ता है कोई कार्बन नहीं। भारत का 5 एमडब्ल्यूटीएच जीसीआर रिएक्टर थर्मोकेमिल प्रक्रिया से हाइड्रोजन बनाएगा जिसमें कॉपर क्लोराइड, और आयोडीन सल्फर जैसी तकनीकों का इस्तेमल करेगा. BARC ने पहले ही इन तकनीकों को टेस्ट और विकसित कर लिया है। इसे हाइड्रोजन ट्रक, बस और कार में ईंधन के तौर पर इस्तेमाल होगी, जिससे पेट्रोल-डीजल की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी।

क्या होता है एसएमआर?

एसएमआर छोटे आकार के मॉड्यूलर रिएक्टर होते हैं जो बड़े और पुराने रिएक्टर से अलग होते हैं। ये 200 मेगावॉट से कम बिजली बनाते हैं और इन्हें फैक्ट्री में बनाया जा सकता है। इनके फायदों की बात करें तो छोटा आकार, सुरक्षित, कम लागत और साफ ऊर्जा देने में मदद करते हैं।

इसे कौन बना रहा है?

पहले आपको बता दें कि ये आधुनिक तकनीक से बने हैं जो दुर्घटना के खतरे को कम करते हैं। इन रिएक्टर्स को भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र और न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) मिलकर इन रिएक्टर्स को बना रहे हैं। साथ ही ये छोटे आकार के होते हैं तो इन्हें छोटे शहरों में लगाया जा सकता है।

कहां होगा इस्तेमाल?

55 मेगावॉट एसएमआर उन जगहों के लिए है जहां पर कम बिजली की जरूरत हो. इसे पुराने कोयला संस्थानों को बदलने के लिए किया जाएगा जिससे कार्बन का उत्सर्जन कम हो। पहला रिएक्टर बनाने में तकरीबन 5,750 करोड़ की लागत आएगी। इसके अलावा 5 एमडब्ल्यूटीएच जीसीआर रिएक्टर को खासतौर पर हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए बनाया जा रहा है। खास बात ये है कि इन्हें बनाने की मंजूरी मिल चुकी है और अगले 5-6 साल में बनकर तैयार हो सकते हैं।

किस्मत हो तो ऐसी! लॉटरी की गलती से लड़की बन गई 42 लाख की मालकिन

न्यूयार्क। बहुत लोग लॉटरी खरीदते हैं। उन्हें लगता है कि अगर उनकी किस्मत चमक गई तो उनकी जिंदगी बन जाएगी। पर हर किसी के साथ ऐसा नहीं होता है। बहुत लोग लॉटरी में हारते भी हैं। मगर एक लड़की की किस्मत इतनी गजब की है कि उससे लॉटरी में गलती भी हो गई, उसके बावजूद वो जीत गई और 42 लाख की मालकिन बन गई। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य की एक महिला ने एक साधारण सी गलती से लॉटरी में $50,000 (लगभग 42 लाख) जीत लिए। यह वही महिला है जिसने साल 2021 में $100,000 (83 लाख) की लॉटरी जीती थी। इस तरह कुछ ही वर्षों के भीतर दो बार इतनी बड़ी रकम जीतना किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह रोचक घटना फ्रेडरिक, मैरीलैंड की है, जहां यह महिला वॉशिंगटन एक्सप्रेस नामक एक सुविधा स्टोर में लॉटरी टिकट खरीदने गई थीं। महिला ने सोचा था कि वह दो $50,000 कैश टिकट खरीदेगी, लेकिन लॉटरी मशीन पर बटन दबाते समय उनसे गलती से एक अतिरिक्त बटन दब गया

दो बार जीत चुकी है बैकअप

यही तीसरा अतिरिक्त टिकट उनकी किस्मत बदल गया। महिला ने मैरीलैंड लॉटरी विभाग को बताया, 'यह सब एक दुर्घटना थी। मैं केवल दो टिकट खरीदना चाहती थी, लेकिन गलती से एक बटन ज्यादा दब गया और तीसरा टिकट भी निकल आया।' वही तीसरा टिकट उन्हें $50,000 का इनाम दिला गया।यह महिला कोई पहली बार लॉटरी नहीं जीत रही थी। साल 2021 में उन्होंने एक बिंगो-थीम वाले स्क्रैच-ऑफ टिकट के जरिए $100,000 जीते थे। इतने कम अंतराल में दो बार इतनी बड़ी जीत मिलने पर खुद महिला भी हैरान हैं। उन्होंने बताया, मुझे खुद पर विश्वास नहीं हो रहा था कि ऐसा दोबारा हो सकता है। यह पूरी तरह अविश्वसनीय है। उन्होंने आगे कहा कि स्टोर में उस समय काफी भीड़ थी, लेकिन उन्होंने खुद को चिल्लाकर सबको बताने से रोक लिया।

अब कंडोम और नसबंदी को भी कहेंगे गुड बाय? पुरुषों के लिए गर्भनिरोधक गोली का पहला टेस्ट सफल

लंदन। पुरुषों के लिए बनी गर्भनिरोधक गोली का इंसानों पर पहला टेस्ट पास हो गया है। वाईसीटी-529 नाम की गर्भनिरोधक गोली पुरुषों के लिए फैमिली प्लानिंग की दिशा में एक बड़ा कदम है, खासकर भारत जैसे देश के लिए जिसकी आबादी 140 करोड़ से भी ज्यादा हो चुकी है। वाईसीटी-529 नाम की इस गोली ने अपना पहला ह्यूमन सेफ्टी टेस्ट पास कर लिया है। ये गोली बिना हॉर्मोन के पुरुषों में स्पर्म बनने की प्रक्रिया को रोकती है। हालांकि, अभी यह शुरुआती टेस्ट ही था, जिसमें 16 लोगों पर जांच की गई कि क्या गोली सही मात्रा में शरीर में पहुंचती है और क्या इसके साइड इफेक्ट्स होते हैं।

टेस्ट के क्या निकले नतीजे?

इस जांच से अच्छी खबर ये मिली की वीसीटी-529 से कोई भी साइड इफेक्ट नहीं दिखा है। अब ये गोली बड़े स्टेटस की तरफ बढ़ रही है, जहां इसकी सुरक्षा और प्रभाव दोनों की ही जांच की जाएगी। आइए समझने की कोशिश करते हैं कि ये गोली क्या है, कैसे काम करती है और ये पुरुषों के लिए कैसे खास है।

अभी तक क्या थे विकल्प?

आपको बता दें कि अभी तक पुरुषों के पास गर्भनिरोधक के लिए 2 ही विकल्प थे। पहला कंडोम का इस्तेमाल और दूसरा वासेक्टॉमी जिसे नसबंदी भी कहा जाता है। कंडोम का इस्तेमाल हर बार करना पड़ती है, जबकि वासेक्टॉमी एक स्थायी तरीका है जिसे बदलना मुश्किल होता है। लेकिन, ये नई गोली पुरुषों के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकती है।

कैसे काम करती है ये वीसीटी-529?

महिलाओं के लिए आने वाली गर्भिनिरोधक गोलियों में हॉर्मोन होते हैं, जो कई बार मूड स्विंग्स या वजन बढ़ने जैसे साइड इफेक्ट्स लाते हैं, जबकि इस नई गोली में ऐसा कुछ नहीं है। वीसीटी-529 पुरुषों के शरीर में शुक्राणु बनने की प्रक्रिया को अस्थाई तौर पर बंद कर देती है।

क्या था टेस्ट का तरीका?

टेस्ट में कुछ लोगों को प्लेसीबो दी गई, कुछ को कम डोज जैसे 90 मिलीग्राम और कुछ को ज्यादा डोज जैसे 180 मिलीग्राम दी गई। इसके अलावा कुछ लोगों को खाना खाने के बाद ये दवा दी गई, जिससे इसका पता चल सके कि खाना दवा के असर को कैसे प्रभावित करता है।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

राशि	फल
मेष	धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।
वृष	वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।
मिथुन	शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।
कर्क	आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।
सिंह	सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।
कन्या	किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।
तुला	मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।
वृश्चिक	शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।
धनु	आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।
मकर	व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।
कुंभ	मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।
मीन	परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 5940

बाएँ से दाएँ
1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य-5
4.आज्ञापत्र, पतंगा-4
7.शरीर, बदन-2
8.होशियार, हुनरमंद-3
9.नस, नाड़ी-2
10.तीर रखने का पात्र-4
11.गधा, गर्दभ-2
13.जो बंदी हो-3
14.पत्नी, भार्या-2
15.दृष्टि, निगाह-3
17.खैरात, दक्षिणा-2
19.अपने ही घर में कैद होना-5
22.भाग्यवाला-5
25.जी, इच्छा-2
26.तन, काया-3
28.दुनिया, संसार-2
29.वेतन-3
30.भीगा हुआ-2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी-4
34.परिणाम,हल,फ्रूट-2
36.सचेग-3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म-2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी-4
39.निरस्त करना-2,3

ऊपर से नीचे
1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म-2
2.रवि, सूर्य-3
3.तमाशा देखनेवाले-5
4.परीक्षण,जांच-3
5.सप्ताह का दिन-2
6.जो नापसंद हो (उर्दू-4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म-2,3
10.भाग्य,किस्मत-4
12.क्रिकेट में बनते हैं-2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म -3
17.खुजली-2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना-2
20.आवश्यक-3
21.कैदी, बंधक-2
22.इसाई साध्वी-2
23.बालकपन-4
24.असावधान-5
25.महासमुद्र-5
26.सज्जनता, भद्रता-4
27.अभिषेक की फिल्म-2
31.मुद्दा (उर्दू-3)
33.वाचन करनेवाला-3
35.उद्देश्य-2
37.आगमन,आने का भाव-2

शब्द पहेली- 5939 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल	■	मा	न	व	ता
त	न	■	ल	■	ल	क्वा	ई	■	श	र
रा	■	आ	क	र्ष	क	■	न	स	■	को
धि	क्का	र	ना	■	■	अ	■	च	प	ल
का	■	क्ष	■	भा	गी	दा	र	■	र	■
र	म	ण	यो	ग्य	■	व	ज	न	दा	र
■	ह	■	ग	फ	ल	त	■	म	■	ह
द	ल	ना	■	ल	■	■	य	की	न	न
श	■	का	व्य	■	त	न	म	न	■	स
ह	य	■	स	ला	मी	■	रा	■	रा	ह
रा	ह	ज	न	■	ज	हा	ज	चा	ल	न

सूडोकु नवताल - 5950

★★★★☆ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

MANGAL SEMADHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5949 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

बुलेट ट्रेन के बाद अब आ रहा
हाइएस्ट स्पीड वाला बुलेट इंटरनेट

करीब साठ साल पहले दुनिया की पहली बुलेट ट्रेन बनाने वाले देश जापान ने अब बुलेट स्पीड वाले इंटरनेट को बनाने में सफलता हासिल की है। इस नई तकनीक से अविश्वसनीय तेज गति से डाटा ट्रांसफर हो सकेगा। इस नई तकनीक की क्या हैं विशेषताएं, इससे क्या होंगे भविष्य में फायदे, इनके बारे में आप भी डिटेल में जरूर जानना चाहेंगे।

{ कवर स्टोरी/ सुनील कुमार महला }

हाल ही में जापान के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड कम्युनिकेशंस टेक्नोलॉजी (एनआईसीटी) के रिसर्चर्स ने 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड की अविश्वसनीय इंटरनेट स्पीड हासिल करके विश्व रिकॉर्ड कायम किया है। जापान के एनआईसीटी ने सुमितोमो इलेक्ट्रिक और यूरोपीय पार्टनर के साथ मिलकर यह उपलब्धि हासिल की है। उनके यूनिक 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर केबल ने अविश्वसनीय स्पीड से डाटा ट्रांसमिट किया।

अविश्वसनीय है इसकी स्पीड

एक रिपोर्ट के अनुसार, नई तकनीक के द्वारा 1.02 मिलियन गीगाबाइट (जीबी) डाटा एक सेकेंड में डाउनलोड किया गया। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि इसके बारे में सोच पाना भी मुश्किल है। जापान की इस तकनीक को वैश्विक रूप से डाटा ट्रांसफर, स्ट्रीमिंग और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में एक उज्ज्वल भविष्य के रूप में देखा जा रहा है। बताते चलें कि जापान की इस लेटेस्ट इंटरनेट नेटवर्क की स्पीड 1.02 पेटाबिट्स प्रति सेकेंड है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह करीब 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के बराबर है। यह इंटरनेट स्पीड इतनी फास्ट है कि इस स्पीड का इस्तेमाल करके कुछ ही सेकेंड्स में फिल्म ही नहीं, बल्कि पूरी की पूरी लाइब्रेरी तक डाउनलोड की जा सकती है। वास्तव में जापान की यह उपलब्धि डेटा ट्रांसमिशन तकनीक में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी कदम है। जापान की यह स्पीड अमेरिका की वर्तमान इंटरनेट डाटा एवरेज इंटरनेट स्पीड से 3.5 मिलियन गुना अधिक है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह स्पीड अमेरिका के औसत इंटरनेट कनेक्शन से 35 लाख गुना ज्यादा है। भारत की औसत इंटरनेट गति से यह 1.6 करोड़ गुना तेज बताई जा रही है। रिसर्चर्स के अनुसार इतनी स्पीड से एक साथ 1 करोड़ 8 हजार वीडियो स्ट्रीम किए जा सकते हैं। यानी 10 लाख जीबी प्रति सेकेंड के हिसाब से यह स्पीड मिलेगी, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। जापान द्वारा हाइ स्पीड इंटरनेट तकनीक का विकास, आने वाले समय में 6जी नेटवर्क, क्लाउड सिस्टम्स, अंडरसी डेटा केबल्स और एआई जैसे उभरते क्षेत्रों में नई क्रांति लेकर आएगा।

नई तकनीक का किया इस्तेमाल

जापान ने सिंगल कोर के बजाय 19 कोर ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम और उन्नत एंप्लीफायर तकनीक की मदद से इतनी तेज इंटरनेट स्पीड को हासिल करने में सफलता हासिल की है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन स्पेशल केबल का इस्तेमाल कर शोधकर्ताओं की टीम ने बिना किसी स्पीड लॉस के 1800 किलोमीटर से भी अधिक की दूरी तक भारी मात्रा में डेटा भेजने में सफलता पाई। उन्होंने ट्रांसमीटर, रिसीवर और लूपिंग सर्किट के सेटअप का उपयोग किया, जिससे डेटा फुल पॉवर से फ्लो रखने में मदद मिली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि का अर्थ है कि एक सेकेंड में 10,000 से अधिक फिल्में डाउनलोड की जा सकती हैं। गौरतलब है कि मार्च 2024 में भी जापान ने ही 402 टेराबिट्स प्रति सेकेंड (यानी 50,250 जीबीपीएस) की स्पीड का रिकॉर्ड बनाया था। लेकिन इस बार नई तकनीक ने इस आंकड़े को दोगुना से अधिक कर दिया।

कई सेक्टर्स को मिलेगा लाभ

कहना गलत नहीं होगा कि जैसे-जैसे एआइ, 8के स्ट्रीमिंग, क्लाउड गेमिंग और ऑगमेंटेड रियलिटी जैसे सेक्टर आगे बढ़ेंगे, ऐसे ब्रेकथ्रू तकनीकों की जरूरत और भी बढ़ेगी। वास्तव में यह तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता, एआइ, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, आइओटी और ग्लोबल डिजिटलीकरण की बढ़ती मांगों को पूरा करने में मदद करेगी। ज्यादा तेज इंटरनेट, ज्यादा तेज विकास भी लेकर आएगा। स्मार्ट सिटी, रिमोट हेल्थ केयर और ऑनलाइन शिक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

जापान ने सिद्ध की श्रेष्ठता

बताते चलें कि दुबई, इंटरनेट की स्पीड के मामले में दुनिया में दूसरे नंबर पर, हॉन्ग कॉन्ग तीसरे नंबर पर, फ्रांस चौथे नंबर पर और आइसलैंड पांचवें नंबर पर आता है। कहना गलत नहीं होगा कि जापान ने अपने तकनीकी नवाचार से ग्लोबल डिजिटल डिफरेंस को भी उजागर किया है। आज एआइ का दौर है। दुनिया में ज्यादातर काम-काज इंटरनेट तकनीक से किए जा रहे हैं। आने वाले समय में इंटरनेट और तकनीक का उपयोग निश्चित ही अधिक बढ़ेगा। ऐसे में जापान की इंटरनेट स्पीड से जापान के साथ ही साथ दुनिया के अन्य देशों को भी इसके लाभ मिल सकेंगे। आने वाले समय में एआई, 6जी नेटवर्क, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और वर्चुअल रियलिटी जैसी उभरती तकनीकों के लिए अत्यधिक डाटा ट्रांसमिशन की जरूरत होगी। जापान की यह तकनीक इन जरूरतों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। हालांकि यह तकनीक अभी प्रयोगशाला तक ही सीमित है और इसे आम उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराए जाने में वक्त लगेगा। लेकिन भविष्य की इंटरनेट कनेक्टिविटी के लिहाज से यह एक मजबूत नींव तो रखती ही है।

हमें भी करने होंगे प्रयास

जापान की यह उपलब्धि हमें भी अपनी इंटरनेट गति को बढ़ाने की जरूरत की याद दिलाती है। गौरतलब है कि इंटरनेट की स्पीड के मामले में भारत टॉप 10 देशों में भी शामिल नहीं है। यहां पर मोबाइल इंटरनेट स्पीड 100.78 एमबीपीएस है, जबकि एवरेज ब्रॉडबैंड स्पीड 63.55 एमबीपीएस है। वास्तव में यह स्पीड विश्व के बाकी देशों के मुकाबले काफी कम है। आज भी भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में उतनी इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। आज भी भारतीय ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों में ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी और 5जी नेटवर्क का विस्तार काफी चुनौतियों से भरा है। आज भारत लगातार डिजिटाइजेशन की ओर बढ़ रहा है। इंटरनेट ही शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और आर्थिक विकास के लिए नए अवसर खोल सकता है। इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ने से अनेक प्रकार के अवसर देश में पैदा होंगे। इंटरनेट स्पीड बढ़ेगी तो डिजिटल इंडिया को गति मिलेगी और डिजिटल इंडिया से रोजगार के अवसर बढ़ने, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण होगा। इसके लिए आज जरूरत इस बात की है कि हम अपने देश के डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाएं। *

यंगस्टर्स को सर्वाधिक अट्रैक्ट करते हैं
देश के टॉप करियर मैगनेट सिटीज

प्राइवेट सेक्टर में अगर देश के टॉप करियर मैग्नेट सिटीज की बात करें तो बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सबसे आगे हैं। इनके अलावा कुछ और शहर भी आगे बढ़ रहे हैं। वर्तमान समय और भविष्य के जॉब के लिहाज से हॉट सिटीज पर एक नजर।

{ जॉब ट्रेंड / कीर्तिशेखर }

करियर और लगातार ग्रोथ करने के लिहाज से इस समय भारत का सबसे अच्छा शहर बेंगलुरु को माना जाता है। सैलरी के मामले में भी इस समय देश के टॉप पांच शहरों में सबसे पहला नंबर बेंगलुरु का ही है और आने वाले अगले पांच सालों तक बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, अहमदाबाद, पुणे, चेन्नई और गुरुग्राम यही टॉप करियर शहर होंगे। अगले पांच सालों तक भी भारत के इन्हीं शहरों में सबसे अच्छा भविष्य तलाशने वाले युवक आकर्षित होंगे।

हाई सैलरी देने वाले शहर: 'जॉब्स एंड सैलेरीज प्राइमर फाइनेंशियल ईयर-2024' टीम लीज के हिसाब से बेंगलुरु शहर में औसत समग्र मासिक वेतन 29,500 रुपए है, जो कि देश के बाकी सभी महानगरों के मुकाबले 8 से 15 फीसदी ज्यादा है। इस मामले में एक अखबार ने भी हाल के दिनों में सैलरी और करियर के भविष्य के लिहाज से एक सर्वे किया, रेस फॉर टैलेंट। इस सर्वे में भी बेंगलुरु जूनियर, मिड और सीनियर यानी तीनों ही वेतन श्रेणियों में क्रमशः रुपए 7.2 लाख, रुपए 20.4 लाख और रुपए 37.2 लाख के औसत से शेष सभी भारतीय शहरों में शीर्ष पर है। रैंडस्टैड 2025 रिपोर्ट बताती है कि यहां जूनियर भूमिकाओं का सैलरी पैकेज देश के दूसरे सभी बड़े शहरों के मुकाबले 23 पर्सेंट तक ज्यादा है और मिड लेबल में यह 9 फीसदी ज्यादा है।

ये सिटीज भी बढ़ रहे हैं आगे: एक नए सर्वे (इनडीड) के मुताबिक यह बात भी सामने आ रही है कि हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत तेजी से अगले पांच सालों में सैलरी देने के मामले में देश के टॉप शहर बनने का मुकाबला करेंगे। लेकिन अभी तक ज्यादातर अनुमान यही है कि 2030 तक यह सेहरा बेंगलुरु के सिर पर ही रहेगा। हैदराबाद और चेन्नई के बाद जो तीसरा शहर इस मामले में चौंकाने वाली रफ्तार से, विशेषकर सैलरी के मामले में आगे बढ़कर आ रहा है, यह न तो दिल्ली है, न मुंबई, यह अहमदाबाद है। इसकी हाल के सालों में सैलरी ग्रोथ, दूसरे मेट्रो सिटीज के मुकाबले 20 से 25 फीसदी ज्यादा रही है। हालांकि सर्वे से निकला डाटा कोई तथ्य नहीं होता, जिसके आधार पर माना जाए कि यह बात सौ फीसदी सही है। यह भी एक अनुमान ही है, क्योंकि जहां दूसरे कई डाटा बेंगलुरु को सैलरी के लिहाज से देश का टॉप शहर बता रहे हैं, वहीं इनडीड यह तमगा चेन्नई को दे रहा है।

इसलिए बेंगलुरु है सबसे आगे: बेंगलुरु इस समय ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) हब बन चुका है। भारत के 40 फीसदी से ज्यादा जीसीसी बेंगलुरु में ही हैं। माइक्रोसॉफ्ट, गूगल, गोल्डमैन सैक्स जैसी 250 से ज्यादा बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत में अपने मुख्य कार्यकारी दफ्तरों के साथ बेंगलुरु में मौजूद हैं। यही नहीं ये तमाम कंपनियां अपना आरएंडडी (रिसर्च एंड डेवलपमेंट) सेंटर भी यही चलाती हैं। यहीं से नए उत्पादों और नवाचारों को बाजार में उतारती हैं। इसी तरह बेंगलुरु इस समय देश का स्टार्टअप और डीप टेक इकोसिस्टम का भी हब है। 44 फीसदी भारतीय यूनिकॉर्न बेंगलुरु में ही स्थित हैं या यहीं से निकले हैं। एआई, सेमिकंडक्टर और एयरोस्पेस केंद्रित स्टार्टअप बेंगलुरु में ही हैं और इन्हीं की बदौलत यह शहर वेतन प्रतिस्पर्धा में देश के दूसरे महानगरों के मुकाबले बहुत ऊपर है। बेंगलुरु में टैलेंट क्लस्टर बन चुका है, साथ ही यहां एक नई तरह की टैलेंट ओरिएंटेड जीवनशैली विकसित हो रही है। इस शहर में 20 लाख से ज्यादा आईटी पेशेवर कार्यरत हैं तथा ये दुनिया के गिने चुने उन शहरों में से एक बन चुका है, जो विश्व स्तरीय को-वर्किंग स्पेस मुहैय्या कराते हैं।

हैदराबाद भी है मुकाबले में: हैदराबाद और चेन्नई भी बहुत पीछे नहीं है। पिछले कुछ सालों में हैदराबाद ने फिर से तेज छलांग लगाई है और विभिन्न सर्वेक्षणों में भले वह अभी बेंगलुरु से थोड़ा नीचे हो, लेकिन माना जाता है कि अगले दो सालों में यानी 2027 तक हैदराबाद नौकरियां उपलब्ध कराने के मामले में बेंगलुरु को भी पीछे छोड़ सकता है। सिर्फ नौकरियां ही हैदराबाद में ज्यादा नहीं पैदा होंगी बल्कि आने वाले दिनों में अनुमान है कि यहां वेतन वृद्धि भी देश के दूसरे शहरों में सबसे ज्यादा होगी। हैदराबाद में वेतन वृद्धि का सबसे तेज रिकॉर्ड पहले रह चुका है और फिर से यह उसी दिशा में आगे बढ़ता लग रहा है। *

{ टेक्नोलाइफ/ लोकमित्र गौतम }

हाल के वर्षों में अंजान लोगों से मिलने, दोस्ती या लव रिलेशन बनाने में डेटिंग एप्स का यंगस्टर्स खूब यूज कर रहे हैं। इनकी पॉपुलैरिटी बढ़ने की वजह, इनके पॉजिटिव-नेगेटिव आस्पेक्ट्स के बारे में जानिए।

डेटिंग एप्स मिलने-मिलाने के नए ठिकाने

आज के दौर में मॉडर्न डेटिंग एप्स, संबंधों की दुनिया में अहम असर डाल रहे हैं। इस 21वीं सदी के दूसरे दशक में दुनिया में रिश्तों के निर्माण की प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन आया है। प्रेम पत्रों, पारिवारिक मेल-मिलापों और सामाजिक मेलों की जगह अब मोबाइल स्क्रीन और तरह-तरह के एप्स ने ले ली है। टिंडर, बंबल, हिंज, ओके कुपिड जैसे मॉडर्न डेटिंग एप्स ने आज रिश्तों की दुनिया को पूरी तरह बदल दिया है। ये तकनीकी बदलाव सिर्फ अमेरिका या यूरोप तक ही सीमित नहीं हैं, भारत भी पूरी तरह से इनकी चपेट में है, जहां सदियों पुरानी सांस्कृतिक विविधता और जीवन जीने की मजबूत व्यवस्था रही है। लेकिन आज डेटिंग एप्स ने रिश्तों की पारंपरिक दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

जुड़े हैं करोड़ों यंगस्टर्स: आज दुनिया भर में लगभग 37 करोड़ लोग, जिनमें सबसे बड़ी तादाद युवाओं की है, विभिन्न तरह के डेटिंग एप्स से जुड़े हुए हैं। डेटिंग एप्स का किस कदर चलन बढ़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि आज अमेरिका में 30 फीसदी वयस्क लोग किसी न किसी डेटिंग एप का हिस्सा हैं। इन एप्स की शुरुआत तो दो अजनबियों के बीच प्रेम संबंध विकसित कराने के लिए एक मध्यस्थ के रूप में हुई थी, लेकिन आज तरह-तरह के डेटिंग एप्स दोस्ती, कैजुअल मीटिंग, विवाह के लिए इस्तेमाल किए जा रहे हैं।

सबसे पॉपुलर डेटिंग एप्स: दुनियाभर में जिस डेटिंग एप की धूम है, उसका नाम टिंडर है। सौ से ज्यादा देशों में सक्रिय इस एप के अप्रैल 2025 तक साढ़े सात करोड़ रजिस्ट्रर्ड उपयोगकर्ता थे। दूसरे नंबर पर बंबल है, जो विशेष तौर पर महिलाओं को ध्यान में रखकर डेवलप किया गया है, क्योंकि इस एप में महिलाओं को रिश्ता आगे बढ़ाने के लिए पहला कदम रखने की आजादी है। यह एप किसी पुरुष को किसी महिला से संबंध जोड़ने के लिए निर्णय लेने की आजादी नहीं देता। इस एप में सिर्फ महिलाएं ही किसी के साथ को स्वीकार कर सकती हैं या उसे अस्वीकार कर सकती हैं। एक तीसरा पॉपुलर एप हिंज है, जो टेकलाइन के साथ गंभीर रिश्ते विकसित करने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके अलावा और लाखों सब्सक्राइबर की क्षमता रखने वाले एप्स हैं, उनमें- ओके कुपिड, ग्रिंडर और प्लेंटी ऑफ फिश डेटिंग एप्स हैं। ये सारे रिश्ते बनाने वाले एप्स अलग-अलग उम्र समूह को ध्यान में रख कर डिजाइन किए गए हैं।

इसलिए बढ़ रही पॉपुलैरिटी: डेटिंग एप्स की लोकप्रियता इसलिए बढ़ रही है, क्योंकि इनमें सुरक्षा और गोपनीयता की पुख्ता व्यवस्था होती है। इनमें एक एल्गोरिद्म की गुणवत्ता होती है, चाहे मैचिंग सही हो या न सही हो। लेकिन आमतौर पर एक ही एल्गोरिद्म के लोग इनके जरिए आपस में मिलते हैं। इनकी लोकप्रियता का एक और बड़ा कारण यह है कि इन्हें रीजनल या स्थानीय भाषाओं का सपोर्ट सिस्टम भी हासिल है और सबसे बड़ी बात, इनमें एक खास किस्म का यूजर इंटरफेस होता है, जो इसको वास्तविक माहौल का आभास देता है।

पड़ रहा है रिश्तों पर असर: इन मॉडर्न एप्स का हमारे जीवन और रिश्तों की संवदेनशीलता पर भी असर पड़ा है। निश्चित रूप से इनके चलते अब दो युवा लोगों को आपस में मिलना आसान और सुरक्षित हो गया है। पहले कुछ गिने-चुने सौभाग्यशाली लोग ही होते थे, जिनके जीवन में प्यार, मोहब्बत की जगह होती थी। लेकिन इन डेटिंग एप्स के चलते अब कोई भी अपने अनुकूल दोस्ती के लिए साथी की तलाश कर सकता है।

नेगेटिव पहलू भी हैं मौजूद: हालांकि इन एप्स में सब कुछ अच्छा अच्छा ही नहीं है। इनके कुछ नकारात्मक पहलू भी हैं। मसलन एप्स की दोस्ती या प्रेम में कमिटमेंट जैसी कोई चीज नहीं होती। बड़ी तादाद में लोग अपनी झूठी और नकली प्रोफाइल बनाकर एक-दूसरे से संपर्क साधते हैं और इस तरह कई तरह के अपराधों को अंजाम देते हैं। *

{ छोटी कहानी
गोविंद भारद्वाज }

कई वर्ष बाद गोपाल अपने गांव लौटा था। वहां उसकी मुलाकात अपने बचपन के दोस्त रामू से हुई। उसका कटा हाथ देखकर गोपाल को बहुत दुख हुआ। लेकिन रामू को अपने दुख से ज्यादा आत्मग्लानि महसूस हुई।

दिव्यांग

बरसों बाद गांव जाने का मौका मिला। तांगा स्टैंड अब टैंपो स्टैंड में बदल चुका था। टैंपो से उतरते ही अपने नाम की आवाज कानों में पड़ी, 'गोपाल...!' मैंने पलट कर देखा। सामने एक चाय की गुमटी थी, जो धुएं में बिल्कुल काली दिखाई दे रही थी। मैंने टैंपो वाले को बीस का नोट दिया और उस दुकान की तरफ बढ़ गया। 'आ भई...आ.. बहुत दिनों बाद गांव की याद आई तुझे।' उसने मुझे दुकान के अंदर बुलाते हुए कहा। मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए अपना दायां हाथ आगे बढ़ाया। उसने हाथ तो अपना बढ़ाया, लेकिन दायां नहीं बायां। मेरी नजर उसके दाएं कंधे की ओर गई। मेरे पैरों तले जमीन खिसक गई। 'यह क्या हुआ रामू?' मेरे मुंह से निकला। 'भाई गोपाल, मुझे माफ कर दे...।' रामू की आंखें नम हो आईं। 'किस बात की माफी भाई...?' मैंने उसके बाएं हाथ को पकड़ते हुए पूछा। 'दोस्त, तू मुझे जी भर कर लूला (हाथ से दिव्यांग) कह सकता है...।' वह रुआंसा हो गया। मैं समझ गया था, वह क्या कहना चाह रहा है? मैं अतीत में चला गया। बात उन दिनों की है, जब मैं गांव में रहा करता था। मेरी मित्र मंडली में यूं तो बहुत से दोस्त थे। सबके सब मुझे प्यार से गोपाल कह कर बुलाते थे, लेकिन रामू एक ऐसा दोस्त था, जो मुझे लंगड़ा (पैर से दिव्यांग) कह कर बुलाता था। दरअसल, मैं जब छह महीने का था, तब मेरे बाएं कूल्हे पर एक फोड़ा हो गया था, जो बाद में नासूर बन गया था। उसी के चलते मेरा बायां पैर खराब हो गया। मैं हमेशा के लिए दिव्यांगता की श्रेणी में आ गया।

गांव से चार किलोमीटर दूर दूसरे गांव में सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल था। वहां हम सब दोस्त मिलकर नौवीं-दसवीं कक्षा में पढ़ते थे। तब रामू सबके सामने मुझे लंगड़ा कह कर ही पुकारता था। अन्य दोस्त उसको खूब समझाते कि गोपाल को 'लंगड़ा' मत बुलाया कर, लेकिन वह था कि मानता नहीं था। स्कूल के शिक्षक भी उसे इस बात के लिए डांटते, लेकिन वह अपनी आदत से बाज नहीं आता।

एक दिन तो तब हद हो गई, जब उसने प्रिंसिपल साहब के सामने ही मुझे लंगड़ा कह दिया। उन्हें उसकी यह बात बहुत बुरी लगी, उन्होंने उसे पीटा भी। प्रिंसिपल साहब की पिटाई से तो वह और ज्यादा खफा हो गया। अब वह मुझे जब देखो तब लंगड़ा-लंगड़ा कहकर चिढ़ाने लगा। मेरी भी आदत सी हो गई थी, लंगड़ा सुनने की। मैं कभी नहीं चिढ़ता था। लेकिन दूसरों को उसका लंगड़ा कहकर बुलाना अच्छा नहीं लगता था। दसवीं पास करने के बाद मैं आगे की पढ़ाई के लिए शहर चला आया। एमए अंतिम वर्ष के इम्तिहान खत्म हो चुके थे। इसलिए मैंने सोचा क्यों न गांव जाकर पुराने मित्रों से मिला जाए।

'क्या हुआ कहां खो गया गोपाल ...?' रामू ने मेरे हाथ को झटका देते हुए पूछा। 'कुछ नहीं यार, मैं अपने बचपन में खो गया था। खैर बता तेरे दांए हाथ को क्या हुआ?' मैंने पास में पड़े स्टूल पर बैठते हुए पूछा। 'मत पूछ... जैसी करनी वैसी भरनी...। मैंने तुझे कभी तेरे नाम से नहीं बुलाया... तुझे लंगड़ा ही कहा। अब तू मुझे लूला कह सकता है।' उसने भर्राई आवाज में कहा।

'छोड़ यार पुरानी बातों को...तू मेरे लिए रामू है... और रामू ही रहेगा... पर तुमने बताया नहीं यह सब कैसे हुआ?' मैंने पूछा।

रामू चाय का कप मेरे हाथ में थमाते हुए बोला, 'दसवीं की परीक्षा पास करने के बाद मैं अपने पिताजी के साथ खेती करने लगा। दो साल पहले गेहूं निकालने के लिए खेत में थ्रेसर (अनाज निकालने की मशीन) लगा हुआ था। देर रात तक थ्रेसर पर खड़े रहने की वजह से नींद की झपकी आ गई। मेरा दायां हाथ मशीन में आ गया। जब मुझे होश आया तब मैं अस्पताल में भर्ती था। मेरा दायां हाथ कट चुका था।' 'फिर यह दुकान?' मैंने पूछा।

'दुर्घटना के लगभग एक साल बाद पिताजी ने मेरी छोटी-सी दुकान खुलवा दी। बस यहीं से थोड़ा बहुत कमाकर अपना गुजारा कर लेता हूं ... तू बता क्या कर रहा है आजकल?' उसने अपनी बात खत्म करते ही पूछा। मैंने बताया, 'एमए का इम्तिहान दिया है। आगे प्रशासनिक सेवा की तैयारी करने की सोच रहा हूं। मेरा लक्ष्य यही है आईएएस बनूं।' मैं उठ कर चलने लगा तो रामू मेरे गले लग गया, बोला, 'गोपाल, अपने दोस्त को माफ तो कर दिया ना...।' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'रामू मैं तेरे लिए तो अभी भी लंगड़ा ही हूं... तेरे मुंह से गोपाल अच्छा नहीं लगता।' *

प्रेमचंद की धरोहर कहानियां

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

आगामी 31 जुलाई को कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती मनाई जाएगी। उनके जाने के लगभग नौ दशक गुजर जाने के बाद आज भी उनका कथा साहित्य अगर प्रासंगिक बना हुआ है तो ऐसा उनकी गहन दृष्टि और सामाजिक-राष्ट्रीय सरोकार से प्रतिबद्धता के कारण ही संभव हुआ है। हाल में प्रकाशित होकर आईं ख्यात आलोचक-संपादक पल्लव के संपादन में दो पुस्तकें 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' और 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' इस बात को और प्रमाणित करती हैं। 'प्रेमचंद की दलित कथाएं' पुस्तक में संकलित 15 कहानियां आजादी से पहले के भारतीय समाज में धंसी हुई जातिगत मानसिकता को न केवल उजागर करती हैं, बल्कि उस दौर की सामाजिक कुरूपता को भी कठघरे में खड़ा करती हैं। 'सद्गति, ठाकुर का कुआं, कफन, जुरमाना, मंदिर' और 'दूध का दाम' जैसी कहानियां उस काल के सामाजिक विद्रूप को अनावृत करने के साथ आज भी याद आ जाती हैं, जब इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक गुजरने के बाद भी जाति आधारित भेदभाव से उपजी घटनाएं हमारे समाज में घटित होती हैं।

दूसरी पुस्तक 'प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं' में सोलह ऐसी कहानियां चयनित की गई हैं, जिनमें स्वाधीनता से पहले के भारतीय जनमानस में व्याप्त आजाद होने की आकुलता नजर आती है। इस पुस्तक में संकलित 'सुहाग की साड़ी, जुलूस, बौड़म' और 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि कहानियां इस बात को प्रमाणित करती हैं कि पराधीन भारत के आमजन में आजाद होने की कैसी उत्कंठा थी। महात्मा गांधी के सत्याग्रह और अहिंसक आंदोलन के प्रति प्रेमचंद के मन में कितनी निष्ठा थी, इस बात को भी ये कहानियां प्रमाणित करती हैं। ये दोनों पुस्तकें शोधार्थियों के लिए तो उपयोगी होंगी ही, प्रेमचंद के वैचारिक वैशिष्ट्य और सरोकारों को भी समझने में सहायक सिद्ध होंगी। *

पुस्तकें: प्रेमचंद की दलित कथाएं और प्रेमचंद की स्वतंत्रता संग्राम कथाएं, **संपादक:** पल्लव, **मूल्य:** 250 रुपए (प्रत्येक), **प्रकाशक:** राजपाल एंड संस, दिल्ली

खबर संक्षेप

रिदम ममानिया ने रोलर स्केटिंग में जीता स्वर्ण

मुंबई। भारत की 13 वर्षीय रिदम ममानिया ने दक्षिण कोरिया में आयोजित एशियाई रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में एकल फ्री डांस स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। इस प्रतियोगिता के 20वें सत्र का आयोजन दक्षिण कोरिया के जेचियन शहर में हो रहा है, जहां छह बार की राष्ट्रीय चैंपियन रिदम ने देश का नाम रोशन किया। रिदम ने इस साल की शुरुआत में ताइवान में हुई आर्टिस्टिक रोलर स्केटिंग ओपन प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीता था। मुंबई की खिलाड़ी ने चार साल की उम्र से स्केटिंग करना शुरू कर दी थी। रिदम का लक्ष्य अब ब्रिसबेन में होने वाले पैसिफिक कप में भाग लेना है।

सीनियर ओपन में अटवाल, जीव और ज्योति ने हासिल किया कट

सनिंगडेल (ब्रिटेन)। अर्जुन अटवाल, जीव मिल्खा सिंह और ज्योति रंधावा की भारतीय गोल्फ तिकड़ी ने आईएसपीएस हांडा सीनियर (50 साल से अधिक) ओपन में कट हासिल कर इतिहास रच दिया। यह पहली बार है जब तीन भारतीय खिलाड़ियों ने किसी मेजर (गोल्फ के शीर्ष स्तर का टूर्नामेंट) में एक साथ कट हासिल किया है। शुरुआती दिन 67 का कार्ड खेलने वाले अटवाल दूसरे दिन दो ओवर 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 36वें स्थान पर है। जीव (71-69) संयुक्त 49वें स्थान पर है जबकि रंधावा (70-71) एक ओवर के स्कोर के साथ कट में जगह बनाने में सफल रहे। इस प्रतियोगिता का कट एक ओवर का रहा।

दूसरे छोर से मदद मिलने पर अधिक सफल रहते बुमराह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर जोनाथन ट्रॉट का मानना है कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह दूसरे छोर से मदद मिलने पर अधिक सफल रहते हैं।

पांच मैचों की श्रृंखला में 1-2 से पिछड़ रही भारतीय टीम चौथे टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड से 186 रन पीछे है। बुमराह को अभी तक इस मैच में सफलता हासिल करने के लिए जूझना पड़ा है। ट्रॉट ने कहा, 'बुमराह ने अच्छी गेंदबाजी की और उनके इकोनॉमी रेट से भी इसका पता चलता है। बस किस्मत ने उनका थोड़ा साथ नहीं दिया। असल में मुद्दा दोनों छोर से दबाव बनाने का है।' उन्होंने कहा, 'बुमराह को जब दूसरे छोर से सहयोग मिलता है तो वह काफी सफल रहते हैं और शुक्रवार ऐसा नहीं था। जब आप गेंदबाजी इकाई के रूप में थोड़ा कमजोर होते हैं तो दोनों छोर से दबाव बनाना महत्वपूर्ण हो जाता है।

मौजूदा दौर में बल्लेबाजी करना आसान : पीटरसन

नई दिल्ली। इंग्लैंड के अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज केविन पीटरसन ने यह दावा करके नई बहस छेड़ दी है कि मौजूदा दौर में बल्लेबाजी 20-25 साल पहले की तुलना में 'काफी आसान' हो गई है क्योंकि टेस्ट खेलने वाले देशों के गेंदबाजी स्तर में गिरावट आई है।

पीटरसन की सोशल मीडिया पर यह टिप्पणी उस समय आई है जब एक दिन पहले ही इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़कर टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। पीटरसन ने एक्स पर लिखा, 'मुझ पर चिल्लाइए मत, लेकिन आजकल बल्लेबाजी करना 20–25 साल पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान हो गई है। शायद तब बल्लेबाजी करना आज की तुलना में दोगुना मुश्किल था।'

रोहित और मिलर के बाद टिम डेविड ने लगाया तीसरा सबसे तेज शतक, 37 गेंद में बनाई संचुरी

एजेंसी ▸▸| बासेटेरे (सेंट किट्स)

टिम डेविड ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आस्ट्रेलिया की तरफ से सबसे तेज शतक बनाया, जिससे उनकी टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला के तीसरे मैच में वेस्टइंडीज को छह विकेट से हराकर श्रृंखला अपने नाम कर ली।

टिम ने सिर्फ 37 गेंदों में 11 छक्कों की मदद से नाबाद 102 रन बनाए। भारत के रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ही उनसे आगे हैं। इन दोनों ने 2017 में 35 गेंदों में शतक लगाया था। पिछले साल स्कॉटलैंड के खिलाफ जोश इंग्लिस के बनाए गए 43 गेंदों पर शतक के रिकॉर्ड को भी टिम डेविड ने तोड़ दिया।

- 11 छक्कों की मदद से बनाए नाबाद 102 रन, जोश इंग्लिस के 43 गेंदों पर शतक के रिकॉर्ड को तोड़ा
- आस्ट्रेलिया ने 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में वेस्टइंडीज को 6 विकेट से हराया, श्रृंखला की अपने नाम

डेविड-ओवेन की 128 रन की अटूट साझेदारी

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान शाई होप के नाबाद 102 रन की मदद से चार विकेट पर 214 रन बनाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने डेविड और मिशेल ओवेन की 128 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 16.1 ओवर में चार विकेट पर 215 रन बनाकर जीत सुनिश्चित की और श्रृंखला में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल की।

डेविड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बनाया पहला शतक

डेविड ने सेंट किट्स के वार्नर पार्क में छोटे मैदान का पूरा फायदा उठाते हुए अपना छठा चौका लगाकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक पूरा किया और ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने सिर्फ 37 गेंदों में 11 छक्कों की मदद से नाबाद 102 रन बनाए और पिछले साल स्कॉटलैंड के खिलाफ जोश इंग्लिस के बनाए गए 43 गेंदों पर शतक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्णकालिक सदस्य देशों में यह क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में तीसरा सबसे तेज शतक भी है। केवल भारत के रोहित शर्मा और दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर ही उनसे आगे हैं। इन दोनों ने 2017 में 35 गेंदों में शतक लगाया था।

होप का नाबाद शतक रहा फीका

डेविड ने मैच के बाद कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे ऑस्ट्रेलिया की तरफ से शतक बनाने का मौका मिलेगा, इसलिए मैं उस अवसर के लिए बहुत आभारी हूं और बहुत उत्साहित हूं।'

डेविड की आतिशी पारी ने होप (57 गेंदों पर 102 रन) के शानदार नाबाद शतक को फीका कर दिया, जिसमें आठ चौके और छह छक्के शामिल हैं। होप ने अपने सलामी जोड़ीदार ब्रैंडन किंग के साथ मिलकर 11.4 ओवर में 125 रन जोड़े। किंग ने 36 गेंदों पर 62 रन बनाए। क्रिस गेल के बाद होप वेस्टइंडीज के ऐसे दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने तीनों प्रारूप में शतक लगाए हैं।

चौथा टेस्ट : इंग्लैंड ने पहली पारी में बनाया 669 रन का बड़ा स्कोर

स्टोक्स का शतक, इंग्लैंड की 311 रन की विशाल बढ़त, भारत ने गंवाए दो विकेट

एजेंसी ▸▸| मैनचेस्टर

कप्तान बेन स्टोक्स (141 रन) के शानदार शतक की बदौलत इंग्लैंड ने शनिवार को चौथे टेस्ट मैच में 311 रन की विशाल बढ़त हासिल की, जिसके बाद भारत ने लंच ब्रेक तक अपनी दूसरी पारी में दो विकेट गंवा दिए। इंग्लैंड ने चौथे दिन सुबह के सत्र में पहली पारी में 669 रन का विशाल स्कोर बनाया, जिसके बाद भारत को लंच से पहले 20 मिनट तक बल्लेबाजी करनी पड़ी, जिसमें मेहमान टीम का स्कोर एक रन पर दो विकेट हो गया। भारत ने दूसरी पारी के पहले ओवर में लगातार दो गेंदों पर यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन के विकेट गंवा दिए जबकि तब टीम का खाता भी नहीं खुला था।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने उठाया पिच का फायदा

क्रिस वोक्स की 'राउंड द विकेट' गेंद जायसवाल के बल्ले का बाहरी किनारा लेते हुए पहली स्लिप में जो रूट के हाथों में चली गई। अगली ही गेंद पर सुदर्शन गेंद छोड़ने और खेलने की दुविधा में दूसरी स्लिप में हैरी ब्रुक को कैच करा बैठे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों ने भारतीयों की तुलना में पिच से कहीं ज्यादा फ़ायदा उठाया। इंग्लैंड ने सुबह दिन की शुरुआत सात विकेट पर 544 रन की। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज अच्छी लय में दिखे, जिन्होंने शुक्रवार की तुलना में कहीं ज्यादा जोश से गेंदबाजी की। लेकिन इंग्लैंड को ओल्ड ट्रैफर्ड में सबसे बड़ा स्कोर बनाने से नहीं रोक सके।

बुमराह ने 33 ओवर में दिए 112 रन

बुमराह ने 33 ओवर में पांच मेडन से 112 रन देकर दो विकेट झटके। उनके अभूतपूर्व टेस्ट करियर में पहली बार हुआ कि उन्होंने 100 या इससे ज्यादा रन दिए। स्टोक्स (141 रन, 198 गेंद) ने 77 रन से आगे खेलते हुए दिन की शुरुआत सिराज की गेंद पर आगे बढ़कर कवर क्षेत्र में शॉट लगाकर की। उन्होंने सिराज की गेंद पर लेग साइड में चौका लगाकर इस मैच में शतक और पांच विकेट लेने की उपलब्धि हासिल की। स्टोक्स ने दो साल बाद शतक जड़ा है, जो उनके लिए बहुत मायने रखता है।

स्टोक्स ने पूरे किए 7 हजार रन

जब स्टोक्स ने वाशिंगटन सुंदर की गेंद पर छक्का जड़ा तो वह जाक कैलिस और सर गैरी सोबर्स के बाद 7000 रन और 200 विकेट पूरे करने वाले तीसरे क्रिकेटर बन गए। इंग्लैंड ने जहां आसानी से बाउंड्री लगाई तो 2014 के बाद यह पहली बार था जब भारत ने एक पारी में 600 रन दिए।

स्मिथ ने कहा- एशेज में नहीं मिलेगी सपाट पिचें

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि इंग्लैंड के बल्लेबाज भले ही घरेलू मैदान पर काफी सपाट पिचों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन इस साल के अंत में होने वाली एशेज श्रृंखला में बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली टीम को अलग तरह की चुनौती का सामना करना होगा।

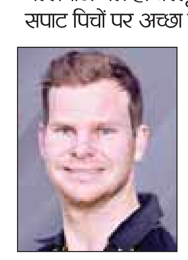

भारत-इंग्लैंड के बीच चल रही टेस्ट श्रृंखला में विकेट बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रहे हैं और स्मिथ का मानना है कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों को इस तरह की पिचों पर खेलने का अधिक आदी नहीं होना चाहिए। मौजूद श्रृंखला में दोनों टीमें कम से कम एक बार एक पारी में 500 से अधिक रन बनाने में सफल रही हैं और उन्होंने लगातार 400 से अधिक रन बनाए हैं।

टेनिस

डीसी ओपन : सेमीफाइनल में पहुंची एम्मा और लेयला

एजेंसी ▸▸| वाशिंगटन

एम्मा राडुकानू ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मारिया सकारी को 6-4, 7-5 से हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने 2021 में अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाई। राडुकानू ने दूसरे सेट में 5-2 से पिछड़ने के बाद मैच के आखिरी पांच गेम जीतकर अंतिम चार में अपनी जगह पक्की की जहां उनका सामना अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को 6-3 7-5 से हराया। महिला वर्ग में 2021 के अमेरिकी ओपन की उप विजेता लेयला फर्नांडीज ने भी क्वालीफायर टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। फर्नांडीज का अगला मुकाबला 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना से होगा, जिन्होंने मैग्डानेला फ्रेच को 6-3, 6-3 से हराया। मैग्डानेला फ्रेच ने इससे पहले गुरुवार को वीनस विलियम्स को हराया था।

शेल्टन लगातार दूसरे साल सेमीफाइनल में पहुंचे

पुरुष वर्ग में अमेरिका के बेन शेल्टन लगातार दूसरे साल डीसी ओपन के सेमीफ़ाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में हमवतन फ्रांसिस टियाफ़ो को 7-6(2) 6-4 से हराया। एलेक्स डी मिनौर और कोरेंटिन मौटेट भी सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, जहां उनका आमना सामना होगा। डी मिनौर ने ब्रैंडन नाकाशिमा को 6-4, 6-4 से और मौटेट ने 2021 के अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव को 1-6, 6-4, 6-4 से हराया।

महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ

दीक्षा कट में पहुंचने वाली एकमात्र भारतीय

नॉर्थ आयशर (स्कॉटलैंड)। दीक्षा डागर संयुक्त रूप से 59वें स्थान के साथ 2025 आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय रही।

दीक्षा ने पार-72 के कोर्स पर दूसरे दिन चार ओवर 76 का कार्ड खेल कुल एक ओवर के स्कोर के साथ कट में प्रवेश किया। कट में कुल 71 खिलाड़ियों ने जगह बनाई। दीक्षा ने पहले दिन तीन अंडर 69 के कार्ड के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन दूसरे दिन लय बरकरार नहीं रख सकी। पेशेवर गोल्फ में पदार्पण कर रही इंग्लैंड की लॉटी वोड दूसरे दिन 65 का कार्ड खेलने के बाद कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। चौबीस साल की दीक्षा आखिरी दो होल में बर्डी लगाकर कट में प्रवेश करने में सफल रही। इस दौर के 16वें होल तक उनका स्कोर छह ओवर का था। टूर्नामेंट में खेल रही दो अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (75-73) और त्वेसा मलिक (77-77) कट से चूक गईं।

एशिया कप 2025 की तारीखों का ऐलान भारत की मेजबानी में होगा टूर्नामेंट

कराची। एशिया कप 2025 का आयोजन भारत की मेजबानी में संयुक्त अरब अमीरात के दुबई और अबुधाबी में होगा। टूर्नामेंट का आयोजन 9 सितंबर से 28 सितंबर के बीच होगा। हालांकि, शेड्यूल का ऐलान नहीं हुआ है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने एक्स पर इसकी जानकारी दी। मोहसीन नकवी ने एक्स पर कहा, मुझे संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले एसीसी पुरुष एशिया कप 2025 की तारीखों की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट 9 से 28 सितंबर तक आयोजित होगा। हम शानदार क्रिकेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं! विस्तृत शेड्यूल जल्द ही जारी किया जाएगा।

टी20 फॉर्मेट में होगा टूर्नामेंट

भारत और श्रीलंका में होने वाले अगले टी20 विश्व कप में अब केवल सात महीने शेष हैं। ऐसे में एशिया कप का आयोजन टी20 प्रारूप में होगा। एशिया कप का पिछला संस्करण 2023 क्रिकेट वर्ल्ड कप से पहले वनडे प्रारूप में खेला गया था, जहां भारत ने मेजबान श्रीलंका को हराकर खिताब जीता था।

एशिया कप में 8 टीमें लेगी हिस्सा

एशिया कप में 8 टीमें होंगी। भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अलावा टूर्नामेंट में हांगकांग, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान भी शामिल होंगी। भारत-पाकिस्तान के बीच राजनीतिक तनाव के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 23 जुलाई को ढाका में होने वाली एसीसी की आम सभा की बैठक से हटने की धमकी दी थी, जिसकी अध्यक्षता एसीसी अध्यक्ष और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख नकवी ने की।

महिला फुटबॉल टूर्नामेंट

श्रीनगर। रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स 2025 महिला फुटबॉल टूर्नामेंट में मैच के दौरान गेंद के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए, कॉमरेड फुटबॉल क्लब (नीले रंग में) और वुडलैंड फुटबॉल टीम की खिलाड़ी।

जबलपुर के शूटर्स ने कुल 76 पदकों से किया शहर का नाम रोशन

एसपी के निशाने के साथ 12वीं राज्य स्तरीय 'गन फॉर ग्लोरी एयर वेपन शूटिंग प्रतियोगिता' आयोजित

जबलपुर। मध्यप्रदेश स्टेट राइफल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित बारहवीं राज्य स्तरीय गन फॉर ग्लोरी एयर वेपन शूटिंग प्रतियोगिता गन फॉर ग्लोरी शूटिंग अकादमी जबलपुर में आयोजित की गई। इस समापन समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसपी संपत उपाध्याय, दिग्विजय सिंह सेक्रेटरी, मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ, डीके शुक्ला वाइस प्रेसिडेंट, एमपी स्टेट राइफल एसोसिएशन एवं सुश्री प्रियांशी गुप्ता सीईओ, एमपी स्टेट राइफल एसोसिएशन उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथियों द्वारा विजेताओं को पदक वितरित किए गए। एसपी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। दिग्विजय सिंह ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों को उपलब्ध अवसरों से अवगत कराया। इस प्रतियोगिता में पूरे मध्यप्रदेश की 39 अकादमियों से 700 से अधिक शूटर्स ने भाग लिया। मेजबान गन फॉर ग्लोरी शूटिंग अकादमी, जबलपुर के शूटर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 76 पदक अपने नाम किए और कम्पटीशन की ओवर आल विजेता अकादमी रही। गन फॉर ग्लोरी के शूटर्स ने 55 व्यक्तिगत और 21 टीम मैडल जीते।

गन फॉर ग्लोरी के इन शूटर्स को मुख्य कोच निशांत नथवानी, असिस्टेंट कोच शक्ति चक्रवर्ती, एवं जूनियर कोच सुश्री संगीता पासी द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रतियोगिता की सफलता में देवांग पराशर एवं विवेक सराठे का भी विशेष योगदान रहा। इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन डीके शुक्ला, राकेश गुप्ता एवं सुश्री प्रियांशी गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ। प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित शूटर्स आगामी प्री-नेशनल एवं नेशनल प्रतियोगिताओं में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पदक विजेता

राइफल शूटर्स : सहाना राजपूत , नव्या गुप्ता ,स्मेरा राजपूत ,शाइनी साहू ,ख़ुशी यादव ,आस्था वर्मा , अभिनव अग्रवाल ,तनिष्क भारतीय, आशय अग्रवाल , आँचल सोनकर , रामायनी बघेल , विकल्प तिवारी , सिप्रियं पियूष, शुभी शर्मा , जिया साहू , अक्षिता पटेल , परिधि खरे , आर्या रावत , तानी गौतम, कुश मोटवानी , जतिन सिंह , मोक्ष सेन , शिवम् अग्रवाल , ऋतिक यादव, हर्षिल बहोरिआ , अमर्त्य दुबे, अंशिका पटेल **पिस्टल शूटर्स :** रूचि यादव , आर्ना राजपूत , वैशाली जैन , रिया सेन , अब्दुल एमन , अनय विश्वकर्मा , सौभाग्य हल्दकार , मेल्विन पोर्टर , शांभवी सिंह चंदेल ,इशिता मिश्रा , कुमुद गुप्ता , अक्षिता जैन, संगीता पासी , अमूल्य सोनी , दिव्यांश चक्रवर्ती , सूजल मरकाम रहे।

दो बहनों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्मेरा राजपूत ने16 वर्ष ग्रुप में आई एस एस एफ केटेगरी में दो गोल्ड मेडल और 3 सिल्वर मेडल प्राप्त किए वही बहन सहाना राजपूत ने 13 वर्ष ग्रुप में एन आर केटेगरी में 4 गोल्ड मेडल और 3सिल्वर मेडल प्राप्त किए। स्मेरा और सहाना की उपलब्धि पर पिता डॉक्टर शैलेंद्र राजपूत एवं मां डॉक्टर शीतल राजपूत ने हर्ष व्यक्त किया। वही बड़ेरिया मेट्रो प्राइम हॉस्पिटल के संचालक राजीव बड़ेरिया,ग्लोबल ग्रुप के संचालक सौरभ बड़ेरिया,अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टर शोभित बड़ेरिया, डॉक्टर पुष्पराज पटेल, मयूर जोवनपुत्र ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बरगी बांध के कुल 15 गेट खुले, नर्मदा का जल स्तर बढ़ा

बरगी बांध लबालब होने की कगार पर

नर्मदा का जलस्तर 10 फीट बढ़ा

बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण पूर्वी मध्यप्रदेश में मानसून की रफ्तार तेज हो गई है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

हरिभूमि जबलपुर।

जबलपुर सहित आसपास के जिलों में देर रात झमाझम बारिश ने पहले ही संकेत दे दिए हैं कि स्थिति .गंभीर हो सकती है। इस बीच, जलग्रहण क्षेत्रों से लगातार पानी आने और बरगी डेम की जलधारण क्षमता पार होने के चलते शनिवार को डेम प्रबंधन ने 8 और गेट खोल दिए। अब डेम के कुल 15 गेट खुले हुए हैं, जिनसे 3 हजार 175 क्यूमेक पानी छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा पावर हाउस की दोनों यूनिट से 198 क्यूमेक पानी की निकासी हो रही है। इस तरह कुल 3 हजार 375 क्यूमेक पानी नर्मदा में छोड़ा जा रहा है, जबकि इनफ्लो (आवक) 3 हजार 889 क्यूमेक पर पहुंच गया है।

गेट खोलने से पहले प्रशासन ने बरगी, बरेला, भेड़ाघाट और ग्वारीघाट सहित नर्मदा किनारे के इलाकों में पुलिस बल को अलर्ट कर दिया। घाटों पर पहुंचकर पुलिस ने मुनादी कराई और लोगों को सुरक्षित स्थानों की ओर शिफ्ट किया। व्यापारियों ने भी घाट के आसपास की दुकानों को ऊंचे स्थानों पर स्थानांतरित करना शुरू कर दिया है।

बरगी डेम के कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह गोंड ने बताया कि शनिवार सुबह डेम का जलस्तर 420 मीटर से ऊपर पहुंच गया था, जो अधिकतम भंडारण सीमा के करीब है। इसीलिए दोपहर में 8 और गेट खोलने का निर्णय लिया गया। इससे पहले शुक्रवार को 7 गेट खोले गए थे और बीते 20 दिनों से 5 गेटों के माध्यम से लगातार जलनिकासी की जा रही थी।

अगले 24 घंटे में और भी खुल सकते है गेट

डिंडोरी, मंडला और आसपास के कैचमेंट एरिया में लगातार बारिश हो रही है और मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटे में और अधिक बारिश की चेतावनी दी है। ऐसे में डेम प्रबंधन ने गेटों की संख्या और ऊंचाई दोनों बढ़ाने की संभावना जताई है। यदि इनफ्लो और तेज हुआ तो नर्मदा का जलस्तर 15 फीट तक बढ़ सकता है, जिससे निचले क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाएगा।

प्रशासन की अपील: नर्मदा घाटों से दूर रहें

प्रशासन और पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे नर्मदा नदी के तटों के नजदीक न जाएं, विशेषकर भेड़ाघाट जैसे पर्यटन स्थलों पर अधिक सतर्कता बरतें। बरगी डेम के गेटों से लगातार पानी छोड़े जाने से बहाव तेज है और किसी भी अनहोनी से बचने के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। संभावित खतरे को देखते हुए जिला प्रशासन, एनडीआरएफ और पुलिस की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। स्थानीय लोगों से सहयोग की अपील की गई है ताकि समय रहते सभी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

सोमवार से फिर बनेंगे झमाझम बारिश के आसार

झारखंड के रास्ते पानी की खेप लेकर आ रहे बादल

पश्चिम बंगाल एवं इससे सटे झारखंड क्षेत्र पर बने हवा के चक्रवात के कारण पिछले 6 घंटों के दौरान 25 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में चक्रवात अग्रसर हुआ। शनिवार को 5.30 बजे यह चक्रवात झारखंड एवं आसपास के क्षेत्र के ऊपर, अक्षांश 23.4 उत्तर और देशांश 85.2 पूर्व के निकट स्थित था, जो कि राँची (झारखंड) से लगभग 20 किमी उत्तर-पश्चिम, जमशेदपुर (झारखंड) से 120 किमी पश्चिम-उत्तरपश्चिम, जशपुरनगर (छत्तीसगढ़) से 120 किमी पूर्व-उत्तरपूर्व तथा अंबिकापुर (छत्तीसगढ़) से 200 किमी पूर्व में स्थित था। इसके अगले 36 घंटों के दौरान इसके झारखंड एवं इससे सटे उत्तर छत्तीसगढ़, पूर्वोत्तर मध्यप्रदेश तथा दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश के भागों की ओर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ने की बहुत अधिक संभावना है, लिहाजा 28 जुलाई से फिर से झमाझम बारिश के आसार बनेंगे। शनिवार को हल्की बारिश होती रही। शहर को तरबतर करने के बाद पूरे दिन बादलों ने आसमान को पूरी तरह ढके रखा। दोपहर में बूंदाबांदी हुई, चारों तरफ वातावरण खुशनुमा बना रहा। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून अभी सक्रिय है अगले 24 घण्टों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज-चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकतीं हैं।

बंगाल की खाड़ी से आये बादल

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बना मानसून का नया सिस्टम झारखंड होते हुए पूर्वी मप्र में सक्रिय हो गया जिसकी बजह से हवा का लो-प्रेशर डेवलप हुआ। पिछले 24 घंटों के दौरान 21.4 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। अब तक हुई कुल वर्षा का आंकड़ा 26.3 इंच तक पहुंच गया है।

तापमान में गिरावट

बारिश की वजह से तापमान में जरुर गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 2 डिग्री कम, न्यूनतम तापमान 23.0 सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। हवा में नमीं प्रातःकाल 95 प्रतिशत और सायंकल 89 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.29 और सूर्यास्त सायं 6.55 मिनिट पर हुआ। पश्चिमी हवायें 4 से 5 किलो मीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से चलीं। गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 27.5 और न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री दर्ज किया गया था। गत वर्ष आज के दिन वर्षा 2.2 मिमी हुई। गत वर्ष से आज के दिन तक कुल वर्षा 533.0 मिमी दर्ज की जा चुकी है। अगले 24 घण्टों के दौरान संभाग के अनेक स्थानों पर गरज-चमक के साथ पानी की बौछारें पड़ सकतीं हैं।

- स्टेट बैंक ऑफ इंदौर के दैवेभो कर्मियों को 15 वर्ष बाद नौकरी में वापस लेने के निर्देश, 50 फीसदी बैक-वेजेस देने को भी कहा
- कोर्ट की टिप्पणी : न्यायपालिका ऐसे नियोक्ताओं को संरक्षण नहीं दे सकती, जो अपने गलत कृत्यों का लाभ लेना चाहते हैं

लेबर कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक लड़ी लड़ाई, तब 15 साल बाद मिला न्याय

हरिभूमि जबलपुर।

स्टेट बैंक ऑफ इंदौर के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में विलय के बाद नौकरी से वंचित किए गए 8 दैवेभो कर्मियों की कानूनी लड़ाई 15 साल बाद रंग लाई। लेबर कोर्ट से सुप्रीम कोर्ट तक यह मामला गया। अंततः सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ए अमानुल्लाह व जस्टिस एसवीएन भट्टी की खंडपीठ ने स्टेट बैंक आफ इंडिया की विशेष अनुमति याचिका निरस्त कर दी। कोर्ट ने इन सभी को 50 फीसदी बैंकवेजेस के साथ सेवा में वापस लेने का आदेश पारित किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका ऐसे नियोक्ताओं को संरक्षण नहीं दे सकती, जो अपने गलत कृत्यों का लाभ लेना चाहते हैं।

औद्योगिक विवाद अधिनियम का उल्लंघन

जबलपुर निवासी दैनिक वेतन भोगियों रवि यादव, उमेश कुमार सैनी, मुकेश कुमार सुमन, राजकुमार सेन, मुकेश बुरमन, राम नारायण पाठक, रविन्द्र यादव, सुनील कुमार नाहर की ओर से इस मामले में निचली अदालत से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता संजय वर्मा ने सहयोगी अधिवक्ता हरमीत सिंह रुपराह के साथ कानूनी लड़ाई लड़ी। वर्मा ने बताया कि 28 जुलाई, 2010 को एक अधिसूचना जारी कर स्टेट बैंक आफ इंदौर का स्टेट बैंक आफ इंडिया में विलय कर दिया गया। स्टेट बैंक आफ इंडिया ने स्टेट बैंक ऑफ इंदौर के स्थाई कर्मियों को तो सेवा में ले लिया। लेकिन, बिना किसी पूर्व सूचना, मुआवजे, या वैधानिक प्रक्रिया के इन दैवेभो कर्मचारियों की सेवाएं अगस्त 2010 में समाप्त कर दीं गई। यह विलय अधिसूचना कं साथ औद्योगिक विवाद अधिनियम के प्रावधानों का भी स्पष्ट उल्लंघन था।

ऐसे लड़ी लड़ाई

इसके खिलाफ इन कर्मचारियों ने 2010 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट ने 2012 में याचिका का निपटारा करते हुए कर्मचारियों को केंद्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण (सीजीआइटी), जबलपुर में शिकायत दायर करने के निर्देश दिए।24 फरवरी 2014 को सीजीआइटी ने उनके पक्ष में आदेश सुनाया। इसमें कहा गया कि उनकी सेवा समाप्ति अवैध और गैरकानूनी थी। न्यायाधिकरण ने स्टेट बैंक आफ इंडिया को इन कर्मचारियों को पुनः सेवा में लेने और 50 प्रतिशत बकाया वेतन देने का आदेश दिया।

सुप्रीम कोर्ट तक गई स्टेट बैंक

स्टेट बैंक आफ इंडिया ने इस निर्णय के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की। 23 जुलाई, 2018 को एकलपीठ ने कर्मचारियों को पुनःस्थापन के बजाय प्रत्येक को चार लाख मुआवजे का आदेश दिया। इसके बाद, कर्मचारियों ने हाई कोर्ट की युगलपीठ में रिट अपील दायर की। 14 नवंबर, 2019 को युगलपीठ ने एकलपीठ के आदेश को पलटते हुए सीजीआइटी के मूल निर्णय को बहाल कर दिया। युगलपीठ ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों की सेवा समाप्ति न केवल विलय अधिसूचना के प्रहवधानों के विरुद्ध थी, बल्कि औद्योगिक विवाद अधिनियम का भी उल्लंघन था। कहा कि नियोक्ता को अपने गलत कार्यों का लाभ उठाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। स्टेट बैंक आफ इंडिया ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की। अंतिम सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सीजीआइटी के 24 फरवरी, 2014 के आदेश को बहाल रखा। हाईकोर्ट के 14 नवंबर, 2019 के निर्णय को भी मान्यता दी गई।

जानलेवा पिटाई करने वाले को सात वर्ष का कारावास

जबलपुर। जिला अदालत ने मोहल्ले में आतंक मचाते हुए एक युवक की जानलेवा पिटाई करने के आरोपी को सात वर्ष की सजा सुनाई। अपर सत्र न्यायाधीश राजेश यादव की कोर्ट ने हत्या के प्रयास के आरोपित जबलपुर निवासी चंगू उर्फ सचिन चौधरी का दोष सिद्ध पाया। कोर्ट ने आरोपी पर पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक लहर दीक्षित ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 13 मई, 2021 को आरोपित ने चौधरी मोहल्ला में उत्पात मचाया था। उसने शनि उर्फ बाटा उर्फ राजा अहिरवार को जमकर पीटा। इससे उसे गंभीर चोटें आईं। पेट में जानलेवा प्रहार से राजा बुरी तरह आहत हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया। किसी तरह उसकी जान बचाई जा सकी। गोरखपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। अदालत ने जुर्म सिद्ध पाकर सजा सुना दी।

गैर-किराया राजस्व से रेलवे ने कमाए 69.12 लाख

जबलपुर। मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा के मार्गदर्शन में एवं वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. मधुर वर्मा के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा आपसी समन्वय से कार्य करते हुए रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे है। यात्री सुविधाओं में सुधार , विस्तार एवं गैर-किराया राजस्व को बढ़ाने की दिशा में जबलपुर मंडल ने उल्लेखनीय प्रगति की है। 16 जुलाई से 23 जुलाई तक के एक सप्ताह की अवधि में मंडल द्वारा आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से 12 सफल ई-नीलामियाँ (ऑक्शन) आयोजित की गईं, जिनसे 69.12 लाख की वार्षिक आय सुनिश्चित होगी । इस उपलब्धि के अंतर्गत सात स्टेशनों पर ट्रैवल/पर्यटन सहायता हेल्प डेस्क की स्थापना।

जबलपुर मंडल के सतना, कटनी, कटनी मुडवारा, पिपरिया, मैहर, जबलपुर एवं मदनमहल स्टेशनों पर ट्रैवल और टूरिज्म सहायता केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन हेल्प डेस्क्स के माध्यम से यात्रियों को यात्रा संबंधित जानकारी, स्थानीय पर्यटन स्थलों का विवरण, होटल बुकिंग तथा परिवहन सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। यह काम किए गए।

चार स्टेशनों पर प्रतीक्षालयों का संचालन

कटनी, कटनी साउथ, मैहर और सागर स्टेशनों पर प्रतीक्षालयों का नवीनीकरण, संचालन, रखरखाव एवं स्थानांतरण (आरओएमटी) मॉडल के तहत आधुनिकीकरण किया जाएगा। इसमें आधुनिक बैठने की व्यवस्था, चार्जिंग प्वाइंट्स, स्वच्छता, और डिजिटल डिस्प्ले जैसी सुविधाओं को जोड़ा जाएगा, जिससे यात्रियों को एक बेहतर अनुभव मिलेगा। इसी तरह सतना-रीवा क्लस्टर के सतना, मैहर, जैतवार, रीवा एवं उन्चेहरा स्टेशनों पर परिभ्रमण क्षेत्र में आकर्षक और प्रभावशाली आउट ऑफ होम (ओओएच) विज्ञापन लगाए जाएंगे। इससे न केवल रेलवे की आय में वृद्धि होगी बल्कि स्टेशन परिसर की सुंदरता में भी सुधार होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240